www.hindmatamirror.com • वर्ष: 13 • अंक: 41 • ठाणे, बुधवार 7 अक्टूबर, 2026 • पेज: 8 • मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक ठाणे

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर



हरमनप्रीत ने छोड़ी टीम इंडिया की कप्तानी

पेज 8

दिल्ली कैपिटल्स हेड कोच बने गांगुली



@HINDMATAOFFICIAL

8 पेज

सुप्रभात

मृत्यु के बारे में सदैव प्रसन्न रहो और इसे सत्य मानो कि भले आदमी पर जीवन में या मृत्यु के पश्चात कोई बुराई नहीं आ सकती। - **सुकरात**

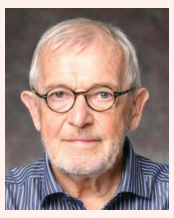
मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (7 अक्टूबर) 6:22 बजे, सूर्योदय (8 अक्टूबर) 6:30 बजे, तापमानः 34 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)

शॉर्ट स्टोरी

फ्रांसिस हैल्जेन को भौतिकी का नोबेल

हिंदमाता नेटवर्क @ स्टॉकहोम



फ्रांसिस हैल्जेन को खगोल-भौतिकीय घटना से उत्पन्न उच्च-ऊर्जा वाले 'न्यूट्रिनो' की खोज और आइसक्यूब न्यूट्रिनो वेधशाला में योगदान के लिए मंगलवार को साल 2026 के भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। न्यूट्रिनो एक बेहद सूक्ष्म और हल्के मौलिक कण को कहते हैं, जिस पर कोई विद्युत आवेश नहीं होता। रॉयल स्वीडिश अकेडेमी ऑफ साइंसेज ने स्टॉकहोम में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार विजेता के नाम की घोषणा की। इस साल पुरस्कार राशि 1.2 करोड़ स्वीडिश क्रोनर (लगभग 12 लाख अमेरिकी डॉलर) रखी गई है, चाहे यह किसी एक व्यक्ति, विजेताओं के छोटे समूह या किसी संगठन को दी जाए।

दलबदलुओं को मिल सकता है पार्टी चिह्न?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

शिवसेना के चुनाव चिह्न विवाद की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक रूप से सवाल किया कि क्या दलबदल के 'सांविधानिक पाप' के आरोपी लोगों पर भी पार्टी के चुनाव चिह्न से जुड़ी भावना लागू होनी चाहिए। सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह सवाल उस समय किया जब वह इस मुद्दे पर सुनवाई कर रही थी कि क्या निर्वाचन आयोग ने शिवसेना के चुनाव चिह्न का आवंटन करते समय मुख्य रूप से विधायी संख्या बल पर भरोसा करके सही तरीका अपनाया था। पीठ में सीजेआई सूर्यकांत के अलावा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल हैं।

आदिवासी छात्रों को शहर से बाहर भेजा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई में छात्रावास सुविधाओं और आश्रम स्कूलों में हुई मौतों की जांच की मांग को लेकर नाशिक से मार्च कर रहे आदिवासी छात्रों को पुलिस ने मंगलवार को हिरासत में ले लिया और महाराष्ट्र कांग्रेस मुख्यालय के बाहर बसों में बैठाकर शहर से बाहर ले गई। आजाद मैदान में सभा की अनुमति नहीं मिलने के बाद छात्र सोमवार से दादर स्थित विपक्षी दल के मुख्यालय तिलक भवन में ठहरे हुए थे। वे राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपना चाहते थे। छात्रों ने सुविधाओं, छात्रों की मौत की जांच और मंत्री के इस्तीफे जैसी मांगें लेकर 28 सितंबर को मार्च शुरू किया था।

जासूसी: नौसेना कर्मी समेत दो गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ अमरावती

आंध्र प्रदेश पुलिस ने पाकिस्तान के लिए कथित तौर पर जासूसी करने के आरोप में एक नौसेना कर्मी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है और मामले में 18 संदिग्धों में से ज्यादातर नौसेना से जुड़े हैं। अधिकारियों ने बताया कि कुल 18 संदिग्धों में से 13 नौसेना कर्मी हैं, जो कथित तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नुकसानदेह जासूसी के मामले में शामिल थे। पुलिस ने विशाखापत्तनम नौसैन्य अड्डे के कर्मचारी प्रदीप मुखर्जी और चालक के तौर पर काम करने वाले अन्नम साई वरप्रसाद को गिरफ्तार किया है।

छोटा राजन-टाइगर गैंग के नाम पर बिल्डर को धमकी

18 करोड़ की रंगदारी का खेल!

- 25 लाख की पहली किस्त लेने पहुंचे गुर्गों के साथ हो गया खेल
- उल्हासनगर के बदनाम भूमाफिया राज पाजी गैंग का खेल हुआ फेल
- जमानत खारिज होने के बाद भूमिगत हुए राज पाजी गैंग के अन्य कुख्यात आरोपी



- शातिर सरगना: फर्जी कागजात बनाकर, रेप केस में फंसाने की धमकी देकर भूखंड पर कब्जा और रंगदारी

हिंदमाता नेटवर्क @ उल्हासनगर

हिंदमाता बिग ब्रेकिंग

उल्हासनगर के बदनाम भूमाफिया, चीटर, रॉबरीबाज राजविंदर उर्फ राज पाजी गैंग के सदस्यों द्वारा मुंबई के एक बिल्डर से कथित तौर पर 18 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। झूठे केस में फंसाने और अंडरवर्ल्ड सरगनाओं के नाम पर धमकाने के अपने चिरपरिचित हथकंडे को अपनाते हुए राज पाजी गैंग ने बांद्रा के एक बिल्डर से 18 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी। बाद में 11 करोड़ रुपए में रंगदारी की डील सील हुई। लेकिन 25 लाख रुपए की रंगदारी की पहली किस्त को लेते हुए जब उल्हासनगर के बदनाम भूमाफिया, चीटर, रॉबरीबाज राजविंदर उर्फ राज पाजी गैंग के सदस्यों को दबोचा गया, तो उल्हासनगर के कथित भूमाफिया नेटवर्क काली करतूतों को लेकर एक बार फिर सनसनी फैल गई है। आरोप है कि बिल्डर को डराने के लिए छोटा राजन गैंग, टाइगर गैंग और चेंबूर गैंग जैसे कुख्यात गिरोहों के नाम का इस्तेमाल किया गया। मामला सामने आने के बाद पुलिस की कार्रवाई ने जमीन-जायदाद के विवादों और कथित वसूली के इस नेटवर्क पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। राज पाजी पर उल्हासनगर में लंबे समय से लोगों की जमीन-संपत्ति को लेकर विवाद खड़ा करने, फर्जी दस्तावेज तैयार करने, लोगों की प्रॉपर्टी हड़प कर जाने और लोगों को रेप केस आदि झूठे मामलों में फंसाने जैसे गंभीर आरोप लगते रहे हैं। अब बांद्रा के एक बिल्डर से इसी तरह की चीटिंग करते राज पाजी गैंग के काले कारनामों का पर्दाफाश हुआ है।

जमीन हड़पी और 18 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी

मिली जानकारी के अनुसार बांद्रा के एक बिल्डर की संपत्ति को हड़पने के लिए फर्जी कागजात तैयार करने और कब्जा करने की कोशिश की गई। इसके बाद बिल्डर से 18 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने तथा कथित तौर पर झूठे दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी देने का आरोप भी सामने आया है। राज पाजी गैंग ने उक्त बिल्डर को चेंबूर गैंग, छोटा राजन गैंग और टाइगर गैंग के नाम पर धमकी भी दी। अब खबर है कि राज पाजी पर मामला दर्ज होते ही गैंग के सरगना और पंटर सभी भूमिगत हो गए हैं।

अब खुद कानून के शिकंजे में आया भूमाफिया

जहां सत्र न्यायालय द्वारा जमानत खारिज किए जाने के बाद राजविंदर उर्फ राज पाजी के फरार होने की जानकारी है, वहीं उल्हासनगर के इसके गैंग के कई गुर्गों, खासकर उसके चीटर साथी कुबड़ा का भी नंबर इस मामले में लग सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सेशन कोर्ट ने भी इस मामले में कुख्यात भूमाफिया की जमानत रद्द कर दी है। जमानत रद्द होने की भनक लगते ही चीटर राज पाजी उर्फ राजविंदर गुर्गों संग फरार हो गया है।

अब सवाल-किसके इशारे पर चल रहा था कथित नेटवर्क?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि 18 करोड़ जैसी बड़ी रकम की कथित मांग के पीछे आखिर कौन-कौन लोग थे? क्या यह केवल कुछ लोगों का स्थानीय नेटवर्क था या इसके पीछे कोई बड़ा संगठित गिरोह काम कर रहा था? छोटा राजन या टाइगर गैंग का नाम वास्तव में किस उद्देश्य से इस्तेमाल किया गया और क्या इन कुख्यात नामों का इस्तेमाल सिर्फ डर पैदा करने के लिए किया गया या फिर राज पाजी गैंग ने अंडरवर्ल्ड सरगनाओं के नाम का इस्तेमाल कर अपना खेल किया। इन सभी सवालों के जवाब पुलिस जांच में सामने आना बाकी हैं।

मध्य प्रदेश या नेपाल भाग सकता है राज पाजी

मिली जानकारी के अनुसार राजविंदर उर्फ राज पाजी का मध्यप्रदेश में भी नेटवर्क फैला हुआ है। खासकर इंदौर और उज्जैन में उसके कई गुर्गे बताए जाते हैं। संभव है कि वह अब मध्यप्रदेश भाग गया हो। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि सीमा पार के कुछ तस्करों से साठगांठ के चलते वह नेपाल फरार हो सकता है।

हिंदमाता की अपील

फिलहाल इस मामले ने उल्हासनगर में जमीन, फर्जी दस्तावेज, धमकी और कथित रंगदारी के गठजोड़ को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस जांच पूरी होने और अदालत के अंतिम निष्कर्ष के बाद ही आरोपों की वास्तविक तस्वीर साफ होगी। उल्हासनगर में भी कई लोगों की जमीन हथियाने और झूठे केस करने वाले के ऊपर अब खुद असली केस हो गया है। किसी की भी प्रॉपर्टी राज पाजी ने हड़प ली हो या झूठा केस कहीं दर्ज करवाया हो तो आप हिंदमाता न्यूज या सनी पाजी से संपर्क करें, हम कानून के अनुसार पुलिस अथवा सक्षम न्यायिक प्राधिकरण तक आपकी बात पहुंचाएंगे और यथासंभव आपकी कानूनी सहायता करेंगे।

राज पाजी के काले कारनामों की कुंडली

मिली जानकारी के अनुसार राजविंदर उर्फ राज पाजी कई साल पहले पंजाब से चेंबूर आया, एक होटल में काम करने लगा, कुछ लोगों के साथ मिल के ठाणे के शाहपुर में एक को-ऑपरेटिव बैंक को लूटने का प्लान बना कर लूटा और रंगे हाथों पड़ गया। इस केस में 6 साल जेल में रहने के बाद उल्हासनगर में आ धमका। उल्हासनगर के भोले-भाले व्यापारियों की जमीन हड़प कर गैंग्स के नाम से डरा-धमका कर झूठे पेपर्स बनाकर, झूठे रेप, डकैती, चोरी और धोखाधड़ी के केस लोगों पर करा कर उनको डरा-धमका कर, झूठे यू ट्यूब चैनल्स बना कर, झूठे न्यूज लगा कर लोगों को बदनाम कर कुछ पुलिसवालों और कुछ वकीलों को आगे कर केस करवाने लगा। आम लोगों की प्रॉपर्टी हड़पने लगा। किसी की पारिवारिक प्रॉपर्टी पर कोर्ट केस करवाकर कब्जा करने लगा, तो किसी की प्रॉपर्टी अपने पाले गुंडों के बूते या फिर कुख्यात गैंगस्टरों के नाम का इस्तेमाल कर कब्जा करवाने लगा। इस तरह के तकरीबन 30-40 मामले राज पाजी गैंग और उसके गुर्गों के नाम पर दर्ज हैं। इनमें कई मामले तो राज पाजी ने लोगों पर दर्ज कराए हैं। मिली जानकारी के अनुसार राज पाजी कुख्यात भूमाफिया होने के साथ-साथ सोना तस्करी में भी दखल रखता है। ऐसे आरोप हैं कि गोल्ड स्मगलिंग गैंग्स को डराकर और धमकाकर वह खुद को पार्टनर बनाता है। अब मुंबई क्राइम ब्रांच इसके काले कारनामों को बेनकाब करेगी।

चुनाव आयोग के खिलाफ सड़क पर उतरा विपक्ष, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की

एक भी देशद्रोही बख्शा नहीं जाएगा: राहुल गांधी

- नौ घंटे चले धरने के बाद राहुल-प्रियंका को किंग्सवे कैंप ले गई पुलिस, दो घंटे बाद छोड़ा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली के आकाशवाणी परिसर में नौ घंटे चले धरने के बाद राहुल गांधी को कुछ प्रदर्शनकारी साथियों के साथ डिटेन करके किंग्सवे कैंप पुलिस लाइन लाया गया। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कुछ अन्य समर्थक मंगलवार दिन से ही आकाशवाणी भवन पर बैठे थे। वहीं से पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य समर्थकों को डिटेन कर किंग्सवे कैंप की नई पुलिस लाइन लाया। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। हालांकि दो घंटे बाद सभी को रिहा कर दिया गया। इस दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा- लोकतंत्र के गद्दारों को बचाने के लिए बचे-खुचे लोकतंत्र को घसीटा गया है। हिसाब होगा - एक भी देशद्रोही बख्शा नहीं जाएगा। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, आयोग को कांग्रेस पार्टी की ओर से किसी बैठक के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला है। इसके अलावा किसी अन्य विपक्षी दल की ओर से भी बैठक को लेकर कोई अनुरोध चुनाव आयोग को नहीं मिला है। राहुल गांधी ने कहा कि सांसद चुनाव आयुक्त से मिलेंगे और उन्हें मिलना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि देश की आवाज का अपमान किया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि वे सिर्फ चुनाव आयोग से मिलकर यह कहना चाहते हैं कि आपने वोट चोरी की है। उन्होंने कहा कि उन्हें यहां बैठने में कोई परेशानी नहीं है और जितना बैठना पड़ेगा, वे बैठेंगे। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि अगर चुनाव आयोग चाहता है कि वे यहां न बैठें, तो दिल्ली में कोई भी जगह बता दे, वे वहां बैठ जाएंगे। मंगलवार को राहुल गांधी को आकाशवाणी भवन में घुसते वक्त रोक दिया गया। राहुल गांधी आकाशवाणी भवन के रास्ते से चुनाव आयोग के कार्यालय जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें गेट पर ही रोक दिया गया। जानकारी के मुताबिक, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और के.सी. वेणुगोपाल चुनाव आयोग से लगभग 200 मीटर की दूरी पर धरने पर बैठ गए। कांग्रेस के कई कार्यकर्ता भी आकाशवाणी भवन के गेट के बाहर पहुंच गए।



ज्ञानेश कुमार डरे हुए हैं

पुलिस के तरफ से निर्वाचन सदन जाने से रोके जाने के बाद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर सीधा हमला बोला। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम चुने हुए जनप्रतिनिधि (सांसद) हैं और अपने ही देश में मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने जा रहे थे। पुलिस ने हमें रोक दिया। हमें समझ नहीं आ रहा कि हम सीईसी से क्यों नहीं मिल सकते? ज्ञानेश कुमार डरे हुए हैं। अगर चुनाव आयुक्त देश के चुने हुए प्रतिनिधियों से ही नहीं मिल सकते, तो इस लोकतंत्र का क्या मतलब रह गया है?

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

राहुल गांधी ने पुलिस बैरिकेड पर चढ़कर राष्ट्रीय ध्वज लहराया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि इखढ घबराई हुई है। उन्होंने बीजेपी पर उपचुनाव में भी धांधली करने का आरोप लगाया है। अखिलेश यादव ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया है। अखिलेश यादव ने कहा कि बंगाल में घपला करके बीजेपी की जीत हुई।

इंडिया गठबंधन के मार्च में नवीन पटनायक ने किया सरप्राइज, दो दलों की दूरी



दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन मार्च में बीजेडी ने सरप्राइज किया। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की पार्टी बीजेडी के नेता मार्च में शामिल हुए। बीजेडी अब तक इंडिया गठबंधन से दूर रही थी। इंडिया गठबंधन में शामिल रही एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके और अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) मार्च में शामिल नहीं हुई। हालांकि दोनों दलों का कहना है कि वो ज्ञानेश कुमार के खिलाफ है और अपने तरीके से आंदोलन कर रही है।

शीर्ष नेता सड़क पर ही धरने पर बैठ गए

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मंगलवार को दिल्ली की सड़कों पर विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का जोरदार शक्ति प्रदर्शन देखने को मिला। संसद के मकर द्वार से निर्वाचन सदन की ओर बढ़े विपक्षी सांसदों के मार्च को जब पुलिस ने आकाशवाणी भवन और नीति आयोग के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया, तो माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया। सांसदों को रोके जाने से आक्रोशित लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, अभिषेक बनर्जी और अन्य शीर्ष नेता सड़क पर ही धरने पर बैठ गए।

ज्ञानेश कुमार को पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं : राऊत

शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राऊत ने मंगलवार को कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को उच्चतम न्यायालय के इस स्पष्टीकरण के बाद पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है कि उसने कभी मतदाता पंजीकरण फॉर्म में बदलाव की मंजूरी नहीं दी। राज्यसभा सदस्य राउत ने नयी दिल्ली में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान सीईसी पर मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बारे में शीर्ष अदालत और जनता दोनों को गुमराह करने का आरोप लगाया।

विपक्षी सांसदों के मार्च में दिखी जेन जी आंदोलन की झलक

सांसदों द्वारा लगाए गए पोस्टर पर लिखे नारों और कुछ महीने पहले जंतर-मंतर पर हुए जेन जी प्रदर्शन के नारों में समानता दिखाई दी। सपा की सांसद इकरा हसन ने अपने हाथ में जो पोस्टर पकड़ रखा था, उस पर 'एक कचौड़ी दो समोसा, ज्ञानेश तुम्हारा क्या भरोसा' लिखा हुआ था। इसी तरह, टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन ने एक पोस्टर ले रखा था जिस पर 'मुचुआ (मुख्य चुनाव आयुक्त) हटाओ, देश बचाओ' लिखा हुआ था। विपक्ष के कुछ सदस्यों के पोस्टर पर 'बीजेपी ही सीईसी' लिखा हुआ था।

300 से ज्यादा विपक्षी सांसद चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते थे



कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि आज 300 से ज्यादा विपक्षी सांसद संसद से चुनाव आयोग तक मार्च कर चुनाव आयुक्तों से मुलाकात करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि ये सांसद करोड़ों भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हैं, फिर भी चुनाव आयुक्त उनसे मुलाकात क्यों नहीं कर रहे हैं। राहुल गांधी ने यह भी सवाल उठाया कि पुलिस उन्हें क्यों रोक रही है और धमकी क्यों दी जा रही है।

ज्ञानेश कुमार को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस, 27 अक्टूबर को सुनवाई



सुप्रीम कोर्ट 27 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दायर पीआईएल पर सुनवाई करेगा। इस मामले में कोर्ट ने केंद्र सरकार, चुनाव आयोग और सीईसी को नोटिस जारी किया है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई थी।

संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रही कांग्रेस: फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारत की संवैधानिक संस्थाओं के प्रति लोगों में अविश्वास उत्पन्न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन संविधान को कमजोर करने की साजिश का हिस्सा है। फडणवीस ने कहा, हर दिन झूठ बोलकर और लोगों के बीच यह धारणा पैदा करके कि भारत की संवैधानिक संस्थाएं ध्वस्त हो गई हैं और वे उन्हें न्याय नहीं दिला सकतीं, और इसके बाद खुद संविधान को ही खारिज करना, यही साजिश चल रही है। यह आंदोलन भी उसी का हिस्सा है। वे हाथ में संविधान लेकर हर तरह के असंवैधानिक कृत्य करते हैं। इसका उद्देश्य लोगों के बीच संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति नकारात्मक धारणा उत्पन्न करना है। उन्होंने कहा, वह भारत के संविधान को खारिज करना चाहते हैं और लोगों के मन में संविधान के प्रति नकारात्मक धारणा उत्पन्न करना चाहते हैं।

महाराष्ट्र एसआईआर: संशोधन के लिए मिले 6.24 लाख फॉर्म

महाराष्ट्र में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद राज्य के सभी 36 जिलों से नए मतदाताओं के पंजीकरण, आपत्तियों और संशोधनों के लिए छह लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें सबसे अधिक 56,605 आवेदन पुणे जिले से मिले हैं। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन 31 अगस्त को किया गया था। राज्य के कुल 9,78,54,049 मतदाताओं में से 7,71,65,562 मतदाताओं को सूची में शामिल किया गया था, जबकि 2,06,88,487 मतदाताओं (21.14 प्रतिशत) को एएसडीडीओ (अनुपस्थित/स्थानांतरित/मृत/दोहराव/अन्य) श्रेणी में रखा गया था। जो लोग सूची में शामिल होने से वंचित रह गए, उन्हें फिर से नाम दर्ज कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए थे।

साहसी पुलिसकर्मियों के लिए सीएम शौर्य पदक की घोषणा

छात्रों और कर्मचारियों के भत्ते में भारी इजाफा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य के सामाजिक विकास, शिक्षा, कानून-व्यवस्था और रोजगार कल्याण को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण एवं दूरगामी फैसले लिए गए हैं। कैबिनेट के इन निर्णयों का सीधा लाभ राज्य के आम नागरिकों, पुलिस बल, छात्रों, छात्रावास कर्मचारियों और पारंपरिक उत्खनन व्यवसाय से जुड़े समाज को मिलेगा। गृह विभाग की ओर से राज्य पुलिस बल के अधिकारियों और कर्मचारियों की जांबाजी को सम्मानित करने के लिए "मुख्यमंत्री शौर्य पदक" शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। अपने कर्तव्य के दौरान जोखिम उठाकर साहसिक कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को 50,000 रुपए का नकद पुरस्कार, पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। योग्य दावेदारों के चयन के लिए त्रिस्तरीय समिति गठित की जाएगी, जो सालभर के प्रदर्शन का मूल्यांकन करेगी। इस पदक के लिए 1 जनवरी 2026 से की गई साहसिक कार्रवाई को आधार माना जाएगा। हर साल 1 मई को महाराष्ट्र दिवस की पूर्व संध्या पर इन पदकों की घोषणा की जाएगी और मुख्यमंत्री स्वयं अपने हाथों से यह पदक प्रदान करेंगे।

पुलिस हिरासत में मृत्यु पर मुआवजा नीति मंजूर



गृह विभाग से संबंधित एक अन्य महत्वपूर्ण मानवीय निर्णय में, पुलिस हिरासत (कोठड़ी) में होने वाली अनैसर्गिक मौतों के मामले में मुआवजा देने की व्यापक नीति को स्वीकृति दी गई है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य मृतक के कानूनी वारिसों को बिना किसी देरी के समय पर आर्थिक सहायता प्रदान करना है।

उच्च शिक्षा में रिसर्च हब के लिए सी.एम. सृष्टी योजना

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के तहत शैक्षणिक संस्थानों में नए नवाचारों और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए 'सी.एम. सृष्टी' योजना लागू करने का फैसला लिया गया है। इस योजना के तहत राज्य के सभी सार्वजनिक विश्वविद्यालयों, शासकीय उच्च व तकनीकी शिक्षा संस्थानों, शासकीय पॉलीटेक्निक के माध्यम से रिसर्च हब स्थापित किए जाएंगे।

एफडीए का बड़ा एक्शन

कैडिला के तीन सीएफए गोदामों के लाइसेंस रद्द

अमित तिवारी @ मुंबई

महाराष्ट्र अन्न व औषध प्रशासन (एफडीए) ने दवा कंपनी कैडिला फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुणे, नागपुर और ठाणे स्थित उसके तीन सीएफए गोदामों के औषधि बिक्री एवं वितरण लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। एफडीए की जांच में एक ही जैसे ब्रांड नाम के तहत अलग-अलग औषधीय घटक वाली दवाओं की बिक्री और वितरण का मामला सामने आया था।

एक ही ब्रांड में अलग-अलग दवा घटक मिलने से एफडीए सख

एक नाम, लेकिन दवा का घटक अलग



एफडीए के मुताबिक Aciloc 150 और Aciloc 300 में रैनिटिडिन, जबकि Aciloc 150+ और Acilo 300+ में फैमोटिडिन मुख्य घटक था। प्रशासन के अनुसार ब्रांड नाम में केवल '+' चिन्ह जोड़ा गया, जबकि दवा का मूल घटक पूरी तरह बदल गया। इससे मरीज, डॉक्टर और दवा वितरक भ्रमित हो सकते थे और गलत दवा मरीज तक पहुंचने की आशंका पैदा हुई।

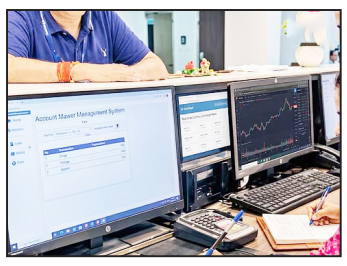
14 की जगह 30 और 20 टैबलेट का पैक

एफडीए ने पैकिंग को लेकर भी गंभीर आपत्ति दर्ज की। फैमोटिडिन टैबलेट की निर्धारित पैक साइज 14 टैबलेट थी, जबकि Aciloc 150+ को 30 टैबलेट और Aciloc 300+ को 20 टैबलेट के पैक में वितरित किए जाने की बात सामने आई।

आईआईटी मुंबई गेस्ट हाउस में आंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो वायरल

एक हिरासत में, छात्रों का हंगामा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



आईआईटी मुंबई के पवई कैंपस स्थित गेस्ट हाउस का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में एक व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर जातिसूचक अपशब्दों का इस्तेमाल करने और संविधान निमार्ता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। घटना सामने आने के बाद कैंपस में छात्रों और अन्य लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

पवई पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया

मामले की जानकारी मिलने के बाद पवई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति को हिरासत में लिया है। उससे घटना को लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त दत्ता नलावड़े ने बताया कि सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो की अभी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस वीडियो की सत्यता, उसमें दिखाई देने वाले व्यक्ति और कथित बयान के संदर्भ समेत विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है।

वीडियो की सत्यता की जांच जारी

पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो किस परिस्थिति में बनाया गया और उसमें कही गई बातों का वास्तविक संदर्भ क्या था, इसकी पड़ताल की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही वीडियो में सामने आए आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

छात्रों में फिर बढ़ा आक्रोश

आईआईटी मुंबई का पवई कैंपस कुछ समय पहले साहिल वाकोडे आत्महत्या मामले को लेकर भी छात्रों के विरोध प्रदर्शन का केंद्र रहा था। अब कथित वायरल वीडियो के सामने आने के बाद कैंपस में एक बार फिर छात्रों का विरोध तेज होने की बात सामने आई है। आक्रोशित छात्रों की ओर से मामले में जिम्मेदार बताए जा रहे प्रोफेसरों और स्टाफ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। छात्रों का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

पुलिस-प्रशासन की जांच पर नजर

फिलहाल पुलिस मामले से जुड़े वीडियो और अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, वायरल वीडियो की सत्यता और घटना के पूरे संदर्भ की पुष्टि के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। परिसर में स्थिति पर पुलिस और प्रशासन नजर बनाए हुए हैं।

शराब के नशे में चालक ने दो बाइक और शेड को रौंदा

• दीवार गिरने से गृहस्वामी गंभीर घायल, तेज रफ्तार से हुआ हादसा

हिंदमाता संवाददाता @ वसई



वसई पूर्व के ग्रामीण क्षेत्र जांभुळपाडा में रविवार रात करीब साढ़े आठ बजे तेज रफ्तार महिंद्रा थार जीप अनियंत्रित होकर एक घर में जा घुसी। हादसे में घर के सामने बने शेड और वहां खड़ी दो दोपहिया वाहनों को टक्कर मारने के बाद जीप घर की दीवार से जा टकराई। हादसे में घर की दीवार और खिड़की गिरने से हॉल में बैठे किसान सुभाष जयराम सुतार (59) गंभीर रूप से घायल हो गए।

घर के सामने खड़ी थीं दो बाइक

जांभुळपाडा स्थित घर क्रमांक 48/बी में सुभाष सुतार अपनी पत्नी सुवर्णा और बेटे आकाश के साथ रहते हैं। उनके घर के सामने से भालीवली-भाताणे को जोड़ने वाली सीमेंट सड़क गुजरती है। मुख्य दरवाजे के सामने बने पत्रे के शेड में उनकी दो दोपहिया वाहन खड़ी थीं। रविवार रात भाताणे की ओर से भालीवली जा रही थार के चालक का कथित रूप से शराब के नशे में वाहन पर नियंत्रण छूट गया और जीप सीधे शेड में जा घुसी।

दीवार गिरने से गंभीर चोट

टक्कर में शेड और दोनों दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। इसके बाद जीप घर के मुख्य दरवाजे और पूर्वी दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पक्की दीवार और खिड़की गिरकर अंदर आ गई। हॉल में बैठे सुभाष सुतार के ऊपर दीवार गिरने से उनके सिर और बाएं हाथ में गंभीर चोट आई। मकान पुरानी लकड़ी की मचान वाला होने के कारण पूरा छत नहीं गिरा, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

चालक और साथी पुलिस हिरासत में

हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने चालक और उसके साथी को पकड़कर मांडवी पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार थार चालक अंकीत रविशंकर मिश्रा (26) और उसका साथी राज इंद्रजीत यादव (24) को हिरासत में लिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

मोबाइल झपटमारी और एटीएम ठगी में तीन गिरफ्तार

वालीव पुलिस ने दो मामलों का किया खुलासा

करीब 1.95 लाख रुपए का मुद्देमाल बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ वसई



वालीव पुलिस की अपराध प्रकटीकरण शाखा ने मोबाइल चोरी, जबरी चोरी और चोरी किए गए मोबाइल के जरिए एटीएम पिन बदलकर बैंक खाते से रकम निकालने के दो मामलों का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 1 लाख 95 हजार रुपए का मुद्देमाल बरामद किया है।

हाईवे पर छीना था आईफोन

पहले मामले में 26 सितंबर 2026 की शाम करीब 7.45 बजे शिकायतकर्ता अपने पिता के साथ मुंबई-अहमदाबाद हाईवे स्थित गुजरात वाहिनी पर चिचोंटी ब्रिज के पास ब्रिजेश इंटरप्राइजेस दुकान के सामने वसई पूर्व आने के लिए ओला कैब बुक कर रहे थे। इसी दौरान काले रंग की यूनिकॉर्न मोटरसाइकिल पर आए आरोपी ने उनके हाथ से करीब 50 हजार रुपए कीमत का आईफोन जबरन छीन लिया और फरार हो गया। मामले में वालीव पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 688/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 304 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी उस्मान खान मोहम्मद इशाक खान (32), निवासी आजाद नगर, संतोष भवन, भक्तीधाम, नालासोपारा पूर्व को गिरफ्तार किया। उसके पास से 1.20 लाख रुपए का मुद्देमाल बरामद हुआ।

मोबाइल से बदला एटीएम पिन

दूसरे मामले में सुमित अशोक सोनी (36) 17 सितंबर की रात चिचोंटी ओवरब्रिज के पास नशे की हालत में सो रहे थे। इसी दौरान चोर उनका पर्स और मोबाइल लेकर फरार हो गए। पर्स में मौजूद दो एटीएम कार्ड और मोबाइल का इस्तेमाल कर आरोपियों ने एटीएम पिन बदल दिया और अलग-अलग एटीएम से करीब 2.35 लाख रुपए निकाल लिए। जांच के दौरान पुलिस ने सलमान फक्रुदीन खान (24) और गणेश उर्फ राजू लालाजी चौबे (32), दोनों निवासी नालासोपारा पूर्व, को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से ऑटो रिक्शा और मोबाइल सहित 75,050 रुपए का मुद्देमाल बरामद किया गया।

पुलिस टीम की कार्रवाई

कार्रवाई पुलिस उपायुक्त अशोक विरकर, सहायक पुलिस आयुक्त नितिन गिते, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रदीप केरकर और पुलिस निरीक्षक (अपराध) गोरक्षनाथ जैद के मार्गदर्शन में की गई। अपराध प्रकटीकरण शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक सोपान पाटील सहित पुलिस टीम ने दोनों मामलों के खुलासे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

43 हजार की रिश्वत लेते दो गिरफ्तार

माथाड़ी श्रमिक पंजीकरण रसीद जारी करने के बदले मांगी थी रकम, एसीबी की कार्रवाई

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे



भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (एसीबी) ने नवी मुंबई स्थित किराना बाजार व दुकान बोर्ड (माथाडी बोर्ड) में तैनात एक निरीक्षक और एक सुरक्षाकर्मी को श्रमिक पंजीकरण रसीद जारी करने के बदले 43,000 रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

आवेदन किया था

एसीबी के अनुसार, 35 वर्षीय शिकायतकर्ता पेशे से ऑटो-रिक्शा चालक है। उसने बोर्ड से हट चुके अपने एक परिचित के स्थान पर माथाडी श्रमिक के रूप में नियुक्ति के लिए 29 अगस्त को आवेदन किया था।

43 हजार में सौदा

शिकायतकर्ता के नाम पर आधिकारिक माथाडी श्रमिक पंजीकरण रसीद जारी करने के बदले एक निजी सुरक्षाकर्मी ने अपने लिए 5,000 रुपए और बोर्ड के एक निरीक्षक के लिए 50,000 रुपए की रिश्वत मांगी। बाद में बातचीत के बाद यह रकम घटाकर 43,000 रुपए तय की गई।

एसीबी में शिकायत

ऑटो-रिक्शा चालक ने सोमवार को एसीबी की नवी मुंबई इकाई में इसकी शिकायत दर्ज कराई। भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने बताया कि सोमवार शाम तुर्भे स्थित कृषि मंडी समिति (एपीएमसी) परिसर में बोर्ड के कार्यालय में जाल बिछाया गया। इस दौरान दोनों आरोपियों को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

भ्रष्टाचार का मामला दर्ज

एसीबी ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रेलवे अधिकारी पर यौन उत्पीड़न का मामला

महिला सहकर्मी ने अनुचित संदेश भेजने और गलत व्यवहार का लगाया आरोप, व्हाट्सऐप पर संदेश

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे



रेलवे पुलिस ने ठाणे जिले के कल्याण में 50 वर्षीय उप स्टेशन प्रबंधक के खिलाफ एक महिला सहकर्मी को व्हाट्सऐप पर कथित तौर पर अनुचित संदेश भेजने और उसके प्रति अनुचित व्यवहार करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

छुट्टी मांगने पर भेजे संदेश

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 36 वर्षीय महिला ने त्योहार के लिए छुट्टी मांगते हुए आरोपी को संदेश भेजा था लेकिन आधिकारिक अनुरोध का जवाब देने के बजाय आरोपी ने उसे कथित तौर पर अनुचित संदेश भेजे।

घूरने और करीब आने का आरोप

उन्होंने बताया कि महिला ने यह भी आरोप लगाया कि ड्यूटी के दौरान आरोपी अक्सर गलत नीयत से उसे घूरता था और उसकी इच्छा के विरुद्ध उसके करीब आने की कोशिश करता था।

दो धाराओं में प्राथमिकी

महिला की शिकायत के आधार पर कल्याण राजकीय रेलवे पुलिस ने सोमवार को आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 75(1)(यौन उत्पीड़न) और 78(1)(पीछा करना/अनुचित आचरण) के तहत प्राथमिकी दर्ज की। अधिकारी ने कहा, ''पुलिस मामले की जांच कर रही है और अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

संजय खरे ने संभाला प्रधान मुख्य अभियंता का पद

मध्य रेल में 32 वर्षों का अनुभव

कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में निभाई भूमिका

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



संजय खरे ने 1 अक्टूबर 2026 को मध्य रेल के प्रधान मुख्य अभियंता का पदभार संभाल लिया। उन्होंने रजनीश माथुर का स्थान लिया है, जो 30 सितंबर 2026 को सेवानिवृत्त हुए। इससे पहले खरे पश्चिम रेलवे में मुख्य ट्रैक इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे।

1991 बैच के अधिकारी

संजय खरे भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के 1991 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वाटर रिसोर्सेज), दिल्ली से डिप्लोमा प्राप्त किया है।

कई परियोजनाओं में योगदान

रेलवे में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए उन्होंने सहायक मंडल इंजीनियर, रेनुकूट और अहमदनगर के रूप में सेवाएं दीं। कार्यकारी इंजीनियर तथा उप मुख्य इंजीनियर के रूप में उन्होंने मध्य रेल की कई महत्वपूर्ण निर्माण परियोजनाओं में भूमिका निभाई। इनमें पनवेल-कर्जत नई रेल लाइन, लातूर-मिरज गेज परिवर्तन और अमरावती-नरखेड़ नई रेल लाइन प्रमुख हैं।

मंडलों और संस्थान में भी सेवा

खरे ने मध्य रेल के सोलापुर और नागपुर मंडलों में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर के रूप में भी कार्य किया है। इसके अलावा पुणे स्थित भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान में वरिष्ठ प्रोफेसर (वर्क्स) के पद पर सेवाएं दी हैं।

32 वर्षों का अनुभव

रेलवे में 32 वर्ष की सेवा के दौरान खरे को प्रबंधन, निर्माण कार्य और सामान्य प्रशासन का व्यापक अनुभव मिला है। उनके अनुभव से मध्य रेल को चुनौतीपूर्ण कार्यों और भविष्य के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग मिलने की उम्मीद है।

मनोनीत नगरसेवक चुनाव पर रोक

हाईकोर्ट के आदेश के बाद सातों सीटों की प्रक्रिया अंतिम अधिसूचना तक स्थगित

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर



उल्हासनगर महानगरपालिका में मनोनीत नगरसेवकों के चुनाव को लेकर जारी राजनीतिक विवाद अब न्यायालय पहुंच गया है। मुंबई उच्च न्यायालय में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद सातों मनोनीत नगरसेवकों के चुनाव की आगे की प्रक्रिया पर फिलहाल अंतरिम रोक लगा दी गई है। अंतिम अधिसूचना जारी होने तक मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं होगा।

शिवसेना को पांच, भाजपा को दो सीटें

गुरुवार को हुए चुनाव में शिवसेना ने सात में से पांच सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि भारतीय जनता पार्टी को दो सीटें मिलीं। चुनाव के दौरान भाजपा के दो नामांकन तकनीकी कारणों से निरस्त होने और बाद में नए नामों की सिफारिश को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। भाजपा ने पूरी प्रक्रिया को नियमों के विरुद्ध बताते हुए न्यायालय में चुनौती दी।

भाजपा ने दायर की याचिका

भाजपा के गटनेता व शहर अध्यक्ष राजेश वधारिया ने बताया कि 1 अक्टूबर को हुई महासभा में शिवसेना के पांच और भाजपा के दो उम्मीदवार विजयी घोषित किए गए थे। इसके बाद चुनाव प्रक्रिया को लेकर मुंबई उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई। सुनवाई के दौरान अदालत ने फिलहाल चुनाव प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया।

अंतिम फैसले का इंतजार

वधारिया ने कहा कि महासभा के बाद अंतिम अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया शेष थी, लेकिन न्यायालय के आदेश के कारण उस पर रोक लग गई है। फिलहाल सातों मनोनीत नगरसेवकों के चुनाव की प्रक्रिया स्थगित है। अंतिम अधिसूचना और न्यायालय के अंतिम आदेश के बाद ही आगे की कार्रवाई संभव होगी। इस घटनाक्रम से उल्हासनगर की राजनीतिक हलचल बढ़ गई है और सभी दलों की नजरें हाईकोर्ट के अंतिम फैसले पर टिकी हैं।

ठाणे महानगरपालिका में टेंडर वार!

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे मनपा में टेंडर प्रक्रिया को लेकर नगरसेवक और कार्यकारी अभियंता के बीच शुरू हुआ विवाद अब प्रशासनिक कामकाज तक पहुंच गया है। कार्यकारी अभियंता रणधीर राणे को नगरसेवक राजेंद्र फाटक द्वारा कथित तौर पर 'चोर' और 'भ्रष्ट अधिकारी' कहे जाने के विरोध में मंगलवार को बजे अधिकारी और कर्मचारियों ने लेखनी बंद आंदोलन शुरू कर दिया। रणधीर राणे ठाणे मनपा के वर्तकनगर प्रभाग समिति के सार्वजनिक निर्माण विभाग में कार्यकारी अभियंता के पद पर कार्यरत हैं। कुछ दिन पहले टेंडर प्रक्रिया को लेकर राणे और शिवसेना के नगरसेवक राजेंद्र फाटक के बीच तीखा विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि महानगरपालिका की आमसभा में टेंडर का विरोध किए जाने के बावजूद प्रशासन की ओर से टेंडर खोले जाने से फाटक नाराज थे। वैसे ठाणे मनपा में टेंडर वार नई बात नहीं है।

ज्वेलर्स दुकान में चोरी, दो गिरफ्तार

बुकार्धारी महिलाओं ने गहने चुराए

8.60 लाख का मुद्देमाल बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई पूर्व के चिंचपाड़ा इलाके में ज्वेलर्स की दुकान से सोने के आभूषण चोरी करने वाले गिरोह का वालीव पुलिस की अपराध प्रकटीकरण शाखा ने पदार्फाश किया है। पुलिस ने एक महिला और उसके पुरुष सहयोगी को गिरफ्तार कर उनके पास से 8.60 लाख रुपए का मुद्देमाल बरामद किया है। एक अन्य महिला आरोपी की तलाश जारी है।

बॉक्स लेकर फरार

वसई पूर्व के गवराईपाड़ा स्थित अंबिका ज्वेलर्स में 13 सितंबर को सुबह 11.17 से दोपहर 12.30 बजे के बीच दो बुकार्धारी महिलाएं पहुंचीं। उन्होंने सोने के आभूषण खरीदने का बहाना बनाकर दुकानदार को बातचीत में उलझाया और दुकान में रखा लाल रंग का बॉक्स चुरा लिया। बॉक्स में करीब 3.50 लाख रुपए कीमत के 10 जोड़ी सोने के कानों के आभूषण थे। मामले में वालीव पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज किया गया।

सीसीटीवी से आरोपियों तक पहुंची पुलिस

सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जांच और मुखबिरों की मदद से पुलिस नाशिक जिले के मालेगांव पहुंची। वहां से मुनज्जा बी. शेख गंभीर उर्फ मन्नो (25) और उसके सहयोगी नदीम गयासुद्दीन शेख (42) को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से चोरी के सभी आभूषण, वाहन और मोबाइल सहित 8.60 लाख रुपए का मुद्देमाल बरामद हुआ।

तीसरी आरोपी की तलाश

मामले में अन्नो उर्फ साजिदा बशीर खान उर्फ अंसारी की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ तेलंगाना, बीड, धुले और मुंबई में सात अपराध दर्ज हैं। कार्रवाई पुलिस उपायुक्त अशोक विरकर, सहायक पुलिस आयुक्त नितीन गिते, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रदीप केरकर और पुलिस निरीक्षक गोरक्षनाथ जैद के मार्गदर्शन में की गई। अपराध प्रकटीकरण शाखा की टीम ने कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भिवंडी में चार मामलों में कार्रवाई

मारपीट, साइबर ठगी, बार में नियमों के उल्लंघन और मटका जुए के मामले दर्ज, विवाद में युवक पर हमला

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी



भिवंडी शहर और आसपास के इलाकों में पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए मारपीट, साइबर धोखाधड़ी, ऑर्केस्ट्रा बार में लाइसेंस शर्तों के उल्लंघन और मटका जुए के मामले दर्ज किए हैं। मानकोली में पुराने विवाद को लेकर युवक पर हमला किया गया, जबकि कामतघर रोड की महिला साइबर ठगी का शिकार हुई। कोनगांव में ऑर्केस्ट्रा बार और निजामपुरा में मटका जुए के मामले में भी कार्रवाई की गई।

लाठी-रॉड से हमला

मानकोली इलाके में 25 वर्षीय ऑटो रिक्शा चालक फैजान अब्दुल हाजीद शेख पर पुराने विवाद को लेकर कथित रूप से लाठी, लोहे की रॉड और लात-घूंसों से हमला किया गया। 30 सितंबर की रात वह मानकोली-डोंबिवली मार्ग पर साई भोजनालय के सामने मौजूद था। पुलिस के अनुसार सुरेंद्र पाल, राजा, सूरज और सुरेंद्र के काका ने उसके साथ मारपीट की। हमले में फैजान के सिर में चोट और बाएं कंधे में फ्रैक्चर हुआ। शिकायत पर नारपोली पुलिस ने पांच अक्टूबर को मामला दर्ज किया। अभी किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

फर्जी ई-चालान से ठगी

कामतघर रोड की 40 वर्षीय गृहिणी को व्हॉट्सऐप पर 'आरटीओ ई-चालान.एपीके' नाम की फाइल भेजकर साइबर ठगी की गई। महिला के फाइल पर क्लिक करते ही उसके बैंक खाते से ऑनलाइन लेनदेन के जरिए 4,97,022.22 रुपए निकाल लिए गए। नारपोली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर मोबाइल नंबर और ऑनलाइन लेनदेन के रिकॉर्ड के आधार पर जांच शुरू की है।

बार में नियमों का उल्लंघन

कोनगांव पुलिस ने राजनोली स्थित लैला ऑर्केस्ट्रा बार के मैनेजर चंदन रामसंजीवन यादव (52) के खिलाफ मामला दर्ज किया। जांच के दौरान निर्धारित आठ के बजाय 10 महिला गायिकाएं मौजूद मिलीं। पुलिस ने लाइसेंस शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत केस दर्ज किया और मैनेजर को नोटिस दिया।

मटका जुए में सात पकड़े

निजामपुरा पुलिस ने खाड़ीपार ब्रिज के पास मटका जुआ खेलने और खिलाने के आरोप में सात लोगों पर कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से 4,150 रुपए नकद और जुआ सामग्री बरामद की। सभी के खिलाफ महाराष्ट्र जुआ अधिनियम की धारा 12(अ) के तहत मामला दर्ज कर नोटिस जारी किया गया।

शॉर्ट स्टोरी

अलहम्द स्कूल में लेखन प्रतियोगिता

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी



विद्यार्थियों में लेखन कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अलहम्द इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल में दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए आवेदन पत्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता अंग्रेजी, मराठी, उर्दू और हिंदी भाषाओं में हुई, जिसमें 75 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंग्रेजी में शेख फराह शहजाद ने प्रथम, शेख रोमा एजाज ने द्वितीय और सिद्दीकी नवेद शकील ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। मराठी में खान फरहान अमजद अली प्रथम, मंतशा परवेज मोमिन द्वितीय और शाह शफक शकील तृतीय रहे। उर्दू में खान बुशरा आबिद प्रथम, शाह शफक द्वितीय और शेख हफ्सा तौकीर आलम तृतीय रहे। हिंदी में अंसारी यासमीन प्रथम, शेख रोमा एजाज द्वितीय और शेख हफ्सा तौकीर तृतीय रहीं। सभी विजेताओं को 7 अक्टूबर 2026 को स्कूल के चेयरमैन अब्दुल अजीज अंसारी एवं एडमिनिस्ट्रेटर निहाल अहमद के हाथों पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्रभारी रुकैया पटेल, संयोजक अबुल कलाम, खान लुबना सहित शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

नवरात्र मंडप के लिए ऑनलाइन अनुमति

हिंदमाता संवाददाता @ भायंदर

मीरा-भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र में सार्वजनिक नवरात्रोत्सव के लिए सड़क, फुटपाथ या पैदल मार्ग जैसी सार्वजनिक जगहों पर मंडप लगाने के लिए महानगरपालिका की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य है। वर्ष 2026-27 के लिए मंडप अनुमति संबंधी आवश्यक कार्रवाई और दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। मंडप अनुमति की प्रक्रिया सरल बनाने के लिए मीरा-भायंदर महानगरपालिका ने mbmcrts.in नामक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है। सार्वजनिक नवरात्रोत्सव के लिए मंडप लगाने वाली पंजीकृत संस्थाओं और नवरात्रोत्सव मंडलों को इसी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन में मंडल की आवश्यक जानकारी, मंडप का स्थान, लगाने की अवधि, आकार, मंडल का पंजीकरण क्रमांक और आवेदन की तारीख सहित अन्य जरूरी जानकारी भरनी होगी। मंडलों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन कर नियमानुसार पूर्व अनुमति प्राप्त करनी होगी। मनपा ने नवरात्रोत्सव मंडलों से अनुमति प्रक्रिया समय पर पूरी करने की अपील की है।

हिंदमाता एंकरः 25 अक्टूबर से विंटर शेड्यूल, कई रूट्स पर कैब-ऑटो सुविधा

नवी मुंबई एयरपोर्ट पर 7 अक्टूबर से 'ई-शिवाई' बस सेवा

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई



नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विंटर शेड्यूल, जो 25 अक्टूबर 2026 से 27 मार्च 2027 तक लागू रहेगा, शुरू होने से पहले पब्लिक ट्रांसपोर्ट और ग्राउंड मोबिलिटी नेटवर्क को मजबूत किया जा रहा है। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा संचालित एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए बस, टैक्सी, ऑटो और मुफ्त शटल जैसे कई विकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

7 अक्टूबर से शुरू होगी ई-शिवाई बस सेवा

महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन 7 अक्टूबर 2026 से एनएमआईए से 'ई-शिवाई' इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करेगा। इसके तहत नवी मुंबई एयरपोर्ट से पुणे का किराया 450 रुपए, बोरीवली का 210 रुपए और दादर ईस्ट का 170 रुपए निर्धारित किया गया है। 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं को किराये में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

मुंबई के प्रमुख इलाकों से चल रही बसें

'चलो बस' के जरिए अंधेरी, बांद्रा, दादर और कोलाबा से रोजाना 21 सेवाएं संचालित की जा रही हैं। वहीं, नवी मुंबई म्युनिसिपल ट्रांसपोर्ट के ए1 से ए7 रूट टर्मिनल-1 को खारकोपर, खारघर, बेलापुर, नेरुल और पनवेल से जोड़ रहे हैं। ठाणे और नासिक के लिए बस सेवाएं नवंबर के मध्य तक शुरू किए जाने की योजना है।

टैक्सी, ऑटो और फ्री शटल की सुविधा

यात्रियों के लिए उबर गो, उबर प्रीमियर और उबर ऑटो की सेवाएं भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा भारत टैक्सी 10 अक्टूबर से 40 वाहनों के बेड़े के साथ सेवा शुरू करेगी। मुंबई और नवी मुंबई एयरपोर्ट के बीच यात्रियों की आवाजाही के लिए हर घंटे एक कॉम्प्लिमेंट्री इंटर-एयरपोर्ट शटल भी संचालित की जाएगी।

4,689 वाहनों की ग्राउंड ट्रांसपोर्ट क्षमता

एयरपोर्ट पर ग्राउंड ट्रांसपोर्ट क्षमता बढ़ाकर कुल 4,689 वाहन कर दी गई है। इसमें 3,787 टैक्सियां, 184 कार रेंटल वाहन, 171 ऑटो और 547 बसें शामिल हैं। इसके साथ ही रेलवे स्टेशनों, प्रमुख हाईवे, मेट्रो लाइनों और ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को भी विकसित किया जा रहा है।

ईवी चार्जिंग नेटवर्क पर भी जोर

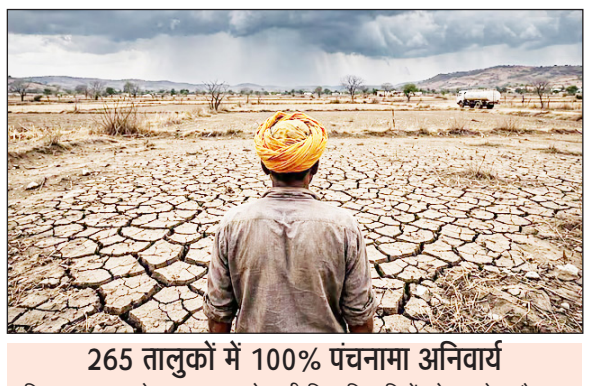
नवी मुंबई एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी को अधिक टिकाऊ बनाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए अदाणी टोटल एनर्जीज गैस की टीम के साथ मिलकर ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

महाराष्ट्र में गहराया सूखे का संकट

• 265 के साथ अब 19 और तालुकों में होगा फसलों का सर्वे

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र में इस साल कम बारिश के कारण सूखे जैसे हालात बेहद गंभीर होते जा रहे हैं। किसानों को राहत पहुंचाने और नुकसान का सही आकलन करने के लिए राज्य सरकार ने एक्शन प्लान तैयार किया है। ट्रिगर-1 की लिस्ट में शामिल 265 तालुकों के अलावा 19 अन्य तालुकों में भी सूखे की गंभीरता का आकलन किया जाएगा। कृषि आयुक्तालय द्वारा राज्य के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं कि प्रभावित क्षेत्रों में फसलों के नुकसान का जायजा लेने के लिए पंचनामा और सर्वेक्षण का काम युद्ध स्तर पर पूरा किया जाए।



265 तालुकों में 100% पंचनामा अनिवार्य

कृषि आयुक्तालय ने 5 अक्टूबर को सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि जिन 265 तालुकों में ट्रिगर-1 लागू है, वहां 100 प्रतिशत फसल पंचनामा तुरंत पूरा किया जाए। इन 265 तालुकों में पंचनामा भौतिक और डिजिटल दोनों तरह से किया जाएगा। संबंधित किसानों के हस्ताक्षर लेने के साथ ही इन पंचनामों को ग्राम पंचायत और पंचायत समिति के स्तर पर सार्वजनिक भी करना होगा।

महाराष्ट्र के 19 नए तालुकों में होगा 20% सर्वे

महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित ट्रिगर-1 की सूची वाले 265 तालुकों के अलावा 19 अन्य तालुकों में भी सूखे की गंभीरता का आकलन किया जाएगा। इन 19 तालुकों में प्रमुख 5 फसलों का 20 प्रतिशत सर्वेक्षण और जमीनी जांच करने को कहा गया है। इस सर्वेक्षण की रिपोर्ट तैयार कर कृषि आयुक्तालय के माध्यम से मंत्रिमंडल उपसमिति के सामने रखी जाएगी। सरकारी पत्र के साथ जारी परिशिष्ट के अनुसार अतिरिक्त सर्वेक्षण के लिए 8 जिलों के कुल 19 तालुकों को शामिल किया गया है। इनमें नांदेड़, चंद्रपुर, गोंदिया, वर्धा, भंडारा, नाशिक, सतारा और सांगली जिले शामिल हैं।

8 जिलों के 19 तालुकों की लिस्ट

- नांदेड़ : मुदखेड़, मुखेड़ और अधार्पुर
- चंद्रपुर : जिवती, ब्रह्मपुरी और बल्लारपुर
- गोंदिया : आमगांव, देवरी, सालेकसा और गोंदिया
- वर्धा : कारंजा
- भंडारा : मोहाड़ी और तुमसर
- नाशिक : त्र्यंबकेश्वर, चांदवड़ और निफाड
- सातारा : पाटण
- सांगली : शिराला और वालवा

अधिकारियों को सख्त निर्देश

महाराष्ट्र सरकार ने सभी संबंधित जिलाधिकारियों और कृषि अधिकारियों को इन निदेर्शों का तुरंत और मुस्तैदी से पालन करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही, की गई कार्रवाई और दैनिक प्रगति रिपोर्ट कृषि विभाग को ई-मेल के माध्यम से भेजने का निर्देश दिया गया है।

900 साल पुराने बाणगंगा तालाब को मिलेगी राहत

• पिंडदान के लिए बनेगा कृत्रिम तालाब, लगेंगे ऑक्सीजन पंप

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

दक्षिण मुंबई के 900 वर्ष पुराने व ऐतिहासिक बाणगंगा तालाब में शनिवार को बड़ी संख्या में मछलियां मृत अवस्था में मिलने से एक बार फिर पर्यावरण प्रेमियों की चिंता बढ़ गई। स्थानीय निवासियों व पर्यावरण एक्टिविस्ट ने बीएमसी से इस समस्या का स्थायी समाधान करने की अपील की। इसके बाद सोमवार को पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, बाणगंगा इलाके के नगरसेवक सनी सानप व स्थानीय बीएमसी सहायक आयुक्त के साथ बैठक की। बैठक में तय किया गया कि पिंडदान के लिए मुंबई बीएमसी कृत्रिम तालाब बनाएगी। इसके अलावा बाणगंगा तालाब के पानी में नियमित रूप से ऑक्सीजन की आपूर्ति होते रहे इसके लिए अतिरिक्त पंप लगाया जाएगा जिससे पानी का रोटेशन होता रहा और पानी में लगातार ऑक्सीजन बनी रहें। नगरसेवक सन्नी सानप ने बताया कि बाणगंगा को दूषित मुक्त रखने के लिए मुख्य तीन फैसले लिए गए हैं।



नागरिकों की जिम्मेदारी

इसमें कृत्रिम तालाब बनाना, अतिरिक्त पंप लगाना जिससे ऑक्सीजन मात्रा बनी रहें। इसके अलावा धर्म गुरुओं के साथ बैठक कर उन्हें पिंडदान कृत्रिम तालाब में करने का अनुरोध किया गया। तालाब के आसपास 10 कृत्रिम तालाब बनाए जाएंगे। पितृपक्ष की शेष अवधि और उसके बाद भी परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए है। लोढ़ा ने नागरिकों से अपील की कि धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए पर्यावरण अनुकूल तरीके से पिंडदान करें और किसी भी प्रकार की सामग्री तालाब में न डालें। उन्होंने कहा कि बाणगंगा केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि ऐतिहासिक धरोहर भी है। इसकी पवित्रता, स्वच्छता और जलजीवन को सुरक्षित रखना प्रशासन के साथ नागरिकों की भी सामूहिक जिम्मेदारी है।

जल जीवन को सुरक्षित रखना सामूहिक जिम्मेदारी : लोढ़ा

बता दें कि पिछले कई वर्षों से बाणगंगा में पिंडदान के अवसर पर पानी दूषित होने की वजह से मछलियों की मरने के मामले सामने आते रहे हैं। इस वर्ष बढ़ती गर्मी और तालाब के पानी में बड़ी मात्रा में पिंडदान की सामग्री, आटे के गोले, तेल तथा अबीर-गुलाल डाले जाने के कारण पानी में ऑक्सीजन का स्तर घटने से मछलियों की मौत होने का प्राथमिक अनुमान लगाया जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, पानी में डाले गए जैविक पदार्थों के विघटन में बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन की खपत होती है।

कई बार घटी घटनाएं

इससे मछलियों को सांस लेने में परेशानी होती है और वे तड़प-तड़पकर मर जाती है। इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं और इस वर्ष एक बार फिर इसकी पुनरावृत्ति हुई है। घटना के बाद दक्षिण मुंबई के बीएमसी डी वार्ड के सहायक आयुक्त संतोष सालुंखे ने बताया कि तालाब के पानी की गुणवत्ता की जांच के लिए नमूने प्रयोगशाला भेजे जाते हैं। इस मामले में भी इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पिंडदान के कारण पानी में ऑक्सीजन की कमी होने से मछलियों के जीवन पर संकट पैदा होता है। नगरसेवक सन्नी रविंद्र सानप ने भी कहा कि बाणगंगा को पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। धर्मगुरुओं से पिंडदान कृत्रिम तालाबों में कराने का अनुरोध किया गया है और पानी में ऑक्सीजन का स्तर बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पंप लगाए जाएंगे।

एचसी की सख्ती के बाद पार्थ की बढ़ी मुश्किलें

डीजी ने शुरू की गहन जांच, गिरफ्तारी का मंडराया खतरा

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे



पुणे के 300 करोड़ रुपए के बहुचर्चित मुंढवा जमीन सौदे में एनसीपी के नेता और राज्यसभा सांसद पार्थ पवार की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट की लगातार कड़ी टिप्पणियों के बाद महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक सदानंद दाते ने मामले की 'अधिक पेशेवर और विस्तृत जांच' के आदेश दिए हैं। पुणे पुलिस आयुक्त को सभी नामजद। आरोपियों के साथ अन्य संदिग्धों की भी व्यापक जांच करने और हर सप्ताह जांच की प्रगति की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है। मामले में सबसे बड़ा सवाल पार्थ पवार की 99 प्रतिशत हिस्सेदारी को लेकर है। जिस अमेडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी ने मुंढवा की 40 एकड़ जमीन खरीदी, उसमें पार्थ पवार की 99 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि सह-आरोपी दिग्विजय पाटिल की हिस्सेदारी महज 1 प्रतिशत है। इसके बावजूद पुलिस की चार्जशीट में पाटिल को आरोपी बनाया गया, जबकि पार्थ पवार आरोपी नहीं हैं। इसी विरोधाभास पर हाई कोर्ट ने पुलिस और राज्य सरकार से सवाल किए।

एचसी ने पूछा, 99% वाले पार्थ लाभार्थी नहीं ?

1 अक्टूबर को न्यायमूर्ति माधव जे. जामदार ने सुनवाई के दौरान सवाल किया कि जांच अधिकारी के अनुसार 99 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला व्यक्ति जिम्मेदार नहीं है, जबकि 1 प्रतिशत हिस्सेदारी वाले व्यक्ति को आरोपी बनाया गया है। अदालत ने पूछा कि क्या 99 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले पार्थ पवार इस सौदे के लाभार्थी नहीं है? मामला पुणे शहर के मुढवा की करीब 40 एकड़ महार वतन जमीन से जुड़ा है। एफआईआर के अनुसार यह जमीन भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पास लीज पर थी और मई 2025 में आवश्यक सरकारी मंजूरी के बिना अमेडिया एंटरप्राइजेज को करीब 300 करोड़ रुपए में बेच दी गई। जमीन की कीमत करीब 1,800 करोड़ रुपए बताई गई है।

मुंबई में फ्लेक्स पर सख्ती

महापौर तावड़े ने 365 दिन अभियान का किया ऐलान, स्वास्थ्यकर्मियों को समर्थन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मुंबई में गणेशोत्सव के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के बाद अब मुंबई को पूरे साल अवैध पोस्टर और बैनरों से मुक्त रखने की तैयारी शुरू हो गई है। मुंबई की महापौर रितू तावड़े ने 'शाडू बप्पा दस दिन फ्लेक्स मुक्त मुंबई 365 दिन' अभियान की घोषणा करते हुए अनधिकृत पीवीसी फ्लेक्स, बैनर, पोस्टर और स्टिकर के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति लागू करने की पहल की है। महापौर ने इस संबंध में बीएमसी आयुक्त अश्विनी भिड़े को पत्र भेजा है। मुंबई में सार्वजनिक स्थानों और इमारतों पर बिना अनुमति लगाए जाने वाले विज्ञापन बोर्ड न केवल शहर के सौंदर्य को प्रभावित करते हैं, बल्कि पर्यावरण और यातायात व्यवस्था के लिए भी समस्या बनते हैं। इसे रोकने के लिए अब अनुमति प्राप्त प्रत्येक बैनर और विज्ञापन पर लाइसेंस नंबर, वैधता अवधि, प्रिंटर का नाम और क्यू आर कोड अनिवार्य किया जाएगा। नागरिक और महानगरपालिका के गश्ती दल क्यू आर कोड स्कैन कर यह पता लगा सकेंगे कि संबंधित विज्ञापन को अनुमति मिली है या नहीं। बिना क्यू आर कोड वाले लगे बोर्ड को अनधिकृत मानकर तत्काल जब्त कर लिया जाएगा। प्रिंटर और एजेंसियों पर भी कार्रवाई बार-बार अनधिकृत फ्लेक्स और पोस्टर छापने वाले प्रिंटर, ठेकेदारों और एजेंसियों पर सिर्फ जुमार्ना लगाने के बजाय उन्हें स्थायी रूप से ब्लैकलिस्ट करने का प्रस्ताव है। एजेंसियों को पीवीसी के स्थान पर कपड़े, पर्यावरण अनुकूल सामग्री और डिजिटल एलईडी माध्यमों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

आउटसोर्स स्वास्थ्यकर्मियों के समर्थन में उतरीं महापौर

राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (एनयूएचएम) के तहत कार्यरत 1,700 से अधिक आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों के आंदोलन को अब महापौर रितू तावड़े का समर्थन मिला है। विभिन्न लंबित मांगों को लेकर आजाद मैदान में चल रहे आंदोलन के बीच सोमवार को महापौर ने मौके पर पहुंचकर कर्मचारियों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि उनकी जायज मांगों के समाधान के लिए महानगरपालिका गंभीरता से प्रयास करेगी। महापौर रितू तावड़े ने अतिरिक्त मनपा आयुक्त (शहर) को पत्र भेजकर मांगों पर जल्द निर्णय लेने के निर्देश भी दिए है। पत्र में 10 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अनुभवी आउटसोर्स कर्मचारियों को रिक्त पदों पर नियमित करने के लिए एकमुश्त नीति बनाने का प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है। इसके अलावा संशोधित न्यूनतम वेतन लागू करने, महिला कर्मचारियों को सवेतन मातृत्व अवकाश, दिवाली सानुग्रह अनुदान, समय पर पीएफ और ईएसआईसी का लाभ तथा वेतन में देरी करने वाले ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। कर्मचारियों के लिए शिकायत निवारण समिति गठित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। महापौर ने कहा कि कोविड काल में कर्मचारियों ने दिन-रात मुंबईकरों की सेवा की और उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

सर्वदलीय सहयोग की पहल

अभियान को राजनीतिक समर्थन दिलाने के लिए महापौर खुद सभी राजनीतिक दलों के प्रमुखों को पत्र लिखेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया है कि कार्रवाई में किसी तरह का राजनीतिक भेदभाव नहीं होगा, दोषियों के खिलाफ महानगरपालिका अधिनियम की धारा 328/328(ए) और महाराष्ट्र संपत्ति विद्रूपीकरण प्रतिबंध अधिनियम, 1995 के तहत कार्रवाई होगी। जरूरत पड़ने पर एफआईआर भी दर्ज की जाएगी। महापौर की अध्यक्षता और विधायक अमित साटम की प्रमुख उपस्थिति में जल्द ही प्रशासन की संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। नागरिक 1916 हेल्पलाइन, माई बीएमसी ऐप और बीएमसी की वेबसाइट से शिकायत कर सकेंगे और अधिकतम 72 घंटे में कार्रवाई का लक्ष्य रखा गया है।

विंडो से बढ़ेगा मनपा राजस्व

मुंबई बीएमसी की मौजूदा आउटडोर विज्ञापन नीति में सुधार कर सभी अनुमतियां सिंगल विंडो डिजिटल प्रणाली से जारी करने की योजना है। इससे अनधिकृत विज्ञापनों के कारण होने वाले लाइसेंस राजस्व के नुकसान को रोकने के साथ मनपा की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

नागपुर डिजिटल एसेट घोटाले के मास्टरमाइंड राकेश गर्ग को जमानत

एमपीआईडी कोर्ट ने रखी ये कड़ी शर्तें

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर



नागपुर जिले में करोड़ों रुपए के कथित फ्यूचर डिजिटल एसेट स्कीम घोटाले में कंपनी के निदेशक एवं कथित मास्टरमाइंड राकेश गर्ग को विशेष एमपीआईडी न्यायालय ने जमानत दे दी। विशेष न्यायाधीश एए आयाचित ने जमानत मंजूर करते हुए गर्ग को जांच में सहयोग करने और जांच अधिकारी द्वारा बुलाए जाने पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए। अदालत की अनुमति के बिना विदेश यात्रा नहीं करने का भी आदेश दिया गया है।

राकेश गर्ग और एजेंट मेहुल दीक्षित के खिलाफ मामला दर्ज था

शिकायत के अनुसार,कृपया इनपुट टेक्स्ट प्रदान करें ताकि मैं इसे हिंदी में पैराफ्रेज कर सकूं निवेशकों को 9,000 रुपए जमा करने पर एक महीने में ऑनलाइन वॉलेट में 12,500 रुपए मिलने और 25 निवेशक जोड़ने पर भारी कमीशन व मर्चेंट कॉइन का लालच दिया गया था। रकम जमा करने के बाद निवेशकों को कथित तौर पर वादे के अनुसार लाभ नहीं मिले। इस मामले में राकेश गर्ग और नागपुर जिले के एजेंट मेहुल दीक्षित के खिलाफ बीएनएस, एमपीआईडी एक्ट और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

अधिवक्ता गिरीश दुबे ने जमानत का विरोध किया

राकेश गर्ग के व्यक्तिगत खाते में किसी निवेशक की रकम जमा नहीं हुई और आरोप पत्र में भी किसी निवेशक ने यह नहीं कहा है कि गर्ग ने उसे निवेश के लिए प्रेरित किया। बचाव पक्ष ने अदालत को बताया कि जांच पूरी हो चुकी है और आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। गर्ग और उसकी कंपनियों के बैंक खाते पहले ही फ्रीज हैं जिनमें 2.28 करोड़ रुपए से अधिक की राशि है, जबकि आरोप पत्र में अब तक कथित गबन की राशि करीब 5.40 लाख रुपए बताई गई है।

विद्यार्थियों की मांग नहीं मानी तो पूरा महाराष्ट्र बंद करेंगे

मनोज जरांगे पाटिल की सरकार को चेतावनी

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे



महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग (एमपीएससी) के अध्यक्ष विवेक भीमनवार के इस्तीफे और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग को लेकर पुणे में छात्रों का एक बड़ा आंदोलन चल रहा है। इस आंदोलन का जमीनी नेतृत्व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार कर रहे हैं। इस बीच मराठा आरक्षण आंदोलनकारी मनोज जरंगे पाटिल भी आंदोलन में शामिल हुए। उन्होंने छात्रों से बातचीत की और उनकी मांगों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। मनोज जरांगे पाटिल ने कहा कि बच्चों, अगर इन लोगों ने आपकी बात नहीं सुनी तो यहां बैठे सभी नेताओं से भी कहता हूं और आपसे भी कहता हूं, आपके लिए पूरा महाराष्ट्र बंद कर देंगे। इन्हें क्या हो गया है, इन्हें घमंड हो गया है। उन्होंने छात्रों से कहा, आपके साथ हुआ अन्याय जाति से परे है। अगर मैं जातिवादी होता तो यहां नहीं आता। यहां महाराष्ट्र के किसानों के बच्चे बैठे हैं और मैं किसान का बेटा बनकर आया हूं, जाति के नाम पर नहीं।

मेहनतकश माता-पिता की उम्मीदों का सम्मान

जरांगे पाटिल ने कहा कि आरक्षण की मांग करने का मतलब यह नहीं है कि वे छात्रों को उनके हाल पर छोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि मेहनतकश माता-पिता की उम्मीद है कि उनके बेटे और बेटियां भी अधिकारी बनें और सरकार को इस भावना को समझना चाहिए। छात्रों के आंदोलन को समर्थन देने को राजनीति बताने पर भी जरांगे पाटिल ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि क्या सरकार चाहती है कि छात्रों के पीछे कोई खड़ा न हो और उन्हें कोई ताकत न मिले। उन्होंने पूछा, रोहित पवार राजनीतिक नेतृत्व करते हैं, इस पर किसी को संदेह है तो राज्य सरकार मुझे इसका जवाब दे। इससे पहले एमपीएससी में दो साल की अवधि बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन हुआ था। क्या वह राजनीतिक था? फिर यह आंदोलन राजनीतिक कैसे हुआ?

नशीला इंजेक्शन देने से 19 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत

कुरार पुलिस ने 4 दोस्तों को किया गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मालाड पूर्व के कुरार विलेज पुलिस स्टेशन क्षेत्र में 19 वर्षीय अमन सोनी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि अमन को उसके कुछ दोस्त घर से बुलाकर अप्पापाड़ा स्थित बुवा सालवी गार्डन ले गए थे। वहां कथित तौर पर उसे जबरन इंजेक्शन के जरिए नशीला पदार्थ दिया गया, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई।

वीडियो सामने आने का दावा

मामले से जुड़ा एक कथित वीडियो भी सामने आया है। परिजनों के मुताबिक, वीडियो में अमन नशे की हालत में परेशान दिखाई दे रहा है और उसके आसपास मौजूद कुछ युवक उसे इंजेक्शन लगाते नजर आ रहे हैं। परिवार का दावा है कि अगर अमन को समय रहते अस्पताल पहुंचाया जाता, तो उसकी जान बच सकती थी। हालांकि, वीडियो की वास्तविकता और उसमें दिखाई दे रही घटनाओं की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

पटाखा गोदाम में लगी भीषण आग

3 की मौत, 15 की हालत गंभीर

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे



सोमवार रात दर्दनाक हादसा हो गया। शहर के बेहद भीड़भाड़ वाले और रिहायशी इलाके कपड़ा गली यानी मारवाड़ी गली में पटाखा विक्रेता के घर में अचानक भीषण आग लग गई। आग के दौरान पटाखों के धमाकों से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में कुछ की हालत गंभीर है।

पटाखा विक्रेता के घर में लगी आग

हिंगोली शहर की कपड़ा गली में गोपाल बस्तवार के घर में आग लगी थी। बताया जा रहा कि घर में पटाखों का कारोबार भी होता था। आग लगने के बाद पटाखों में लगातार धमाके होने लगे, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया गया। आग इतनी भीषण थी कि राहत और बचाव कार्य के दौरान फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी भी पटाखों के धमाकों की चपेट में आकर जल गई।

फायर ब्रिगेड कर्मी भी झुलसा

आग बुझाने और लोगों को सुरक्षित निकालने के दौरान एक फायर ब्रिगेड कर्मी भी झुलस गया। उसकी हालत को देखते हुए उसे इलाज के लिए लातूर भेजा गया है। हिंगोली जिले से फायर ब्रिगेड की सभी गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि आग बुझने के बाद भी इलाके में स्थिति को गंभीर बताया जा रहा है। प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर मौजूद हैं और पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रही हैं। हादसे में झुलसे लोगों को इलाज के लिए हिंगोली के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। लक्ष्मी लाइफ केयर अस्पताल में भी कई घायलों का इलाज चल रहा है। अस्पताल के निदेशक डॉ. अखिल अग्रवाल के मुताबिक, हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि दो घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। वहीं, स्थानीय विधायक संतोष बांगर ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि जमीन पर पड़े दो शव बरामद किए गए हैं।

हिंदमाता एंकरः 150 करोड़ रुपए के फ्रॉड का अनुमान, मुंबई पुलिस ने बी.टेक ड्रॉपआउट को इंदौर से पकड़ा

2,805 एपीके फाइलें, 9,673 संभावित पीड़ित

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मुंबई के भायखला पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में बीते 11 अगस्त को एक सीनियर सिटीजन के साथ साइबर फ्रॉड का मामला सामने आया था। पीड़ित को फोन कर बताया गया कि बैंक की ओर से उनका वरिष्ठ नागरिक कार्ड बनाया जाएगा। इसके लिए उन्हें एक एपीके फाइल इंस्टॉल करने और उसमें डेबिट कार्ड सहित अन्य निजी जानकारी भरने को कहा गया। विश्वास में आकर सीनियर सिटीजन ने एपीके इंस्टॉल किया और अपनी डेबिट कार्ड व पर्सनल डिटेल्स डाल दीं। इसके बाद उनके खाते से 5 लाख 62 हजार ट्रांसफर हो गए।

इंदौर से मिला साइबर फ्रॉड का लिंक

साइबर फ्रॉड की इस घटना में मामला दर्ज होने के बाद जांच प्रॉपर्टी सेल को ट्रांसफर की गई। तकनीकी जांच के दौरान पुलिस को इस साइबर फ्रॉड का लिंक इंदौर से मिला। इसके बाद पुलिस ने 36 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी बी.टेक ड्रॉपआउट है। उसने पढ़ाई छोड़ने के बाद खुद एपीके फाइलें डेवलप करना शुरू किया। अब तक की जांच में सामने आया है कि उसने कुल 2,805 एपीके फाइलें डेवलप कीं।

फ्रॉडस्टर्स को एपीके सप्लाई करता था आरोपी

मुंबई पुलिस के क्राइम ब्रांच डीसीपी राजतिलक रौशन के मुताबिक, आरोपी खुद हर मामले में फ्रॉड नहीं करता था, बल्कि इन एपीके फाइलों को साइबर फ्रॉड करने वालों को बेचता था। फ्रॉडस्टर्स इन फाइलों का इस्तेमाल पीड़ितों से उनकी निजी और बैंकिंग जानकारी हासिल करने के लिए करते थे। आरोपी के पास बैकग्राउंड में टेक्निकल सपोर्ट देने वाले लोग भी रेंट पर थे, जो एपीके से जुड़े तकनीकी काम में मदद करते थे। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी इस पूरे नेटवर्क की ऊपरी कड़ी में से एक है।

9,673 संभावित पीड़ित, 1,074 शिकायतें और 88 प्राथमिकी

अब तक मिले रिकॉर्ड के मुताबिक 9,673 संभावित पीड़ितों का पता चला है। इनमें से 1,074 शिकायतें पुलिस के पास आई हैं। इन शिकायतों में महाराष्ट्र से 143 और मुंबई से 36 शिकायतें शामिल हैं। अब तक 88 प्राथमिकी सामने आई हैं। रिपोर्ट किए गए मामलों में करीब 15.75 करोड़ का फ्रॉड सामने आया है। हालांकि, जांच के आधार पर पुलिस को अनुमान है कि इस पूरे नेटवर्क से जुड़ा फ्रॉड करीब 150 करोड़ तक हो सकता है। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने पर यह रकम और बढ़ सकती है।

ऑल इंडिया नेटवर्क होने का शक

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच के मुताबिक, यह सिर्फ महाराष्ट्र या मुंबई तक सीमित मामला नहीं है। जांच ऑल इंडिया लेवल पर की जा रही है। आरोपी ने एपीके फाइलें देश के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद फ्रॉडस्टर्स को बेची होने की आशंका है। पुलिस अब उन सभी फ्रॉडस्टर्स तक पहुंचने की कोशिश कर रही है जिन्होंने आरोपी से एपीके खरीदी और उसका इस्तेमाल कर साइबर फ्रॉड किया। पुलिस के मुताबिक आगे इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। बता दें कि इससे पहले मुंबई साइबर पुलिस ने मेडिकल प्रैक्टिस के लिए जरूरी- एफएमजीई के फर्जी सर्टिफिकेट बनाने वाले नेटवर्क का पदार्फाश किया है। इस मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

फोन के जरिए फ्रॉडस्टर्स से संपर्क

पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी ने एपीके बेचने के लिए कोई वेबसाइट या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म नहीं बनाया था। फ्रॉडस्टर्स से उसका संपर्क फोन के जरिए होता था। पुलिस के मुताबिक शुरूआत में एक फ्रॉडस्टर ने आरोपी से संपर्क किया था। आरोपी ने खुद को एपीके डेवलपर बताया और इसके बाद उसके जरिए दूसरे फ्रॉडस्टर्स तक भी पहुंच बनी। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि आरोपी ने अब तक कितने लोगों को एपीके बेची और उसके संपर्क में कितने फ्रॉडस्टर्स थे।

डर, लालच और भरोसा बनाकर टारगेट करते थे

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच के मुताबिक, साइबर फ्रॉड में आमतौर पर पीड़ितों को डर, लालच या किसी सुविधा का भरोसा देकर टारगेट किया जाता है। सीनियर सिटीजन वाले मामले में आरोपी ने बैंक से वरिष्ठ नागरिक कार्ड बनवाने का भरोसा दिया और एपीके इंस्टॉल करने को कहा। पुलिस के मुताबिक फ्रॉडस्टर्स पहले पीड़ित को मनोवैज्ञानिक तरीके से विश्वास में लेते हैं और उसके बाद एपीके इंस्टॉल करवाकर बैंकिंग या निजी जानकारी हासिल करते हैं। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी ने एपीके डेवलप और बेचने का काम किया, जबकि फाइनल फ्रॉड करने वाले लोग अलग थे। इन फ्रॉडस्टर्स और आरोपी के बीच के पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपी को इंदौर से गिरफ्तार कर मुंबई लाया गया है और आगे की जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि कहां-कहां एपीके बेची गई, कितने फ्रॉडस्टर्स इस नेटवर्क से जुड़े हैं और कुल कितने लोगों को निशाना बनाया गया।

विचार प्रवाह



जब मैं मरुं, तो शांति से जाना चाहता हूं, जैसे मेरे दादा जी चले गए-सोते हुए। ना कि उनकी कार में बैठे पैसेंजर्स की तरह चीखते-चिल्लाते।

- बॉब मोंकहाउस

संपादकीय

जिम्मेदारी का पर्यटन

हिमालय केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि देश की अमूल्य प्राकृतिक धरोहर भी है। दुर्भाग्य यह है कि धार्मिक पर्यटन के लिए पहुंचने वाले अनेक लोग इस संवेदनशील क्षेत्र को अपनी सुविधा और मौज-मस्ती की जगह समझ लेते हैं। अपनी सुख-सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए वे पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी भूल जाते हैं। इस वर्ष सितंबर के मध्य तक चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्री 800 टन से अधिक कचरा छोड़ चुके थे। हेमकुंट साहिब और वैली ऑफ फ्लावर्स का कचरा जोड़ दिया जाए तो यह मात्रा और भी बढ़ जाती है। तीन हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में प्लास्टिक की बोतलें, रैपर और डिस्पोजेबल सामग्री मिलना बताता है कि समस्या कितनी गंभीर है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि तीर्थयात्री यह जानते हुए भी कचरा छोड़ रहे हैं कि दुर्गम हिमालयी क्षेत्रों में शहरों जैसी कचरा निपटान व्यवस्था और क्षमता उपलब्ध नहीं है। तीर्थयात्रा का उद्देश्य आध्यात्मिक अनुभव होना चाहिए, न कि पहाड़ों पर प्लास्टिक कचरे का बोझ बढ़ाना। धार्मिक पर्यटन का लगातार बढ़ता दबाव हिमालय के पारिस्थितिकीय संतुलन के लिए गंभीर चुनौती बन रहा है। केदारनाथ धाम के आंकड़े इस संकट की गंभीरता को समझने के लिए पर्याप्त हैं। अप्रैल से अगस्त के बीच यहां तीर्थयात्रियों द्वारा छोड़ा गया 50.30 टन कचरा जमा हुआ। यह मात्रा वर्ष 2023 से 2025 के बीच किसी भी पूरे वर्ष में जमा हुए कचरे से अधिक है। हिमालय जैसे नाजुक पारिस्थितिक क्षेत्र में कचरे की इतनी बड़ी मात्रा निश्चित रूप से चिंता बढ़ाने वाली है। इसे भविष्य के लिए चेतावनी के रूप में लिया जाना चाहिए। इस अराजकता के बीच 'कैरी मी बैक' अभियान उम्मीद की किरण दिखाता है। इस मुहिम के तहत करीब पांच हजार तीर्थयात्रियों ने लगभग 18 किलोमीटर के रास्ते में 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे पहुंचाया। यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे तीर्थयात्री केवल पर्यटक या यात्री नहीं रहते, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के सहभागी बनते हैं। हालांकि ऐसी मुहिम जिम्मेदार पर्यटन की व्यापक नीति का विकल्प नहीं हो सकती। अमरनाथ यात्रा के दौरान दोबारा इस्तेमाल होने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं के विस्तार से सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। यात्रियों की संख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री छोड़े जाने वाले कचरे में 15 प्रतिशत की कमी आई। ऐसे प्रयासों को अपवाद नहीं, बल्कि धार्मिक पर्यटन स्थलों की सामान्य व्यवस्था का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इससे साबित होता है कि उचित प्रबंधन और यात्रियों की भागीदारी से कचरे को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। तीर्थयात्रा के प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को केवल तीर्थयात्रियों से अपील करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित करनी चाहिए। सिंगल-यूज प्लास्टिक को नियंत्रित करने, बोतलों और पैकेजिंग पर डिपॉजिट सिस्टम लागू करने, रिफिल प्वाइंट बढ़ाने और कचरे को स्रोत पर ही अलग-अलग करने की व्यवस्था जरूरी है। वेंडरों को भी उनके उत्पादों से पैदा होने वाले कचरे के लिए जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए। धार्मिक पर्यटन स्थलों पर लगातार बढ़ते यात्रियों के दबाव को देखते हुए वैज्ञानिक तरीके से उनकी संख्या को नियंत्रित करने पर भी विचार जरूरी है। हिमालय की वहन क्षमता असीमित नहीं है। आस्था का अर्थ पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी से छूट नहीं हो सकता। किसी पवित्र पर्वत और उसके प्राकृतिक परिवेश की सीमाओं का सम्मान करना उसी आस्था का हिस्सा है, जिसका वह पर्वत प्रतीक है। तीर्थयात्रियों को यह संकल्प लेना होगा कि वे अपना कचरा अपने साथ वापस लेकर जाएंगे। सरकारों को भी ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिससे बेहिसाब तीर्थयात्रा का पर्यावरणीय बोझ हिमालय को न उठाना पड़े। धार्मिक पर्यटन तभी सार्थक होगा, जब आस्था के साथ प्रकृति की रक्षा की जिम्मेदारी भी निभाई जाए।

आज का इतिहास



■ 1586 - मुगल सेना ने कश्मीर में प्रवेश किया।
■ 1737 - बंगाल में 20 हजार छोटे जहाज के समुद्र में 40 फुट नीचे डूबने से तीन लाख लोगों की मौत।
■ 1840 - विलेम द्वितीय नीदरलैंड का राजा बना।
■ 1868 - अमेरिका में कोर्नेल विश्वविद्यालय खुला। इसमें 412 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ था जो उस समय की सबसे बड़ी संख्या थी।
■ 1919 - गांधीजी की 'नवजीवन' पत्रिका प्रकाशित ।
■ 1942 - अमेरिका और ब्रिटिश सरकार ने संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की घोषणा की।
■ 1950 - मदर टेरेसा ने कोलकाता में मिशनरीज ऑफ चैरिटी की स्थापना की थी।
■ 1952 - चंडीगढ़ पंजाब की राजधानी बनी।
■ 1959 - सोवियत संघ के अंतरिक्ष यान लूनर-3 द्वारा चंद्रमा के छिपे हिस्से की तस्वीर ली गई।
■ 1977 - सोवियत संघ ने चौथे संविधान को अंगीकार किया।
■ 1992 -भारत में त्वरित कार्यवाइ बल का गठन किया गया था। इसका गठन विशेष रूप से सांप्रदायिक दंगों से सहानुभूति पूर्वक और विशेषज्ञतापूर्वक निबटने के लिए हुआ था। प्रकृतिक आपदाओं से निबटने में भी यह बल नागरिक प्रशासन की मदद करता है। रैपिड एक्शन फोर्स की स्थापना की गई।
■ 1997 - सूर्य बहादुर थापा द्वारा नेपाल के नये प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण, भारत और रूस सुरक्षा सहयोग 2010 तक बढ़ाने के लिए सहमत।
■ 2000 -डब्ल्यूडब्ल्यूएफ - इंडिया ने पहला राजीव गांधी वन्यजीव संरक्षण पुरस्कार हासिल किया। जापान में मानव क्लोनिंग दंडनीय अपराध घोषित।
■ 2001 - आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका का ऑपरेशन 'एड्योरिंग फ्रीडम' शुरू।
■ 2003-पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ ने कट्टरपंथियों के खिलाफ अभियान जारी रखने की घोषणा की।
■ 2004 - जर्मनी ने सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी का समर्थन किया।
■ 2008 - फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास चार दिन की राजकीया यात्रा पर भारत पहुंचे।
■ 2011 - लाइबेरिया की राष्ट्रपति एलेन जानसन सरलीफ और शांति व महिला अधिकार कार्यकर्ता लीमेह जीबोई तथा यमन की तवाकुल करमान को शांति के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई।
■ 1922- बली राम भगत, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व लोकसभा अध्यक्ष।
■ 1978 - जहीर खान - पूर्व उत्कृष्ट भारतीय क्रिकेटर हैं।
■ 1979 - युक्ता मुखी, भारतीय मॉडल, अभिनेत्री एवं मिस वर्ल्ड।
■ 1952 - व्लादिमीर पुतिन - रूसी राजनीतिज्ञ हैं।

बच्चों की थाली से शुरू हो राष्ट्रनिर्माण

पोषण से जुड़ा सवाल

सरकारी योजनाओं की असली सफलता कागज पर नहीं, स्कूलों की थाली में दिखनी चाहिए

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

डॉ. प्रतीक्षा प्रकाश से शिक्षा, स्कूलों और बाल-किशोर स्वास्थ्य को लेकर बातचीत हो रही थी। चर्चा के दौरान स्कूलों में बच्चों को दिए जाने वाले पोषक आहार का विषय सामने आया। आंगनवाड़ी और स्कूलों में मिलने वाला भोजन केवल किसी सरकारी योजना का हिस्सा नहीं है, बल्कि लाखों बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण सवाल है। खासकर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए स्कूल का भोजन उनके दैनिक जीवन में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। इसलिए यह जरूरी है कि इस योजना को केवल भोजन बांटने की व्यवस्था न मानकर बच्चों के पोषण और स्वस्थ भविष्य की बुनियादी जरूरत के रूप में देखा जाए।



योजना के पीछे की जरूरत

पोषक आहार योजना की जरूरत को उस सामाजिक-आर्थिक परिस्थिति के संदर्भ में समझना होगा, जिसमें देश के लाखों परिवार आज भी जीवनयापन के लिए रोज कमाने-खाने पर निर्भर हैं। ऐसे परिवारों के सदस्य सुबह अपने काम पर निकल जाते हैं और कई बार शाम को ही घर लौटते हैं। उनके बच्चों को दिन में पर्याप्त और पौष्टिक भोजन मिलना हमेशा सुनिश्चित नहीं होता। ऐसे में स्कूल में मिलने वाला भोजन बच्चों के लिए सिर्फ एक अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि उनके पोषण की महत्वपूर्ण गारंटी बन जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है।

सुकड़ी से खिचड़ी तक

एक समय स्कूलों में बच्चों को 'सुकड़ी' दी जाती थी। गेहूं के भरड़ आटे में चीनी या गुड़ और अन्य सामग्री मिलाकर तैयार की जाने वाली यह सुकड़ी बच्चों को पसंद आती थी। उसमें थोड़ा पानी या दूध मिलाकर खाने का अपना आनंद था। समय बदला और स्कूलों में खिचड़ी, दूध, केले, अंडे जैसी चीजें मिलने लगीं। यह बदलाव निश्चित रूप से सुखद लगा। कभी स्कूल में दोपहर के भोजन के लिए छुट्टी होती थी तो बच्चे भूख से व्याकुल होकर घर की ओर भागते थे। ऐसे में स्कूल में ही भोजन मिलना बच्चों के लिए बड़ी सुविधा जैसा लगता है। आज के बच्चों के लिए यह व्यवस्था सामान्य हो सकती है, लेकिन उन परिवारों के लिए इसका महत्व बहुत बड़ा है जहां भोजन की नियमित उपलब्धता भी चुनौती है।

थाली में लापरवाही क्यों?

दुर्भाग्य से समय के साथ इस योजना में भी सरकारी व्यवस्थाओं की वही कमियां दिखाई देने लगीं, जो दूसरी योजनाओं में अक्सर सामने आती हैं। कभी खिचड़ी में अळी मिलने की खबर आती है, कभी चावल में कंकड़ पाए जाते हैं और कभी दाल इतनी कम होती है कि वरण में दाल का होना ही दुर्लभ लगने लगता है। सवाल केवल भोजन की गुणवत्ता का नहीं है। सवाल यह है कि बढ़ती उम्र के बच्चों के भोजन के साथ कोई इस तरह लापरवाही कैसे कर सकता है? जिन बच्चों को स्वस्थ शरीर और मजबूत भविष्य की जरूरत है, उनके भोजन में मिलावट या घटिया गुणवत्ता किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए।

भूख और गरीबी का सच

देश में विकास की बड़ी-बड़ी बातें होती हैं। सरकारी इमारतों और दीवारों पर विभिन्न योजनाओं की रंगीन सूचियां दिखाई देती हैं। लेकिन यदि अनेक स्कूलों की रसोई और भोजन की व्यवस्था को करीब से देखा जाए तो विकास की यह चमक कई जगह फीकी पड़ती नजर आ सकती है। आज भी गांवों में ऐसे परिवार हैं जहां सुबह की रोटी शाम तक चलाना चुनौती है। ऐसे परिवार के बच्चे के लिए स्कूल में मिलने वाला भोजन उसके पूरे दिन का सबसे भरोसेमंद भोजन हो सकता है। इसलिए स्कूल के भोजन की गुणवत्ता में थोड़ी सी भी कमी उस बच्चे के स्वास्थ्य और पोषण पर सीधा असर डाल सकती है।

कागज से बाहर निकले पोषण

सरकारी दस्तावेजों में बच्चों के लिए आवश्यक कैलोरी, प्रोटीन, पोषक तत्व और संतुलित आहार जैसे शब्द बड़ी प्रमुखता से लिखे जाते हैं। योजनाओं के आंकड़े भी बताते हैं कि बच्चों को नियमित रूप से पौष्टिक भोजन दिया जा रहा है। लेकिन असली सवाल यह है कि कागज पर दर्ज पोषण बच्चों की थाली में कितना पहुंच रहा है। कागज पर कोई बच्चा पर्याप्त अंडे और केले पाने वाला और पूरी तरह स्वस्थ दिखाई दे सकता है, लेकिन यदि वास्तविक भोजन की गुणवत्ता कमजोर है तो सरकारी आंकड़े बच्चे की वास्तविक स्थिति नहीं बता पाएंगे। योजना की सफलता आंकड़ों से नहीं, बच्चों के स्वास्थ्य से मापी जानी चाहिए।

जिम्मेदारी तय हो

स्कूलों में दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए केवल व्यवस्था बनाना पर्याप्त नहीं है। उसकी नियमित निगरानी भी उतनी ही जरूरी है। भोजन की सामग्री की गुणवत्ता, पकाने की स्वच्छता, पोषण मानकों और बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन की मात्रा की लगातार जांच होनी चाहिए। जहां लापरवाही मिले, वहां जिम्मेदारी भी तय हो। बच्चों के भोजन के मामले में किसी भी स्तर पर यह सोच नहीं होनी चाहिए कि थोड़ी बहुत कमी चल जाएगी। एक बच्चे की थाली में हुई लापरवाही उसके स्वास्थ्य पर लंबे समय तक असर डाल सकती है।

राष्ट्रनिर्माण की पहली थाली

बच्चों को अक्सर देश का भविष्य कहा जाता है। लेकिन भविष्य केवल भाषणों और घोषणाओं से मजबूत नहीं होता। मजबूत राष्ट्र की नींव स्वस्थ, शिक्षित और सक्षम बच्चों से तैयार होती है। शिक्षा के साथ पर्याप्त पोषण मिले, तभी बच्चा पढ़ाई पर ध्यान दे सकेगा और अपनी क्षमताओं का पूरा विकास कर पाएगा। इसलिए सशक्त राष्ट्रनिर्माण की शुरूआत किसी बड़ी इमारत, योजना या राजधानी की घोषणा से नहीं, बल्कि स्कूल में बैठे बच्चे की थाली से होनी चाहिए। जिस देश की सरकारें बच्चों के पोषण को प्राथमिकता देती हैं, वही वास्तव में अपने भविष्य में निवेश करती हैं। बच्चों के भोजन की गुणवत्ता से समझौता करना दरअसल देश के भविष्य की गुणवत्ता से समझौता करना है।

महिला सुरक्षा पर जेन-जी का नया प्रतिरोध

कचौरी-समोसे जैसी मजाकिया घोषणाओं के पीछे छिपा है डर, गुस्सा और सुरक्षित जीवन का अधिकार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली में महिला सुरक्षा को लेकर हुए आंदोलनों में जब 'कचौरी, समोसा, चाय, सिगरेट, आलू-पूरी' जैसी घोषणाएं सुनाई दीं तो पहली नजर में हंसी आती है। ये नारे शरारती और मजाकिया लगते हैं, लेकिन इन्हें लगाने वाली युवतियों के चेहरे देखें तो समझ आता है कि यह उनके लिए कोई मजाक नहीं है। इन नारों के जरिए उन्होंने रोजमर्रा के जीवन में मौजूद असुरक्षा पर व्यंग्य किया है। आजादी के 75 साल से अधिक समय बाद भी वे पूछ रही हैं कि आखिर वे सुरक्षित क्यों नहीं हैं? इन हल्के-फुल्के नारों के पीछे व्यवस्था के प्रति नाराजगी, उपेक्षा का दर्द और वर्षों से जमा बेचैनी है।



आंदोलन की बदली भाषा

जेन-जी की युवतियों ने आंदोलन की पारंपरिक भाषा को नया रूप दिया है। सोशल मीडिया, मीम संस्कृति, तुकबंदी, हास्य और व्यंग्य के जरिए वे अपनी बात ऐसी शैली में रख रही हैं, जो लोगों को याद रह जाए। 'हम औरतें आजाद हैं', 'रेपिस्ट को अंदर करो, लड़कियों को नहीं', 'बेटी की लोकेशन नहीं, बेटे का इंटेंट चेक करो' जैसे नारों से लेकर 'एक कचौरी, दो समोसा... इन मर्दों का क्या भरोसा' तक का सफर सिर्फ मनोरंजन नहीं है। इसके पीछे सुरक्षित होकर जीने की मांग है।

क्या निशाना सभी पुरुष हैं?

महिलाओं द्वारा पुरुषों पर सवाल उठाए जाने पर सबसे पहले यह तर्क सामने आता है कि 'सभी पुरुष एक जैसे नहीं होते।' यह बात सही है। हर पुरुष छेड़छाड़ करने वाला या हिंसक नहीं होता। हर पुरुष महिलाओं को गलत नजर से नहीं देखता। बड़ी संख्या में पुरुष महिला सुरक्षा के आंदोलनों का समर्थन भी करते हैं। आंदोलनकारी युवतियां भी यह नहीं कह रही हैं कि हर पुरुष अपराधी है। उनका सवाल उस व्यवस्था से है, जिसमें सुरक्षित रहने के लिए आज भी महिलाओं की गतिविधियों पर नियंत्रण लगाया जाता है।

हर कदम पर सुरक्षा की चिंता

रात में घर लौटती लड़की को परिवार को फोन करना पड़ता है। कैब में बैठते ही वाहन का नंबर भेजना पड़ता है। सड़क पर पीछे से आने वाले कदमों की आहट भी उसे सतर्क कर देती है। कोई अचानक करीब से गुजर जाए तो वह पीछे मुड़कर देखती है। यह डर किसी एक घटना का परिणाम नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में धीरे-धीरे समाया हुआ अनुभव है। कहां जाना है, कितने बजे लौटना है, किस रास्ते से जाना है और किसे लोकेशन भेजनी है—इन सबकी सावधानियां लड़कियों को बचपन से सिखाई जाती हैं। लेकिन सवाल यह है कि समानता के दावे वाले समाज में सुरक्षा की इतनी जिम्मेदारी केवल लड़की की ही क्यों?

पुरुषों को भी बदलनी होगी नजर

सोशल मीडिया पर कई पुरुषों ने इन नारों का समर्थन करते हुए कहा है कि वे महिलाओं को परेशान नहीं करते, इसलिए उन्हें इन बातों से बुरा नहीं लगता। यह सोच महत्वपूर्ण है। महिला सुरक्षा के प्रश्न को 'सभी पुरुषों पर आरोप क्यों?' के नजरिए से देखने के बजाय यह पूछना जरूरी है कि 'क्या मेरे आसपास की महिलाएं सुरक्षित महसूस करती हैं?' जो पुरुष महिलाओं का सम्मान करता है, उनकी सहमति का सम्मान करता है और हिंसा का विरोध करता है, वह ऐसे नारों को व्यक्तिगत अपमान मानने के बजाय उनके पीछे छिपे डर को समझने की कोशिश कर सकता है।

आलोचना की गुंजाइश भी जरूरी

हालांकि 'सभी पुरुषों पर अविश्वास' का संदेश देने वाले नारों की आलोचना भी स्वाभाविक है। किसी पूरे लिंग को एक ही रंग में देखना न्यायपूर्ण नहीं कहा जा सकता। महिला सुरक्षा की मांग का समर्थन करने वाले कई पुरुष इन नारों से असहज भी होते हैं। उनकी इस आपत्ति को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। लेकिन आंदोलनों के नारों से हमेशा समाजशास्त्रीय शोधपत्र जैसी सटीक भाषा की उम्मीद भी नहीं की जा सकती। वहां भावनाओं का विस्फोट होता है। जिन लड़कियों ने वर्षों तक 'संभलकर रहो', 'रात में बाहर मत निकलो', 'कपड़े ठीक पहनो' और 'किसी पर भरोसा मत करो' जैसी बातें सुनी हैं, उनके मन में जब यह सवाल उठता है कि हर सावधानी उन्हीं के लिए क्यों है, तो उसमें सिर्फ पुरुषों के प्रति गुस्सा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता की मांग भी होती है।

जेन-जी का आंदोलन सोशल मीडिया तक

पहले आंदोलन का अर्थ बैनर, नारे, जुलूस और ज्ञापन तक सीमित माना जाता था। जेन-जी के लिए आंदोलन की सीमा इससे आगे है। किसी जुलूस का नारा कुछ ही मिनटों में रील बन जाता है। कोई पोस्टर मीम में बदल जाता है और कोई वाक्य हजारों लोगों की सोशल मीडिया स्टोरी तक पहुंच जाता है। इस तरह आंदोलन में शामिल न होने वाला व्यक्ति भी उसके मुद्दे पर चर्चा करने लगता है। 'कचौरी-समोसा' जैसा नारा लोगों को हंसाता जरूर है, लेकिन उसी के साथ महिला सुरक्षा का गंभीर सवाल भी उनके मोबाइल स्क्रीन तक पहुंचा देता है।

नारे के पीछे छिपा असली सवाल

कुछ लोगों ने आंदोलन को सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने का माध्यम बताया। प्रदर्शनकारी युवतियों ने इस आलोचना को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने रील बनाने के लिए बारिश में आंदोलन नहीं किया। वास्तव में 'एक कचौरी, दो समोसा' जैसे नारे से ज्यादा महत्वपूर्ण वह सवाल है जो उसके पीछे खड़ा है। किसी लड़की को रात में घर लौटते समय डर क्यों लगता है? उसे अपने कपड़ों से ज्यादा सामने वाले पुरुष की नजर की चिंता क्यों होती है? उसकी सुरक्षा के नाम पर उसके स्वातंत्र्य पर ही रोक क्यों लगाई जाती है? बेटी से 'कहां हो?' पूछने के साथ बेटे से 'तुम्हारा व्यवहार कैसा है?' यह सवाल कब पूछा जाएगा? 'बेटी की लोकेशन नहीं, बेटे का इंटेंट चेक करो' शायद इसी सोच का सबसे सीधा संदेश है।

पुरुष भी बन सकते हैं भागीदार

महिला सुरक्षा के आंदोलन में पुरुषों को खुद को आरोपी के कटघरे में खड़ा करने की जरूरत नहीं है, लेकिन इस समस्या से खुद को पूरी तरह अलग मानना भी उचित नहीं। सुरक्षित समाज केवल महिलाओं की मांग नहीं है। पुरुष इस बदलाव के विरोधी नहीं, बल्कि भागीदार बन सकते हैं। जो पुरुष यह कहता है कि 'मैं ऐसा नहीं हूं, इसलिए मुझे इस नारे से नाराज होने के बजाय उस लड़की का गुस्सा समझना है', वह संवाद का रास्ता खोलता है। महिला का यह कहना कि उसका गुस्सा पुरुषों के खिलाफ नहीं, बल्कि उस व्यवहार के खिलाफ है जो पुरुषों पर भरोसा करते समय डर पैदा करता है, संवाद की संभावना को और मजबूत करता है।

लड़ाई पुरुषों से नहीं, डर से है

अंततः यह लड़ाई लड़कियों बनाम लड़कों की नहीं है। यह सुरक्षा बनाम हिंसा, सहमति बनाम जबरदस्ती और स्वतंत्रता बनाम भय की लड़ाई है। इसका लक्ष्य पुरुषों को हराना नहीं, बल्कि ऐसा समाज बनाना है जहां महिलाओं को सुरक्षित रहने के लिए हर कदम पर डर और सावधानी का बोझ न उठाना पड़े। अगली बार कोई जेन-जी युवती हाथ में फलक लेकर कहे—'इन मर्दों का क्या भरोसा?'—तो हर पुरुष को पहले इसे अपना अपमान मानने के बजाय यह सोचना चाहिए कि आखिर ऐसी अविश्वास की स्थिति पैदा क्यों हुई। क्योंकि अंततः 'सुरक्षित महसूस करना' किसी एक वर्ग की सुविधा नहीं, बल्कि हर नागरिक का समान अधिकार है।

प्रेरक प्रसंग

साधु और चूहा



महिलरोपयम नामक दक्षिणी शहर के पास भगवान शिव का एक मंदिर था। वहां एक पवित्र साधु रहते थे और मंदिर की देखभाल करते थे। वे रोज शहर में भिक्षा मांगने जाते और शाम को भोजन लेकर लौटते। अपनी जरूरत से अधिक भोजन वे एक बर्तन में रख देते और मंदिर की सफाई तथा सजावट करने वाले गरीब मजदूरों में बांट देते। उसी आश्रम में एक चूहा भी अपने बिल में रहता था। वह रोज बर्तन में रखा कुछ न कुछ भोजन चुरा लेता था। साधु ने उसे रोकने के लिए बर्तन को ऊंचाई पर रख दिया और कई बार डंडे से भगाने की कोशिश की, लेकिन चूहा किसी न किसी तरह बर्तन तक पहुंच जाता और भोजन चुरा लेता। एक दिन एक भिक्षुक मंदिर आया। साधु उस समय चूहे को भगाने में व्यस्त थे, इसलिए भिक्षुक पर उनका ध्यान नहीं गया। भिक्षुक इसे अपना अपमान समझकर नाराज हो गया। साधु ने विनम्रता से अपनी परेशानी बताई और कहा, "यह चूहा इतना फुर्तीला है कि किसी बिल्ली या बंदर को भी मात दे सकता है। मैंने बहुत कोशिश की, लेकिन यह हर बार भोजन चुरा लेता है।" भिक्षुक ने कहा, "इसके पीछे कोई कारण जरूर होगा। संभव है कि चूहे ने अपने बिल में बहुत सारा भोजन जमा कर रखा हो। इसी भंडार के कारण उसमें आत्मविश्वास और इतनी ऊंची छलांग लगाने की शक्ति आती है।" दोनों ने चूहे के बिल तक पहुंचने का फैसला किया। अगले दिन उन्होंने चूहे का पीछा किया और उसके बिल तक पहुंच गए। खुदाई करने पर उन्हें वहां अनाज का बहुत बड़ा भंडार मिला। साधु ने चूहे का जमा किया हुआ सारा भोजन निकालकर मंदिर में रख लिया।

■ जब चूहा वापस आया और अपना पूरा भंडार गायब देखा तो वह बहुत दुखी हुआ। उसका आत्मविश्वास भी टूट गया। फिर भी उसने रात में बर्तन तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन इस बार वह छलांग लगाते ही नीचे गिर पड़ा। उसे समझ आ गया कि भोजन का भंडार खत्म होते ही उसकी शक्ति और आत्मविश्वास भी समाप्त हो गया है। साधु ने उसे डंडे से भगाया। किसी तरह चूहा अपनी जान बचाकर वहां से भाग गया और फिर कभी मंदिर वापस नहीं आया। सीख : संसाधन हमारे भीतर आत्मविश्वास और शक्ति पैदा करते हैं, लेकिन उनका सही उपयोग और संरक्षण करना भी जरूरी है।

राशिफल

मेष- कार्यस्थल पर काम का दबाव हो सकता है, योजनाबद्ध रहें। व्यापार में लेनदेन को लेकर सजग रहने की जरूरत है। पारिवारिक विवादों को बातचीत से हल करें। धन के व्यय पर नियंत्रण रखें। मानसिक तनाव से बचें, योग करें। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी।

वृषभ-नौकरी में बदलाव के अवसर आ सकते हैं, दिन अनुकूल है। व्यापार में साझेदारी से बड़ा फायदा होने की संभावना है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। वित्तीय स्थिति मजबूत होगी, लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, प्रसन्नता रहेगी। बेरोजगारी दूर होगी।

मिथुन- कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा खुलकर सामने आएगी। व्यापार में शत्रुओं पर आपकी विजय होगी। परिवार का सहयोग आपकी हिम्मत बढ़ाएगा। रुका हुआ धन प्राप्त होने के योग हैं। सेहत अच्छी रहेगी, तरोताजा महसूस करेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क- रचनात्मक काम में सफलता मिलेगी, मन लगाकर काम करें। व्यापार में नई रणनीति से मुनाफा बढ़ेगा। संतान की सफलता से गर्व महसूस होगा। आय में वृद्धि के योग बने हुए हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, दिनचर्या का पालन करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह- कार्यस्थल पर संयम बनाए रखें, गुस्सा न करें। व्यापारिक निर्णय सोच-समझकर ही लें। घरेलू सुख-सुविधाओं पर खर्च हो सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन आवश्यक है। मांसपेशियों में खिंचाव या दर्द हो सकता है। नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा।

कन्या- मेहमानों का आवागमन होगा। आपकी कार्यक्षमता से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगे। व्यापार में छोटी यात्राएं लाभदायक रहेंगी। पारिवारिक रिश्ते और मजबूत होंगे। आर्थिक लाभ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, स्फूर्ति रहेगी।

तुला-कार्यक्षेत्र में आपके विचार सराहे जाएंगे। व्यापार में धन लाभ होगा, नए अवसर मिलेंगे। परिवार में सुख-शांति का माहौल रहेगा। बचत बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। वाणी की मधुरता बनी रहेगी, सेहत अच्छी रहेगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे।

वृश्चिक- करियर में नए अवसर मिलेंगे, आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। निजी संबंधों में मिठास और विश्वास बढ़ेगा। धन लाभ होगा, आर्थिक स्थिति सुधरेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, ऊर्जा का प्रवाह रहेगा।

धनु- कार्यक्षेत्र में लापरवाही से बचें, कागजात जांचें। व्यापार में सोच-समझकर ही निवेश करें। पारिवारिक खर्च बढ़ सकते हैं, बजट बनाएं। अनावश्यक धन हानि से बचें। मानसिक शांति के लिए ध्यान लगाएं। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे।

मकर- मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में सहकर्मियों के सहयोग से काम पूरे होंगे। व्यापार में जबरदस्त लाभ के योग बन रहे हैं। मित्रों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। आय के कई स्रोत खुल सकते हैं। स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा।

कुंभ- कार्यस्थल पर आपका दबदबा बढ़ेगा, तरक्की मिलेगी। व्यापार में बड़ा अनुबंध हाथ लग सकता है। परिवार में आपकी सलाह को माना जाएगा। आर्थिक पक्ष काफी मजबूत होगा। स्वास्थ्य शानदार रहेगा, फुर्ती बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

मीन-वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। भाग्य का सहयोग मिलेगा, काम आसानी से पूरे होंगे। व्यापार में विस्तार की योजना सफल होगी। धार्मिक या आध्यात्मिक झुकाव बढ़ेगा। धन की स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। मानसिक रूप से तनावमुक्त रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट को मिले नए जजः सीजेआई सूर्यकांत ने दिलाई शपथ, सुनीता अग्रवाल समेत तीनों ने संभाली जिम्मेदारी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट को मंगलवार को तीन नए न्यायाधीश मिले। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल, न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह दोपहर 3:30 बजे आयोजित किया गया। समारोह का लाइव प्रसारण भी किया गया। आम तौर पर सुप्रीम कोर्ट में नए न्यायाधीशों का शपथ ग्रहण सुबह 10:30 बजे होता है, यानी उस समय जब शीर्ष अदालत कामकाज के लिए बैठती है। इस बार समारोह का समय अलग रहा।



कॉलेजियम की सिफारिश के बाद मिली मंजूरी

तीनों न्यायाधीश इससे पहले अलग-अलग हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 28 सितंबर 2026 को हुई बैठक में तीनों के नामों की सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर नियुक्ति के लिए सिफारिश की थी। केंद्र सरकार ने कॉलेजियम की सिफारिश पर तेजी से फैसला लेते हुए सोमवार को तीनों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी जानकारी दी।

कौन हैं न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल?

न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल का जन्म 30 अप्रैल 1966 को हुआ था। उन्हें 21 नवंबर 2011 को इलाहाबाद हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। इसके बाद 23 जुलाई 2023 को उन्होंने गुजरात हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। अब उन्हें सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नई जिम्मेदारी मिली है।

न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय का कैसा रहा सफर?

न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय का जन्म 16 जून 1965 को हुआ। उन्हें 21 नवंबर 2011 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त किया गया था। बाद में 6 अगस्त 2013 को उन्हें स्थायी न्यायाधीश बनाया गया। 28 मार्च 2023 को वह इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश बने। इसके बाद 29 जुलाई 2023 को उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। बाद में उनका तबादला दिल्ली हाईकोर्ट में हुआ, जहां उन्होंने 21 जनवरी 2025 को मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली।

न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह के बारें में

न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह का जन्म 7 जुलाई 1965 को हुआ। उन्हें 24 जनवरी 2012 को झारखंड हाईकोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 16 जनवरी 2014 को स्थायी न्यायाधीश बनाया गया। उन्होंने 20 दिसंबर 2022 से 19 फरवरी 2023 तक झारखंड हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद 17 अप्रैल 2023 को उन्होंने त्रिपुरा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। बाद में उनका तबादला तेलंगाना हाईकोर्ट में हुआ, जहां उन्होंने 19 जुलाई 2025 को मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली।

सुप्रीम कोर्ट में न्यायिक ताकत बढ़ेगी

तीनों नियुक्तियों के साथ सुप्रीम कोर्ट की न्यायिक क्षमता और मजबूत होगी। इस साल की शुरुआत में केंद्र सरकार ने उखकको छोड़कर सुप्रीम कोर्ट में स्वीकृत न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाकर 37 करने का फैसला किया था। इन नियुक्तियों के बाद शीर्ष अदालत में लंबित मामलों की सुनवाई और न्यायिक कामकाज को गति देने में मदद मिलने की उम्मीद है।

आशुतोष रांका ने की स्पेशल अपील

कॉकरोच जनता पार्टी ने किन 'मरे हुए लोगों' को बुलाया जंतर-मंतर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर बड़े विरोध प्रदर्शन का ऐलान कर चुकी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) 'मरे हुए लोगों' के नाम भी अपील जारी कर रही है। इससे पहले कि आप कुछ और इसका अर्थ लगाएं, साफ कर दें कि सीजेपी की यह अपील उन लोगों के लिए है जिन्हें मृत बताकर वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है, लेकिन असल में वे जिंदा हैं। सीजेपी ने कहा है कि ऐसे सभी लोग एक तख्ती लेकर आएं जिस पर लिखा हो 'अभी हम जिंदा हैं।' सीजेपी के सह संयोजक आशुतोष रांका ने एक वीडियो मैसेज में कहा कि यह देश का लोकतंत्र बचाने की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि 10 अक्टूबर के लिए आप लोग तैयार हैं। सबसे अहम लड़ाई है हमारे देश के लोकतंत्र को बचाने की। देश तभी बचेगा जब लोकतंत्र बचेगा और लोकतंत्र तब बचेगा जब स्वतंत्र चुनाव आयोग इस देश में होगा। ज्ञानेश कुमार ने अकेले ही चुनाव आयोग की निष्ठा को नष्ट किया है। आज तो सुप्रीम कोर्ट ने भी बोल दिया कि फॉर्म 6 के बदलाव हमने अप्रूव नहीं किया था। जबकि 26 तारीख की प्रेस रिलीज में इन्होंने दावा किया था कि सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी ली थी।



'मरे हुए लोगों' के लिए क्या अपील

रांका ने ज्ञानेश कुमार को एक बार फिर गद्दार कहते हुए कहा कि उन्हें हटाने के लिए जंतर-मंतर पर लोगों को जुटना है। उन्होंने उन वोटर्स के नाम विशेष अपील जारी की जो जिंदा हैं, लेकिन मरा हुआ बताकर वोटर लिस्ट कथित तौर पर हटा दिए गए हैं। रांका ने कहा कि ये झूठे भी हैं, गद्दार भी हैं। इन गद्दारों इस्तीफा कराने के लिए 10 तारीख को जंतर मंतर पर पहुंचना होगा। स्पेशल अपील उन डेड वोटर्स के लिए है, जिनको यह कहकर वोटर लिस्ट से हटा दिया कि ये मर चुके हैं। ऐसे जितने भी मरे हुए लोग हैं जो जंतरमंतर पर पहुंच सकते हैं, जरूर पहुंचे। एक प्लेकार्ड लेकर पहुंचे जिस पर लिखा हो कि अभी तो हम जिंदा हैं। जंतर मंतर पर आप सभी से मुलाकात होगी। लड़ेंगे और जीतेंगे।

लेफ्ट के छात्र संगठन भी देंगे साथ

सीजेपी के साथ पांच वामपंथी छात्र संगठन भी 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। मंगलवार को इसको लेकर एक साझा बयान जारी किया गया। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए), प्रोग्रेसिव स्टूडेंट्स यूनियन (पीएसयू) और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स ब्लॉक (एआईएसबी) ने कहा कि वे बड़ी संख्या में इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। बयान में कहा गया कि सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और राजनीतिक संबद्धता से परे हजारों लोग उन लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट हुए हैं, जिनके आधार पर आधुनिक भारत की परिकल्पना की गई थी।

केंद्रीय कैबिनेट ने दी ITLA अथॉरिटी को मंजूरी

MSME को 10,000 करोड़ का फंड ; पीएम मोदी को खास बधाई भी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

6 अक्टूबर को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में देश के लॉजिस्टिक्स सेक्टर, इंफ्रास्ट्रक्चर और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (MSME) के लिए कई ऐतिहासिक फैसले लिए गए। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट एंड लॉजिस्टिक्स अथॉरिटी (ITLA) के गठन को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही देश की टरटए कंपनियों के लिए 10,000 करोड़ रुपए के ग्रोथ फंड की स्थापना का बड़ा निर्णय लिया गया है। बैठक की शुरुआत में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संवैधानिक पद (गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर भारत के प्रधानमंत्री तक) पर 25 साल पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर बधाई और बधाई प्रस्ताव भी पारित किया।



क्या है इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट एंड लॉजिस्टिक्स अथॉरिटी (ITLA)?

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि देश में 7% से 8% की दर से बढ़ रही GDP के साथ लॉजिस्टिक्स की मांग करीब 10% की दर से बढ़ रही है। यह अर्थव्यवस्था के लिए एक 'मल्टीप्लायर फैक्टर' है। इस मांग को पूरा करने और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ITLA की स्थापना की जा रही है। ITLA देश में इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स प्लानिंग, रिसर्च, प्रोजेक्ट अप्रेजल, मॉनिटरिंग, पॉलिसी सपोर्ट और डेटा एनालिटिक्स की शीर्ष संस्था के रूप में काम करेगी। कुछ साल पहले शुरू किए गए 'पीएम गतिशक्ति' पोर्टल के आधार को आगे बढ़ाते हुए यह संस्था 10 से 30 साल बाद की जरूरतों का अध्ययन करेगी। उदाहरण के लिए- देश में कितने नए रेलवे नेटवर्क, हाईवे, एयरपोर्ट, सी-पोर्ट और इनलैंड वॉटरवे की जरूरत होगी। यह प्राधिकरण सभी तरह के परिवहन साधनों- सड़क, रेल, बंदरगाह, नागरिक उड्डयन, तटीय शिपिंग, शहरी गतिशीलता को एक इंटीग्रेटेड और वैज्ञानिक तरीके से जोड़ेगा।

नेपाल ने रोक दिया खोज अभियान

5000 से ज्यादा अभी भी लापता, 189 भारतीयों का भी पता नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

नेपाल में 26 अगस्त को आई भोटेकोशी-त्रिशूली बाढ़ के 40 दिन बाद गैर-जरूरी खोज और बचाव अभियान रोक दिया गया है। बाढ़ में 1,455 लोगों की मौत हुई है, जबकि 5,285 लोग अब भी लापता हैं। इनमें 189 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। फिलहाल नेपाल ने बाढ़ के बाद चलाए जा रहे गैर-जरूरी खोज और बचाव अभियानों को सोमवार को रोकने का फैसला किया। अब देश का ध्यान राहत और तलाश से आगे बढ़कर पुनर्निर्माण और पुनर्वास पर केंद्रित होगा। यह फैसला प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की अध्यक्षता में हुई राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन परिषद की बैठक में लिया गया। जिला आपदा प्रबंधन समितियों, राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (NDRRMA) और बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण करने वाली टीमों की सिफारिशों के बाद यह निर्णय हुआ।



5,285 लोग अब भी लापता

नेपाल में 26 अगस्त को आई भोटेकोशी-त्रिशूली बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी। इस आपदा में 1,455 लोगों की मौत हुई, जबकि 5,285 लोग लापता हैं। लापता लोगों में 189 भारतीय नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा भारतीय मूल के दर्जनों ऐसे लोग भी लापता हैं, जिनके पास दूसरे देशों के पासपोर्ट हैं।

36 देशों के 606 विदेशी पर्यटक लापता

नेपाल के पर्यटन विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बाढ़ के बाद 36 देशों के 606 विदेशी पर्यटक अब भी लापता हैं।

इन भारतीय राज्यों के लोग भी लापता

भारतीय राज्यों से अलग-अलग जुटाए गए आंकड़ों के मुताबिक, लापता भारतीयों में सबसे ज्यादा लोग तमिलनाडु से हैं।

पुनर्निर्माण के लिए 35 हजार करोड़ रुपए का प्रस्ताव

नेपाल की राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन परिषद ने पुनर्निर्माण और पुनर्वास से जुड़े 504 कार्यक्रमों के लिए वित्त मंत्रालय से 559 अरब नेपाली रुपए (करीब 35,000 करोड़ रुपए) मंजूर करने की सिफारिश की है। ये कार्यक्रम विभिन्न मंत्रालयों और एजेंसियों की ओर से प्रस्तुत किए गए हैं। वहीं, जिन परियोजनाओं की लागत अभी तय नहीं हुई है, उनके लिए अतिरिक्त धन की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी NDRRMA को दी गई है। अब नेपाल में बाढ़ के बाद चल रहे प्रयासों का फोकस लापता लोगों की तलाश से आगे बढ़कर प्रभावित इलाकों के पुनर्निर्माण और पुनर्वास पर रहेगा।

IAF चीफ बनें एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को भारतीय वायुसेना का नया चीफ नियुक्त किया गया है। आशुतोष दीक्षित अभी तक भारतीय वायुसेना में डिप्टी चीफ की भूमिका निभा रहे थे। उनके पास आसमान में करीब 3500 घंटे उड़ान का अनुभव है। आशुतोष दीक्षित लंबे समय से भारतीय वायुसेना से जुड़े हुए हैं। 6 दिसंबर 1986 को वह भारतीय वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में शामिल हुए थे। अगर योग्यता की बात करें तो वह एक क्वॉलीफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर और एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट हैं। एयर मार्शल आशुतोष के पास मिराज-2000, मिग-21 और जगुआर जैसे 20 से ज्यादा फाइटर प्लेन्स उड़ाने का अनुभव है।



■ अगर बात करें पढ़ाई की तो एयर मार्शल आशुतोष ने नेशनल डिफेंस एकेडमी खड़कवासला, डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (बांग्लादेश) और नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली से पढ़ाई की है। वायुसेना में रहने हुए उन्होंने कई अहम भूमिकाएं निभाई हैं। इसमें उनका सबसे बड़ा काम हेडक्वार्टर इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ में रहते हुए आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के बीच तालमेल को मजबूत करना रहा। वायुसेना मुख्यालय में भी उन्होंने विभिन्न भूमिकाएं निभाईं। इस दौरान उन्होंने फोर्स को नए जमाने की टेक्निक और हथियारों से लैस करने में अहम रोल निभाया।

दिल्ली सरकार ने आशा कार्यकर्ताओं को दी सौगात, 3,000 की जगह 6,000 रुपए हुआ भत्ता

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने त्यागराज स्टेडियम में कई महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत राज्य स्तरीय 'आशा सम्मेलन-2026 और आशा सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। इसमें आशा कार्यकर्ताओं के प्रोत्साहन भत्ते में ऐतिहासिक वृद्धि की घोषणा की गई। लगभग 6,690 आशा कार्यकर्ताओं का प्रोत्साहन भत्ता 3,000 रुपए से बढ़ाकर 6,000 रुपए कर दिया गया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

आशा कार्यकर्ताओं के योगदान को सम्मान

इस अवसर पर उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित दिल्ली की आधारशिला हैं। आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य व्यवस्था में आगे रहते हुए गर्भवती महिलाओं, बच्चों और परिवारों तक स्वास्थ्य सेवाएं एवं जागरूकता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके मासिक मानदेय को 3,000 रुपए से बढ़ाकर 6,000 रुपए किया जाना उनके योगदान और समर्पण के प्रति सम्मान का प्रतीक है।



बच्चों के जन्म के 72 घंटे के भीतर 63 बीमारियों की जांच

कार्यक्रम के दौरान मिशन 'अनमोल' के विस्तार की शुरुआत की गई। इस योजना के तहत नवजात शिशुओं की गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान की जाएगी। इसके लिए जांच, सही समय पर बीमारी का पता लगाने और इलाज की व्यवस्था को मजबूत किया गया है। बच्चों के जन्म के 24 से 72 घंटे के भीतर 63 बीमारियों की जांच की जाएगी। इससे स्वास्थ्य समस्याओं को शुरूआती समय में ही पहचानकर उनके असर को कम किया जा सकेगा। दिल्ली सरकार हर साल जांच का दायरा 1.5 लाख से बढ़ाकर 2.5 लाख नवजात शिशुओं तक करने पर काम कर रही है।

सीएम ने की अंगदान की अपील

इस मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अंगदान मानवता, संवेदना और जीवन के प्रति सम्मान का प्रतीक है। किसी व्यक्ति के निधन के बाद उसके अंग जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकते हैं। मैंने खुद सोटो पोर्टल के जरिए देहदान का रजिस्ट्रेशन कराया है। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं से परिवारों और वरिष्ठ नागरिकों तक अंगदान का संदेश पहुंचाने और इच्छुक लोगों को इसकी प्रक्रिया की जानकारी देने की अपील की। सीएम ने कहा कि अंगदान का संकल्प दूसरे के जीवन में उम्मीद की नई किरण जला सकता है।

शिवपाल का भाजपा पर हमला

बोले- 'उलटी गिनती' शुरू, 2027 में INDIA गठबंधन की बनेगी सरकार

हिंदमाता नेटवर्क @ कन्नौज

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव एवं जसवंत नगर के विधायक शिवपाल सिंह यादव ने मंगलवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार जाने वाली है और 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन सरकार बनाएगा। यादव ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि चुनाव सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जा रही है और उसका 'काउंटडाउन' (उलटी गिनती) शुरू हो गया है। 2027 के विधानसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन सरकार बनाएगा।



■ बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और चुनाव में उसके संभावित चुनौती बनने के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा कि पार्टी का राजनीतिक अस्तित्व 'समाप्त' हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि बसपा टूट गई है। भाजपा जो भी कहती है, बसपा वही करेगी। 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा कि इस पर निर्णय राष्ट्रीय नेतृत्व करेगा। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा 'वोट की चोरी' के साथ ही "भगवान को चढ़ाए जाने वाले चढ़ावे की भी चोरी करती है। निर्वाचन आयोग के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि लोग अब सड़कों पर हैं और मांग कर रहे हैं कि चुनाव निष्पक्ष रूप से कराए जाएं। उन्होंने कहा कि चुनाव ईमानदारी से होने चाहिए। यादव दोपहर में कन्नौज पहुंचे और उनका जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने सपा नेता जय कुमार तिवारी 'बौवन' के आवास पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में भाग लिया।

यूपी राज्यसभा चुनाव में तस्वीर साफ, भाजपा के 8 और सपा के 2 उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन तय

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया मंगलवार को समाप्त होने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 8 और समाजवादी पार्टी (सपा) के 2 उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन लगभग तय हो गया है। दो निर्दलीय उम्मीदवारों के नामांकन में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी नहीं होने के कारण बाकी सभी 10 उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना लगभग तय है। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के 10 सदस्यों का कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो रहा है, जिसके चलते इन सीट पर चुनाव कराया जा रहा है। राज्यसभा चुनाव के निर्वाचन अधिकारी अजीत वर्मा ने मंगलवार को बताया कि तकनीकी रूप से 12 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें भाजपा के आठ और सपा के दो उम्मीदवार शामिल हैं। हालांकि निर्दलीय उम्मीदवार कंटे स्याना और ओंकार नाथ चौरसिया के नामांकन पत्रों में 10 विधायकों के अनिवार्य हस्ताक्षर नहीं हैं, इसलिए जांच के दौरान दोनों के नामांकन खारिज कर दिए जाएंगे।

■ उन्होंने कहा कि नामांकन पत्रों की जांच 7 अक्टूबर को होगी और 9 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकते हैं और अगर जरूरी हुआ तो 16 अक्टूबर को मतदान कराया जाएगा। भाजपा के 8 उम्मीदवारों में उत्तर प्रदेश के मंत्री धर्मपाल सिंह एवं पार्टी के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल के साथ-साथ श्रुति गंगवार, विद्यासागर सोनकर, प्रियंका रावत, राधाकांत ओझा, गोपी कृष्ण पांडेय और राम प्रताप सिंह चौहान शामिल हैं। अंतिम दिन भाजपा उम्मीदवार धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडे, प्रियंका सिंह रावत, रामप्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार ने विधान भवन में अपना-अपना नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर मौजूद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी उम्मीदवारों को अपनी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत प्रदेश के कई मंत्री भी मौजूद थे। सपा की ओर से पार्टी के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव और रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी धनराज परिमल नाथवाणी पहले ही नामांकन दाखिल कर चुके हैं। सपा द्वारा तीसरा उम्मीदवार उतारकर मुकाबला दिलचस्प बनाने की अटकलों पर मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विराम लगा दिया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि अब हमारा ध्यान तीन पर नहीं, बल्कि 403 पर है। यादव उत्तर प्रदेश विधानसभा की 403 सीट के संदर्भ में 2027 के विधानसभा चुनाव की ओर इशारा कर रहे थे।



राज्यसभा चुनाव में तीसरा उम्मीदवार नहीं उतारेगी सपा!

हमारी निगाह 3 पर नहीं, 403 पर है: अखिलेश यादव

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

अखिलेश ने कहा-उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इसी बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बड़ा ऐलान कर दिया। उन्होंने इशारों ही इशारों में बता दिया है कि समाजवादी पार्टी राज्यसभा के लिए अपना तीसरा उम्मीदवार मैदान में नहीं उतारेगी। जिसके बाद सपा के 2 और बीजेपी के 8 राज्यसभा उम्मीदवारों का निर्विरोध चुनना तय हो गया है। इससे पहले खबर थी कि आज (मंगलवार, 6 अक्तूबर) को समाजवादी पार्टी अपने तीसरे राज्यसभा उम्मीदवार के नाम का ऐलान करेगी, जिसके बाद विधान भवन पहुंचकर उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल करेगा। आज नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन है, लेकिन उससे पहले ही पार्टी प्रमुख ने इशारों में बता दिया कि अब उसकी नजर 3 पर नहीं बल्कि 403 पर है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा है, अब हमारी निगाह तीन पर नहीं, चार सौ तीन पर है।



सपा के उम्मीदवारों ने किया नामांकन

इससे पहले समाजवादी पार्टी ने अपने दो उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया था। इनमें पार्टी के वरिष्ठ राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव शामिल हैं, जो छठी बार राज्यसभा जाने की तैयारी में हैं। उनके अलावा रिलायंस ग्रुप के वरिष्ठ अधिकारी धनराज परिमल नथवानी को भी मैदान में उतारा गया है। इन दोनों नेताओं ने पिछले 30 सितंबर को अपना-अपना नामांकन दाखिल कर दिया था। इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी मौजूद थे।

बीजेपी ने 8 नामों का किया ऐलान

वहीं बीजेपी की बात करें तो पार्टी ने उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों के चुनाव के लिए अपने 8 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। इनमें दो महिलाएं भी हैं। इस लिस्ट में तीन ओबीसी उम्मीदवार, दो अनुसूचित जाति के उम्मीदवार और तीन सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को जगह दी गई है। पार्टी ने जिन्हें मैदान में उतारा है उनमें धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार शामिल हैं। उत्तर प्रदेश की इन 10 राज्यसभा सीटों पर मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल इसी साल 25 नवंबर को खत्म हो रहा है।

चुनाव आयोग और बीजेपी पर अखिलेश का हमला

इस बीच आज दिल्ली में चुनाव आयोग के खिलाफ इंडिया गठबंधन मार्च निकालने जा रहा है। अखिलेश यादव भी इसमें शामिल हो रहे हैं। उससे पहले उन्होंने चुनाव आयोग और बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग से शिकायत है। आयोग मानता है कि जो बीजेपी का सदस्य है वही वोट डाल सकता है। बंगाल-यूपी में बूथ लूट लिया। कितने चुनाव लूटे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है। संविधान के तहत आयोग काम नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि आयोग तो सिर्फ बीजेपी के लिए काम कर रहा है।

आकाश आनंद का बसपा में क्या होगा रोल? क्या मायावती सौपेंगी मिशन 2027 की कमान

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ



उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। 2027 के विधानसभा चुनाव की बढ़ती तपिश को देखते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद की पार्टी में 'तीसरी बार घर वापसी' कराई है। इसके साथ ही उन्हें एक बार फिर बसपा का नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया गया है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या मायावती आकाश को 'मिशन 2027' की पूरी कमान सौंपेंगी? इस सवाल का जवाब 9 अक्टूबर को लखनऊ में होने वाली बसपा की रैली में मिल सकता है। बसपा के संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम पार्टी के भावी एजेंडे और नेतृत्व के लिहाज से बेहद खास माना जा रहा है। माना जा रहा है कि कांशीराम की पुण्यतिथि के मौके से ही मायावती बसपा के चुनावी अभियान का औपचारिक आगाज करेंगी।

9 अक्टूबर क्यों अहम हो सकता है?

बसपा के लिए 9 अक्टूबर की तारीख बेहद खास मानी जाती है। यह दिन बसपा संस्थापक कांशीराम की विरासत और बहुजन आंदोलन के संदर्भ में हमेशा से महत्वपूर्ण रहा है। 9 अक्टूबर को लखनऊ स्थित कांशीराम स्मारक पर बसपा का एक बड़ा शक्ति प्रदर्शन और कार्यकर्ता सम्मेलन होने जा रहा है। मायावती इस मौके पर प्रदेशभर से आने वाले पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को संबोधित करेंगी। माना जा रहा है कि इस मंच से मायावती, आकाश आनंद को लेकर कोई बड़ा आधिकारिक ऐलान कर सकती हैं। हालांकि, सूत्रों की मानें तो उस दिन आकाश आनंद मंच पर मायावती के साथ नजर नहीं आएंगे, बल्कि वे पार्टी कार्यालय में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की कमान संभालेंगे।

यूपी चुनाव की कमान संभालेंगे आकाश?

आकाश आनंद की घर वापसी के साथ ही मायावती ने उन्हें नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाकर बसपा में नंबर-दो की पोजिशन फिर से सौंप दी है। उत्तर प्रदेश में संगठन को नए सिरे से खड़ा करने और 2027 के चुनाव प्रचार की मुख्य जिम्मेदारी भी उन्हें दी जा सकती है। लोकसभा चुनावों में शून्य पर सिमटने के बाद बसपा कार्यकर्ता निराश हैं। ऐसे में युवा चेहरे के रूप में आकाश आनंद को आगे कर पार्टी कार्यकताओं में नई ऊर्जा फूंकने की तैयारी है। माना जा रहा है कि आकाश आनंद फिर से यूपी में बसपा उम्मीदवारों के ऐलान का सिलसिला शुरू करेंगे। इसकी शुरूआत वे अयोध्या की बीकापुर सीट से कर सकते हैं, जहां वे बबलू सिंह के नाम का औपचारिक ऐलान कर सकते हैं।

शॉर्ट स्टोरी

दहेज हत्या में सास-ससुर दोषी करार, 9 अक्टूबर को फैसला

हिंदमाता नेटवर्क @ बगहा

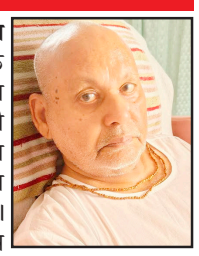


बिहार के बगहा में शादी के बाद दहेज की मांग को लेकर शुरू हुई कथित प्रताड़ना का मामला अदालत तक पहुंचा और अब इस मामले में बड़ा फैसला आया है। बिहार के नौरंगिया थाना क्षेत्र के जरलहिया पचरूखा गांव में विवाहिता विनिता देवी की दहेज हत्या के मामले में अदालत ने उसकी सास फगनी देवी और ससुर भुट्टी राय को दोषी करार दिया है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश मानवेन्द्र मिश्रा की अदालत ने दोनों को भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत दोषी माना है। हालांकि सजा कितनी होगी, इसका फैसला 9 अक्टूबर 2026 को होगा। मामले में सामने आया कि विनिता की शादी करीब दो साल पहले मुन्ना राय से हुई थी। मायके पक्ष के अनुसार शादी में फर्नीचर, गहने, 2 लाख रुपये नकद और मोटरसाइकिल दी गई थी। इसके बावजूद शादी के करीब एक साल बाद ससुराल पक्ष की ओर से सोने की चेन की मांग को लेकर विनिता को कथित तौर पर प्रताड़ित किया जाने लगा था इतना ही नहीं, विनिता के भाई का आरोप था कि विनिता के संतान नहीं होने को लेकर भी उसे ताने दिए जा रहे थे। मामला बिगड़ने पर मायके पक्ष के लोगों ने कई बार पंचायत कराकर विवाद शांत कराने की कोशिश की, लेकिन विवाद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। कानूनी कार्यवाही के अनुसार, 28 सितंबर 2025 की रात विनिता के साथ मारपीट की गई और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। आरोप है कि इसके बाद शव को घर में छोड़कर ससुराल पक्ष के लोग फरार हो गए। मामले में विनिता के भाई राजू राय ने 1 अक्टूबर 2025 को नौरंगिया थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

बरसाना के प्रसिद्ध संत पद्मश्री रमेश बाबा का निधन

ब्रजमंडल में शोक की लहर

हिंदमाता नेटवर्क @ मथुरा



मथुरा के बरसाना स्थित मान मंदिर के संस्थापक और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित 90 वर्षीय संत रमेश बाबा का निधन हो गया। राधा रानी के अनन्य भक्त माने जाने वाले संत रमेश बाबा ने पितृ पक्ष की पावन इंदिरा एकादशी के दिन गहवर वन क्षेत्र स्थित आश्रम में अंतिम सांस ली। 1953-1954 में बाल्यावस्था में वैराग्य भाव के कारण बरसाना आए रमेश बाबा ने अपना पूरा जीवन ब्रज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, संकीर्तन और गौ सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। उनके गोलोक गमन की सूचना मिलते ही ब्रजमंडल के साधु-संतों, श्रद्धालुओं और उनके अनुयायियों में भारी शोक की लहर दौड़ गई

70 वर्षों तक गहवर वन में की कठोर साधना

संत रमेश बाबा का जन्म वर्ष 1938 में प्रयागराज (इलाहाबाद) में हुआ था। उनके पिता विख्यात ज्योतिषाचार्य बलदेव प्रसाद शुक्ल और माता हेमेश्वरी देवी थीं। बाल्यावस्था में ही बरसाना आने के बाद उन्होंने लगभग 70 वर्षों तक गहवर वन की पवित्र भूमि पर साधना की। उन्होंने बरसाना के राधारानी मंदिर में मृदंग बजाकर और संकीर्तन करके राधा नाम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया था। इसके बाद उन्होंने ब्रह्मांचल पर्वत पर मान मंदिर आश्रम की स्थापना की।

एशिया की सबसे बड़ी गौशाला की रखी नींव

संत रमेश बाबा को देश-दुनिया में गौ सेवा और ब्रज संरक्षण के लिए विशेष रूप से जाना जाता था। उन्होंने बरसाना में एशिया की सबसे बड़ी 'माताजी गोशाला' की नींव रखी, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी गौशालाओं में गिना जाता है। इसके अलावा, उन्होंने ब्रज के पर्वतों, गहवरवन को बचाने और यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त कराने के लिए ऐतिहासिक आंदोलन चलाए। उनके दर्शन और आशीर्वाद के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु बरसाना आते थे।

2019 में पद्मश्री से हुए सम्मानित

ब्रज संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और अतुलनीय गौ सेवा में उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने वर्ष 2019 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था। संत रमेश बाबा का अंतिम संस्कार 7 अक्टूबर को सुबह 10:00 बजे गहवर वन में किया जाएगा। उनके जाने से ब्रजभूमि ने अपना एक महान संत और संरक्षक खो दिया है।

चखने के 25 रुपए के लिए हत्या का आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ आजमगढ़



कोतवाली प्रभारी यादवेंद्र पांडेय ने बताया कि 3 अक्तूबर को बलरामपुर स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान के बाहर चखना, सिगरेट, पानी और गिलास के 25 रुपये के लेनदेन को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई थी। विवाद बढ़ने पर विजय चौहान और उसके साथियों ने गाली-गलौज और धक्का-मुक्की की। बीच-बचाव करने आए दूसरे पक्ष के लोगों से भी मारपीट की गई। मारपीट में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मंडलीय चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने विजय चौहान को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

जौनपुर में अखिलेश यादव की गिरफ्तारी पर सपा का प्रदर्शन:

कार्यकर्ता आंबेडकर तिराहे पर धरने पर बैठे, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

हिंदमाता नेटवर्क @ जौनपुर



जौनपुर में मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे समाजवादी पार्टी (सपा) ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में था। सपा नेता रत्नाकर चौबे के नेतृत्व में कार्यकर्ता अंबेडकर तिराहे पर धरने पर बैठे। सुरक्षा के लिए दो थानों की पुलिस तैनात की गई थी। प्रदर्शनकारियों ने 'योगी-मोदी मुदार्बाद' और 'ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो' के नारे लगाए। रत्नाकर चौबे ने कहा कि अखिलेश यादव को सांकेतिक कार्यक्रम के दौरान गिरफ्तार किया गया। सपा ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रही है। चौबे ने ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी और ईवीएम जलवाने का आरोप लगाया, इसे लोकतंत्र की हत्या बताया। उन्होंने कहा कि यह सरकार जनता के अधिकार छीन रही है। प्रदर्शन में निजामुद्दीन अंसारी, अमित यादव, पूनम मौर्या, प्रदीप यादव, अनवारुल हक गुड्डू, रमेश मौर्या, दिलीप प्रजापति, विकास यादव, राजीव यादव, धर्मेंद्र सोनकर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

नागिन से खिलवाड़ में गई जान!

नशे में धुत दिव्यांग को कई बार डसा, शाहजहांपुर का खौफनाक वीडियो वायरल

हिंदमाता नेटवर्क @ शाहजहांपुर



उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में 40 वर्षीय दिव्यांग युवक उमेश की जहरीली नागिन के डसने से मौत हो गई। गांव के एक घर में जहरीली नागिन निकलने पर उमेश उसे पकड़ने गया था। नागिन को बोरी में बंद करने के बजाय शराब के नशे में धुत उमेश उसके साथ खेलने लगा और लोगों को तमाशा दिखाने लगा। इस दौरान नागिन ने उसके हाथ पर कई बार डस लिया। हालत बिगड़ने पर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सांप पकड़ने में माहिर था उमेश

मृतक उमेश सांपों को पकड़ने का काम करता था और इस काम के लिए 1 हजार से 2 हजार रुपये लेता था। सांप पकड़ने के बाद वह उन्हें बोरी में बंद करके अपने साथ ले जाता था और अक्सर उनके साथ खेला करता था। गांव के घर में नागिन निकलने पर ग्रामीणों ने उसे ही बुलाया था।

शराब के नशे में दिखाता रहा तमाशा

नागिन को पकड़ने के बाद उमेश शराब के नशे में होने के कारण उसके खतरे को भांप नहीं सका। वह नागिन के साथ काफी देर तक खेलता रहा और लोगों को तमाशा दिखाता रहा। इसी दौरान नागिन ने उसे हाथ पर कई बार काट लिया, लेकिन नशे के कारण वह खेलता रहा, जिससे जहर पूरे शरीर में फैल गया।

अस्पताल पहुंचने से पहले मौत, वीडियो वायरल

हालत बिगड़ने पर परिजन और ग्रामीण उमेश को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। सीएचसी के मेडिकल ऑफिसर डॉ. मनोज वर्मा ने बताया कि चांदुपुर पड़री गांव के 40 वर्षीय उमेश को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। घटना के बाद से परिवार में मातम छाया हुआ है, जबकि सांप से खेलने का वीडियो वायरल हो रहा है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में बिहार के 2 युवक गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना



भारत की सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बिहार के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पूर्वी चंपारण निवासी 31 वर्षीय अभिषेक कुमार सिंह और बेगूसराय निवासी 39 वर्षीय रीतेश कुमार सिंह के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में दोनों के पाकिस्तान कनेक्शन और जासूसी नेटवर्क की जांच कर रही है। इस मामले में सबसे अहम बात यह है कि मुख्य आरोपी बताए जा रहे अभिषेक कुमार सिंह का सेना से कनेक्शन रहा है। पुलिस के अनुसार, वह भारतीय सेना से जुड़ा रहा है और सेवानिवृत्ति के बाद अनुबंध के आधार पर दोबारा सेना से संबंधित काम कर रहा था। आरोप है कि इसी दौरान उसके पास मौजूद संवेदनशील सैन्य जानकारियां पाकिस्तान के एक इंटेलिजेंस ऑपरेटिव तक पहुंचाई गईं। हालांकि, इन आरोपों की पूरी पुष्टि जांच और फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। असम पुलिस के मुताबिक, इस मामले की शुरूआत सेना की मिलिट्री इंटेलिजेंस से मिले इनपुट के बाद हुई। जानकारी मिली थी कि गुवाहाटी में रहने वाला अभिषेक राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल है और पाकिस्तान के एक कथित खुफिया ऑपरेटिव के संपर्क में है। इनपुट मिलने के बाद असम पुलिस की एसटीएफ ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान अभिषेक को गिरफ्तार किया गया। अभिषेक के पास से मोबाइल फोन, कई सिम कार्ड, पाकिस्तान से जुड़े कुछ दस्तावेज और अन्य संदिग्ध सामग्री मिली है। जब्त किए गए मोबाइल फोन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि संवेदनशील जानकारी किस तरह पाकिस्तान तक भेजी जाती थी।

ज्ञानवापी वजूखाना विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई टली, सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

ज्ञानवापी परिसर के वजूखाने के वैज्ञानिक सर्वे की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई फिलहाल टल गई है। सुप्रीम कोर्ट में मामला पेंडिंग होने की वजह से ये फैसला लिया गया है। अब इस मामले पर 17 नवंबर के बाद ही सुनवाई हो सकती है। ये याचिका हिंदू पक्ष की ओर से राखी सिंह ने दाखिल की है। याचिका में राखी सिंह ने ज्ञानवापी के वजूखाने का वैज्ञानिक तरीके से सर्वे की मांग की है। निचली अदालत से याचिका खारिज होने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इस मामले की सुनवाई जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच कर रही है।

क्या है पूरा मामला?

बता दें कि 15 मई 2022 में ज्ञानवापी परिसर के वजूखाना में एडवोकेट कमिश्नर के सर्वे के दौरान शिवलिंग जैसी आकृति मिलने का दावा किया गया था। हिंदू पक्ष इसे प्राचीन शिवलिंग बताता है, जबकि मुस्लिम पक्ष का कहना है कि वो एक फव्वारा है। इसके बाद, 20 मई 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने उस जगह को सुरक्षित रखने का आदेश दिया था। अदालत के निर्देश के बाद से वो पूरा क्षेत्र सील है और वहां किसी भी तरह की गतिविधि पर पूरी तरह रोक है।

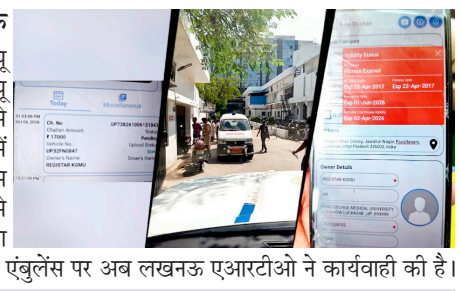


मध्यस्थता के लिए तैयार नहीं दोनों पक्ष

विवाद को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की पहल पर दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता की कोशिश भी की गई थी, लेकिन दोनों पक्षों ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। वकीलों का मानना है कि ये कानूनी मामला बेहद नाजुक है और इसका स्थायी समाधान सिर्फ अदालत के आखिरी फैसले से ही निकल सकता है।

10 साल से फिटनेस फेल, फिर भी दौड़ती रही केजीएमयू की एंबुलेंस, अब 17 हजार का चालान

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ



लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी यानी केजीएमयू से जुड़ा एंबुलेंस का मामला सामने आया है। यहां केजीएमयू रजिस्ट्रार के नाम से रजिस्टर्ड एक एंबुलेंस लंबे समय से फिटनेस फेल होने के बावजूद मरीजों को लाने-ले जाने में इस्तेमाल की जा रही थी। जानकारी के मुताबिक, यह एंबुलेंस साल 2017 से फिटनेस में फेल थी। यानी करीब 10 साल से फिटनेस मानकों को पूरा किए बिना ही इसका संचालन किया जा रहा था। मरीजों के परिवहन में इस्तेमाल होने वाली इस एंबुलेंस पर अब लखनऊ एआरटीओ ने कार्यवाही की है।

17 हजार रुपये का चालान

लखनऊ एआरटीओ की कार्यवाही के दौरान केजीएमयू रजिस्ट्रार के नाम से रजिस्टर्ड एंबुलेंस का 17 हजार रुपये का चालान काटा गया। कार्यवाही सिर्फ इसी एक एंबुलेंस तक सीमित नहीं रही। एआरटीओ की कार्यवाही में कुल पांच एंबुलेंस का चालान किया गया। फिटनेस फेल होने के बावजूद एंबुलेंस का इस्तेमाल मरीजों को लाने-ले जाने में किया जा रहा था। मामले के सामने आने के बाद एआरटीओ ने एंबुलेंस के खिलाफ सख्त कार्यवाही की। एआरटीओ ने ऐसी अन्य गाड़ियों को भी चिह्नित करने की बात कही है, जो फिटनेस फेल होने के बावजूद चल रही हैं। ऐसी गाड़ियों की पहचान के बाद आगे भी कार्यवाही की जाएगी। लखनऊ में हुई इस कार्यवाही के बाद फिटनेस फेल एंबुलेंस के संचालन को लेकर मामला सामने आया है।

कटिहार में दिनदहाड़े वकील की गोली मारकर हत्या

हिंदमाता नेटवर्क @ कटिहार



बिहार के कटिहार में अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं, इसका अंदाजा इस घटना को देखकर लगाया जा सकता है। नगर थाना क्षेत्र के कुम्हार टोली पटेल चौक के पास सोमवार को करीब 10:15 बजे स्कूटी से कोर्ट जा रहे एक वकील की चार अपराधियों ने चाकू से गोदकर और गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी। ये घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मृतक की पहचान कटिहार न्यायालय में कार्यरत अधिवक्ता गुड्डू अंसारी उर्फ अजीमुद्दीन अंसारी के रूप में हुई है। घटना का लाइव सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसने सभी को झकझोर कर रख दिया है। घटना के समय अधिवक्ता अपनी स्कूटी से आ रहे थे। तभी एक अपराधी ने चाकू से वार कर दिया। चाकू लगने से वह स्कूटी समेत जमीन पर गिर गए, तभी चारों आरोपियों ने उन्हें पकड़ लिया।अधिवक्ता ने खुद के बचाव के लिए उनसे लगातार हाथापाई करते रहे और आरोपी उन पर लगातार चाकू से हमला करते रहे। उसी दौरान एक अपराधी ने अपनी कमर से बेल्ट निकालकर अधिवक्ता को बेरहमी से पीटना लगा और दूसरे अपराधी ने पिस्टल निकालकर उन्हें गोली मार दी। चारों आरोपी वारदात को अंजाम देकर सीसीटीवी में आराम से पैदल जाते हुए दिखाई दिए और मौके से फरार हो गए। वहीं खून से लथपथ जमीन पर पड़े अधिवक्ता को लोगों ने उठाया और गंभीर हालत में उन्हें सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिवक्ता की हत्या की वजह मामूली जमीनी विवाद बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, मृतक कई दिनों पहले अपनी बहन और पड़ोसी दोनों के बीच झगड़े को सुलझाने गया था, लेकिन वहां पर पड़ोसी पक्ष द्वारा अधिवक्ता को जान से मारने की धमकी दी गई थी।

हिंदमाता एंकर: हादसे के बाद पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया है, पुलिस ने मौके से उसके चालक को भी गिरफ्तार कर लिया

मुजफ्फरनगर में भीषण सड़क हादसा, स्कॉर्पियो-डंपर की टक्कर में 4 की मौत

हिंदमाता संवाददाता @ मुजफ्फरनगर

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में सोमवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। हादसा पुरकाजी थाना क्षेत्र में लक्सर मार्ग पर हुआ। यहां स्कॉर्पियो कार और डंपर के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र की हरी वृंदावन कॉलोनी निवासी आदेश गोयल अपने परिवार के साथ लक्सर गए थे। परिवार वहां अपने मौसा राधेश्याम के 75वें जन्मदिन समारोह में शामिल हुआ था। कार्यक्रम खत्म होने के बाद सभी लोग स्कॉर्पियो से मुजफ्फरनगर स्थित अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पुरकाजी थाना क्षेत्र के लक्सर मार्ग पर उनकी कार सामने से आ रहे डंपर से टकरा गई। हादसे में 50 वर्षीय आदेश, 35 वर्षीय निशा, 11 वर्षीय गोनी और 48 वर्षीय राखी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी।



कार में फंसे घायलों को पुलिस ने निकाला

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटना में स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण कुछ लोग कार के अंदर फंस गए थे। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। एडीएम प्रशासन देश दीपक सिंह के मुताबिक, हादसे के बाद तीन घायलों को अस्पताल लाया गया था। इनमें कुसुम गोयल, रूबी गोयल और एक छोटी बच्ची शामिल है। रूबी गोयल मृतक आदेश गोयल की पत्नी हैं। उनकी और कुसुम गोयल की हालत गंभीर बताई गई, जिसके चलते डॉक्टरों ने दोनों को मेरठ के हायर सेंटर रेफर कर दिया।

गंभीर घायलों को मेरठ रेफर किया गया

एडीएम ने बताया कि घायल बच्ची को भी बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर ले जाने की तैयारी की गई। अधिकारियों के मुताबिक, हादसे में घायल लोगों का उपचार प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। वहीं, चारों मृतकों के शव स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में रखे गए हैं।

डंपर चालक गिरफ्तार



हादसे के बाद पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने मौके से उसके चालक को भी गिरफ्तार कर लिया। हादसा किस वजह से हुआ, इसकी जांच की जा रही है। एडीएम देश दीपक सिंह ने कहा कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों के बारे में मौके पर मौजूद लोगों और जांच के बाद ही पूरी जानकारी सामने आ सकेगी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे की सूचना परिवार के अन्य सदस्यों को दी गई, जिसके बाद अस्पताल और घटनास्थल पर परिजनों की भीड़ जुट गई। जन्मदिन समारोह से लौट रहे परिवार के लिए यह खुशी का सफर कुछ ही पलों में मातम में बदल गया।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में कमर्शियल जहाज पर हमला, 11 भारतीय घायल

सभी को सुरक्षित निकाला गया

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ओमान के तट के पास स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे पनामा के झंडे वाले एक कमर्शियल जहाज एमटी ऑन पीस पर मंगलवार को प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। इस हमले में जहाज पर सवार 12 क्रू मेंबर घायल हुए, जिनमें 11 भारतीय मूल के हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इसकी जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस जहाज पर कुल 19 क्रू मेंबर सवार थे, जिनमें से 17 भारतीय नागरिक हैं। हमले के बाद ओमान के अधिकारियों और तटरक्षक बलों की सहायता से तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। घायल क्रू मेंबर्स को जहाज से सुरक्षित बाहर निकालकर इलाज के लिए ओमान के खासाब शहर में भर्ती कराया गया है। भारत सरकार ने इस त्वरित सहायता के लिए ओमान प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।



भारत ने की हमले की निंदा

भारत ने कमर्शियल जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। एमईए ने कहा कि कमर्शियल जहाजों, नाविकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना बंद होना चाहिए। भारत ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए ऐसे हमलों को तुरंत रोकने की अपील की है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से नौवहन और व्यापार को जल्द से जल्द सामान्य करने की भी मांग की है।

इससे पहले भारत आ रहे कमर्शियल जहाज पर ओमान के पास हुआ था हमला

इससे पहले, ओमान के पूर्वी तट के पास भारत आ रहे कमर्शियल जहाज एमवी केप डाओ पर 23 सितंबर को हमला हुआ था, जिसमें एक भारतीय नाविक की मौत हो गई, जबकि जहाज पर सवार 19 अन्य भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया। भारतीय दूतावास ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया था कि वह ओमानी अधिकारियों के संपर्क में है और सभी भारतीय नाविकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए समन्वय कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने हमले की निंदा करते हुए कहा था कि कमर्शियल जहाजों, नाविकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना बंद होना चाहिए और क्षेत्र में सुरक्षित और निर्बाध नौवहन एवं व्यापार जल्द बहाल किया जाना चाहिए। फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के देवरिया निवासी वाइपर सूरज यादव के रूप में की थी। यूनियन के अनुसार, जहाज पर दो टॉरपीडो से हमला किया गया था। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संकट के समय नाविकों की मदद के लिए 'सीफेरर्स इमरजेंसी सपोर्ट नेटवर्क' बनाने का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने कहा था कि वैश्विक व्यापार में नाविकों की अहम भूमिका है, इसलिए संकट के दौरान उनकी सुरक्षा और मदद को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

अफगानिस्तान ने चीन तक बनाई 121 किलोमीटर लंबी सड़क

भारत के लिए क्यों बढ़ी चिंता?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अफगानिस्तान के उत्तर-पूर्वी बदख्शां प्रांत में वाखान कॉरिडोर के जरिए चीन तक सड़क संपर्क तैयार होने से इस पूरे इलाके की रणनीतिक अहमियत बढ़ गई है। करीब 121 किलोमीटर लंबी यह सड़क चीन के शिनजियांग क्षेत्र तक पहुंचती है। करीब 55 लाख डॉलर की लागत से बनी इस सड़क को अफगानिस्तान और चीन के बीच सीधा जमीनी संपर्क बढ़ाने वाली अहम कड़ी माना जा रहा है। दरअसल, वाखान कॉरिडोर अफगानिस्तान के उत्तर-पूर्व में मौजूद एक संकरी पट्टी है। इसके उत्तर में ताजिकिस्तान, पूर्व में चीन का शिनजियांग और दक्षिण में पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर है। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण यह इलाका बेहद संवेदनशील माना जाता है। वाखान का इतिहास भी काफी पुराना है। यह क्षेत्र कभी प्राचीन सिल्क रूट का हिस्सा था, जिसके जरिए चीन, मध्य एशिया और दक्षिण एशिया के बीच व्यापार होता था। आज भी इसकी भौगोलिक स्थिति इसे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिहाज से महत्वपूर्ण बनाती है।



चीन तक सड़क से क्या बदलेगा?

तालिबान सरकार इस सड़क के जरिए अफगानिस्तान के सोने और दूसरे प्राकृतिक संसाधनों को चीन के बाजार तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है। इससे अफगानिस्तान को दूसरे देशों और विदेशी कंपनियों पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। वहीं, चीन के लिए यह सड़क सिर्फ व्यापार का रास्ता नहीं है। इससे चीन को अफगानिस्तान के खनिज संसाधनों तक पहुंच आसान हो सकती है और शिनजियांग से अफगानिस्तान तथा मध्य एशिया तक कनेक्टिविटी मजबूत हो सकती है।

भारत के लिए चिंता क्यों?

भारत के लिए सबसे बड़ा सवाल इस सड़क की भौगोलिक स्थिति और चीन की बढ़ती मौजूदगी को लेकर है। वाखान कॉरिडोर भारत के दावे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान और लद्दाख के करीब है। ऐसे में इस इलाके में चीन का इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी बढ़ना भारत की रणनीतिक नजर से महत्वपूर्ण है। भारत पहले से ही लद्दाख में चीन के साथ सीमा पर चुनौती का सामना कर रहा है। ऐसे में वाखान में चीन की गतिविधियां बढ़ने पर उत्तरी सीमा पर निगरानी और रणनीतिक तैयारी का महत्व और बढ़ जाता है।

बिजनेस वर्ल्ड

बायोडील फार्मास्यूटिकल्स ने स्टेराइल इंजेक्टेबल्स कारोबार में किया विस्तार

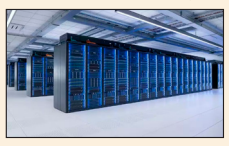
हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



प्रमुख कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन (सीडीएमओ) बायोडील फार्मास्यूटिकल्स ने हिमाचल प्रदेश के पांवटा साहिब में बायोलॉजिकल ई लिमिटेड की एक स्टेराइल इंजेक्टेबल मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी का अधिग्रहण किया है। यह राज्य की बड़ी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटीज में शामिल है। इस अधिग्रहण के साथ बायोडील ने अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता का विस्तार करते हुए स्टेराइल इंजेक्टेबल्स के कारोबार में प्रवेश किया है। इससे कंपनी के पोर्टफोलियो में स्थापित रेगुलेटरी मान्यताएं, विशेष तकनीकी क्षमताएं और बड़ी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता जुड़ी है, जिससे वह ग्लोबल मार्केट के लिए स्टेराइल इंजेक्टेबल्स का निर्माण कर सकेगी। यह फैसिलिटी वायल फॉर्मेट में जनरल इंजेक्टेबल्स और काबार्पेनेम के निर्माण के लिए तैयार है। इसमें जर्मनी की बनी ग्रोनिंगर प्रोसेसिंग लाइनों का इस्तेमाल किया गया है। फिलहाल इसकी सालाना क्षमता करीब 13.5 करोड़ यूनिट है। कंपनी के पास इस फैसिलिटी की पूरी क्षमता के तहत 17 प्रोडक्शन लाइनों तक विस्तार करने की गुंजाइश है। इसके अलावा प्री-फिल्ड सिरिंज (पीएफएस) और लायोफिलाइज्ड फॉर्मेट में भी उत्पादन शुरू करने की योजना है। अतिरिक्त रेगुलेटेड मार्केट में विस्तार की अपनी योजना के तहत बायोडील इस फैसिलिटी के लिए पीआईसी/एस और ईयू एक्रेडिटेशन हासिल करने की प्रक्रिया में है। पांवटा साहिब की यह फैसिलिटी 14 एकड़ के कैंपस में फैली है। इसमें करीब 39,000 वर्ग मीटर का बिल्ट-अप मैन्युफैक्चरिंग स्पेस है। निकट भविष्य में विस्तार के जरिए इसकी क्षमता में 3 करोड़ यूनिट और जोड़ी जा सकती हैं। यह फैसिलिटी बायोडील की मौजूदा नालागढ़ फैसिलिटी से करीब 50 किलोमीटर दूर है। इसके अधिग्रहण से हिमाचल प्रदेश के स्थापित फार्मास्यूटिकल कॉरिडोर में कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग मौजूदगी और मजबूत हुई है बायोडील फार्मास्यूटिकल्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर अनुराग कुमार ने कहा, यह अधिग्रहण हमने सोच-समझकर किया है, यह कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं है।

2020 के बाद से भारत में डेटा सेंटर क्षमता चार गुना से भी अधिक बढ़ी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



क्लाउड अपनाने में तेजी, 5G सेवाओं के प्रसार, डेटा लोकलाइजेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती मांग के बल पर भारत का डेटा सेंटर उद्योग तीव्र विस्तार के दौर से गुजर रहा है। देश में डेटा सेंटर की परिचालन क्षमता (ऑपरेशनल कैपेसिटी) 2020 में लगभग 375 मेगावाट से बढ़कर 2025 में 1,575 मेगावाट से अधिक हो गई है। अनुमानों के अनुसार, 2030 तक यह क्षमता 4.5 से 9 गीगावाट तक पहुँच सकती है। इस क्षेत्र ने 2019 से 2025 के बीच अनुमानित 95 बिलियन अमेरिकी डॉलर का संचयी निवेश आकर्षित किया है। पॉलिसी कंसेंसस सेंटर (पीसीसी) द्वारा जारी एक नए चर्चा पत्र, जिसका शीर्षक लिविंग नेक्स्ट टू द क्लाउड : एन एविडेंस-बेस्ड अप्रोच टू डेटा सेंटर्स इन रेसिडेंशियल इंडिया है, में अध्ययन किया गया है कि डेटा सेंटर सुविधाओं के आसपास रहने वाले रिहायशी समुदायों के साथ इस विस्तार का सही प्रबंधन कैसे किया जाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्य प्रश्न अब यह नहीं है कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को शहरी क्षेत्रों से बाहर रखा जाए या नहीं, बल्कि यह है कि डेटा सेंटर और रिहायशी इलाके आपस में बेहतर सह-अस्तित्व कैसे बनाए रख सकते हैं। पॉलिसी कंसेंसस सेंटर (पीसीसी) द्वारा महाराष्ट्र (ठाणे, ऐरोली, नवी मुंबई) और तमिलनाडु (चेन्नई) में डेटा सेंटर परियोजनाओं के लिए सरकारी परिवेश पोर्टल पर उपलब्ध पर्यावरण क्लीयरेंस फाइलों की समीक्षा में कई महत्वपूर्ण बिंदु सामने आए हैं शोर और ध्वनि नियंत्रण के संदर्भ में, डेटा सेंटर के कूलिंग सिस्टम और जनरेटर आमतौर पर 45-65 डेसिबल तक शोर उत्पन्न करते हैं, जबकि भारत में रिहायशी इलाकों के लिए तय सीमा दिन में 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल है।

नेपाल में तख्तापलट करने वाले जेन-जी बुरी तरह फंसे

1700 में से सिर्फ 300 के केस वापस लेगी बालेन सरकार



हिंदमाता नेटवर्क @ काठमांडू

नेपाल में जेन-जी आंदोलन के एक साल पूरे होने पर काठमांडू से नई रिपोर्ट सामने आई है। इसके मुताबिक जेन-जी आंदोलन के दौरान देश में कुल 1,700 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किए गए थे। इनमें से सिर्फ 300 आरोपियों पर से मुकदमों को वापस लिया जाएगा। यह फैसला बाबूराम रेगमी की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिश के आधार पर लेने की तैयारी है। बालेन सरकार ने जेन-जी आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेने की प्रक्रिया और इसके तौर-तरीके तय करने के लिए नेपाल के रिटायर्ड जस्टिस बाबूराम रेगमी की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था। केपी ओली सरकार के दौरान मेटा बैन के विरोध में जो जेन-जी आंदोलन हुआ था। उस वक्त 445 मामलों में 1,778 आरोपी बनाए गए थे। इनमें से सिर्फ 300 आरोपियों के खिलाफ केस वापस लेने की सिफारिश की गई है।

सिर्फ 300 लोगों के खिलाफ केस वापस क्यों?

1. बाबूराम रेगमी समिति का कहना है कि जो मामले सिर्फ सामान्य प्रदर्शन को लेकर दर्ज किए गए थे, उन्हें तो वापस लिया जा सकता है, लेकिन जो मामले पुलिसकर्मियों पर हमला और सरकारी संपत्ति लूटने से संबंधित हैं, उन्हें वापस नहीं लिया जा सकता है।

2. नेपाल सरकार के मुताबिक 1,400 से ज्यादा लोगों पर उस वक्त सरकारी संपत्ति लूटने और पुलिसकर्मियों पर हमला करने का आरोप है। इनमें से 53 लोगों के खिलाफ कोर्ट की कार्यवाही शुरू हो चुकी है। यानी यह मामला न्यायपालिका के अधीन है।

सरकार ने केस वापस लेने का ऐलान किया था

नेपाल में केपी ओली की बर्खास्तगी के बाद सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हुआ था। कार्की ने उस वक्त प्रदर्शनकारियों के साथ एक समझौता किया था। इसके तहत जेन-जी आंदोलन के दौरान दर्ज सभी केस वापस लिए जाएंगे। बालेन सरकार के गृह मंत्री सुडान गुरुंग ने इसी साल मई में कहा था कि वे इस मामले को वापस लेने की तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि यह आंदोलन में भाग लेने के बदले में की गई कार्यवाही थी। हालांकि, अब जिस तरीके से समिति की सिफारिश सामने आई है, उसे जेन-जी प्रदर्शनकारी सकते में हैं। नेपाल में प्रदर्शन के दौरान सक्रिय रहीं जेन-जी नेता सरिश्मा थापा ने ई-कांतिपुर से बात की है। थापा के मुताबिक पुलिस ने एकतरफा तौर पर सभी के खिलाफ आपराधिक आरोप दायर किए हैं, लेकिन मुझे आश्चर्य है कि क्या जांच समिति ने केवल उन्हीं आरोपों की जांच की। हम समझते हैं कि यह सरकार और जेन-जी के बीच हुए समझौते की भावना के अनुरूप नहीं है।

हमें पल-पल की डिटेल चाहिए... रूसी प्लेग लैब में महिला की मौत पर अमेरिका

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

अमेरिका रूस से साइबेरिया के एक प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में काम करने वाली महिला की मौत के बारे में और जानकारी मांग रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका इस मामले पर हर घंटे नजर रख रहा है। रूस में संभावित प्लेग फैलने की चिंता के बीच अमेरिका ने यह बात कही है। रूस के इरकुत्स्क स्थित प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में काम करने वाली 28 साल की महिला बीमार पड़ गई थी। शुक्रवार को निमोनिया से उसकी मौत हो गई। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हुआ है कि निमोनिया किस वजह से हुआ था। महिला की मौत के बाद रूस के अधिकारियों ने सावधानी के तौर पर कई लोगों को क्वारंटीन किया। सोशल मीडिया पर भी इस मामले को लेकर चिंता जताई गई। रुबियो ने आइसलैंड में पत्रकारों से कहा कि अमेरिका इस मामले पर हर घंटे नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि रूस से उम्मीद है कि वह इस बारे में दुनिया के साथ ज्यादा जानकारी साझा करेगा। रुबियो ने कहा कि अगर स्थिति अभी बताई जा रही जानकारी से ज्यादा गंभीर होती है, तो अमेरिका के पास रूस की मदद के लिए कुछ उपाय हैं। हालांकि, कार्यवाही से पहले अमेरिका को और जानकारी चाहिए।



अमेरिका की तरफ से मदद की पेशकश

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि रूस ने अभी तक लैब कर्मचारी की मौत के बारे में मांगी गई जानकारी का आधिकारिक जवाब नहीं दिया है। डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता क्रिश्चियन लिंडमायर ने कहा कि सभी संपर्कों की पहचान कर ली गई है और उनकी निगरानी की जा रही है। अब तक किसी में बीमारी के लक्षण नहीं दिखे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को रूस की मदद की पेशकश की थी और इसे मॉस्को के लिए बड़ी समस्या बताया था।

फ्लाईदुबई विमान को आसमान में मार गिराता इजराइल? तैयार थे जेट्स

हिंदमाता नेटवर्क @ तेल अवीव

सीबीएस न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कॉकपिट में चाकू से हमले के बाद अगर फ्लाईदुबई का विमान तेल अवीव की ओर बढ़ता तो इजरायल अपने लड़ाकू विमान भेजकर उसे मार गिराने के लिए तैयार था। दरअसल, 30 सितंबर को फ्लाईदुबई का विमान दुबई से तेल अवीव जा रहा था, तभी को-पायलट हमाम अल-हम्मामी ने कैप्टन स्मित मच्छार पर चाकू से हमला कर दिया था। उसने विमान पर कब्जा करने की कोशिश की। हालांकि स्मित मच्छार के प्रयासों की वजह से विमान को सुरक्षित लैंड करा लिया गया और सवार सभी 174 लोगों की जान बच गई।



सऊदी अरब ने भी रवाना किए थे लड़ाकू विमान

वहीं सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरी तरफ सऊदी अरब ने भी अपने लड़ाकू विमान रवाना किए थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर विमान तेल अवीव की ओर अपना रास्ता जारी रखता, तो इजरायली लड़ाकू पायलट विमान के करीब जाकर कॉकपिट में मौजूद लोगों को देखने के लिए तैयार थे। इसका मकसद यह तय करना था कि क्या विमान का अपहरण हुआ है? वे इसके जरिए संकट की स्थिति को समझना चाहते थे। सीबीएस न्यूज ने बताया कि अगर अपहरण की पुष्टि हो जाती और हमलावर चुप रहते, तो यह मामला इजरायल के रक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री तक पहुंच सकता था। विमान को नीचे उतारने का आदेश देने का अधिकार आखिरकार प्रधानमंत्री के पास ही होता।

इजरायली एयर स्पेस को कर दिया गया था सील

दरअसल, विमान में हम्मामी द्वारा हमला किए जाने के बाद इमरजेंसी घोषित कर दी गई थी। इसके बाद इजरायली वायु सेना के कर्मचारियों ने रेडियो के जरिए कॉकपिट से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। एक पहले से तय इमरजेंसी सिस्टम एक्टिवेट किया गया, एक कमांड सेंटर बनाया गया और इजरायली एयरस्पेस को सील कर दिया गया, साथ ही लड़ाकू विमानों को भी रवाना किया गया था। बाद में उन लड़ाकू विमानों को वापस बुला लिया गया, जब अधिकारियों को पता चला कि विमान सऊदी अरब की ओर मुड़ गया है और इमरजेंसी लैंडिंग की तैयारी कर रहा है।

इमरान खान की रिहाई तय?

पीटीआई के लॉन्ग मार्च के सामने झुके पीएम शहबाज शरीफ!

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल से बाहर लाने के लिए उनकी पार्टी प्रदर्शन में डटी है। इस बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को बातचीत के लिए बुलाया है। हालांकि उन्होंने विपक्षी पार्टी से अपना 'लॉन्ग मार्च' तुरंत रद्द करने के लिए कहा है। बता दें कि पीटीआई ने खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवत शहर से अपना मार्च शुरू किया था। पार्टी इस्लामाबाद में धरना देकर इमरान खान की रिहाई की मांग करना चाहती है। इसे लेकर सरकार और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की पार्टी पीपीपी के साथ पीटीआई की दो दिनों तक लगातार बैठकें हुई थीं। हालांकि, ये बातचीत बेनतीजा रही। बैठक बेनतीजा रहने के बाद प्रधानमंत्री शरीफ ने आरोप लगाया कि इस बातचीत का कोई सकारात्मक नतीजा इसलिए नहीं निकला क्योंकि विपक्षी दल का मकसद वाताओं को असफल करना था। उन्होंने दावा किया कि पीटीआई ने उन मुद्दों पर भी बदलाव की मांग रखी, जिन पर पहले ही सहमति बन चुकी थी।



जेल में मुलाकात को लेकर फंसा पेच

विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, शनिवार दोपहर शुरू हुआ बैठकों का दूसरा दौर पूरी रात चला था, लेकिन रविवार तड़के इमरान खान से मुलाकात के मुद्दे पर बातचीत रुक गई। पीटीआई की जिद थी कि विरोध प्रदर्शन वापस लेने से पहले उन्हें जेल में इमरान खान से मिलने की अनुमति दी जाए। लेकिन सरकार की सख्त शर्त थी कि मुलाकात से पहले मार्च और विरोध प्रदर्शन को पूरी तरह खत्म किया जाए। अब पाकिस्तानी पीएम का पीटीआई को फिर से मुलाकात करने के न्योते ने सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या सरकार इमरान खान की रिहाई की शर्त मान जाएगी? वार्ता नाकाम होने के बाद पीटीआई का विरोध काफिला फिलहाल खैबर पख्तूनख्वा में ही है और उम्मीद है कि हफ्ते के आखिर तक वो इस्लामाबाद की तरफ कूच करेगा। हालांकि, टकराव टालने के लिए पर्दे के पीछे से बातचीत अभी भी जारी है, क्योंकि दोनों पक्ष आम जनता और सुरक्षा एजेंसियों के बीच किसी भी हिंसा से बचना चाहते हैं।

पीटीआई के प्रदर्शन पर शहबाज शरीफ की चेतावनी

सरकार पहले ही चेतावनी दे चुकी है कि अगर मार्च नहीं रुका तो इसे रोकने के लिए बल प्रयोग भी किया जा सकता है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि साल 2023 में डिफॉल्ट होने से बाल-बाल बचने के बाद देश की अर्थव्यवस्था अब पटरी पर लौट रही है। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई सालों में सभी ने मिलकर अर्थव्यवस्था में सुधार किया है और मैक्रोइकॉनॉमिक स्थिरता हासिल की है। ऐसे में इस तरह के प्रदर्शन देश की आर्थिक तरक्की को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

यूपीआई लेनदेन की एमडीआर फीस ग्राहकों से नहीं वसूल सकते दुकानदार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



15 अक्टूबर से यूपीआई के जरिए किसी दुकानदार, व्यापारी को किए जाने वाले 2000 रुपये से ज्यादा के भुगतान पर 0.4 प्रतिशत का एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) वसूला जाएगा। इस फीस का बोझ आम ग्राहकों पर नहीं पड़ेगा और इसका भुगतान दुकानदार को करना होगा। हालांकि, आम ग्राहक इस चिंता में हैं कि दुकानदार इस एमडीआर का बोझ उन्हीं पर डाल देगा। देश के प्रमुख सरकारी बैंक पंजाब एंड सिंध बैंक के सीईओ ने ग्राहकों की इस चिंता को दूर कर दिया है। पंजाब एंड सिंध बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ स्वरूप कुमार साहा ने कहा कि यूपीआई के जरिए भुगतान स्वीकार करने वाले व्यापारी एमडीआर ग्राहकों से नहीं वसूल सकते हैं। उन्होंने कहा कि 15 अक्टूबर के बाद भी खुदरा ग्राहकों को वस्तुओं और सेवाओं के लिए वही कीमत चुकानी होगी, जो व्यापारी ने संबंधित सामग्री पर प्रदर्शित की है।

1,499 रुपए के जियोभारत 4जी फोन पर मिलेगा 6 महीने का रिचार्ज फ्री

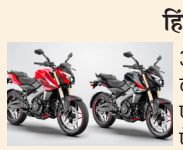
हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



जियो ने अपने 10वें एनिवर्सरी ऑफर में जियोभारत 4जी फोन 1,499 रुपए में देने के साथ 6 महीने का रिचार्ज फ्री कर दिया है। इस दौरान ग्राहकों को हर महीने 14जीबी डेटा और अनलिमिटेड एचडी वॉयस कॉलिंग मिलेगी। यानी फोन खरीदने के साथ ही अगले छह महीने के रिचार्ज की चिंता खत्म। अब अलग से रिचार्ज पर पैसा खर्च नहीं करना होगा। कंपनी ने इस ऑफर को खास तौर पर अभी भी 2जी फीचर फोन इस्तेमाल कर रहे ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश किया है। जियो के मुताबिक ऐसे ग्राहक आम तौर पर करीब 199 रुपए महीना रिचार्ज पर खर्च करते हैं। छह महीने में यह रकम करीब 1,200 रुपए बैठती है। ऐसे में 1,499 रुपए में फोन और छह महीने का रिचार्ज दोनों मिलने से 2जी से 4जी पर शिफ्ट होने का अतिरिक्त खर्च दरअसल मात्र 299 रुपए रह जाता है। हालांकि ग्राहक को फोन खरीदते वक्त पूरे 1,499 रुपए की कीमत चुकानी होगी। 2जी से 4जी पर आने के साथ ग्राहक को अल्ट्रा फास्ट इंटरनेट तो मिलेगा ही, साथ ही जियोभारत में जियोटीवी के 500 से ज्यादा टीवी चैनल, जियोहॉटस्टार पर क्रिकेट, फिल्में और मनोरंजन, म्यूजिक और जियोपे के जरिए यूपीआई पेमेंट जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी। फोन में 2.4 इंच डिस्प्ले और 2000 एमएएच बैटरी दी गई है। यह ऑफर जियोभारत के चुनिंदा ए1, बी1, बी2 और बी3 मॉडल पर लागू है।

बजाज पल्सर खरीदने का सुनहरा मौका, फेस्टिव ऑफर में 12,000 रुपए तक की छूट

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई



अगर आप इस फेस्टिव सीजन में नई बाइक खरीदने का प्लान बना रहे हैं और आपकी नजर बजाज पल्सर पर है, तो आपके लिए कंपनी ने खास ऑफर पेश किया है। बजाज ऑटो अपने पल्सर लाइनअप पर ऐसे फेस्टिव बेनेफिट दे रही है, जिनकी कुल वैल्यू 12,000 रुपये तक है। इसमें सीधे कैश डिस्काउंट के साथ एक्स्ट्रा फ्री सर्विस का फायदा भी शामिल है। खास बात यह है कि ये ऑफर सिर्फ फाइनेंस पर बाइक खरीदने वालों के लिए नहीं हैं, बल्कि कैश में खरीदारी करने वाले ग्राहक भी इनका लाभ उठा सकते हैं। बजाज फिलहाल भारत में पल्सर के 11 अलग-अलग मॉडल और कई वेरिएंट बेचती है। इनमें एनएस और आरएस सीरीज की कुछ बाइक्स लंबे समय से बाजार में हैं, जबकि पल्सर 125, पल्सर 150 और पल्सर एन160 जैसे मॉडल को हाल ही में बड़े अपडेट मिले हैं। फेस्टिव सीजन को देखते हुए कंपनी ने अपनी पल्सर रेंज पर ऑफर की घोषणा की है। कैश डिस्काउंट और फ्री सर्विस बेनेफिट को मिलाकर ग्राहक अधिकतम 12,000 रुपये तक की बचत कर सकते हैं। सबसे ज्यादा फायदा पल्सर एनएस400जेड पर मिल रहा है। हाल ही में अपडेट हुई क्वालिक पल्सर 125 के टॉप वेरिएंट की महाराष्ट्र में एक्स-शोरूम कीमत करीब 1.04 लाख रुपये है। इस मॉडल पर कंपनी 2,500 रुपये का सीधा कैश डिस्काउंट दे रही है। इसके बाद प्रभावी कीमत करीब 1.02 लाख रुपये रह जाती है।

हिंदमाता एंकर | मैंने यह गाजा का बदला लेने के लिए किया, मैं शहीद होकर मरना चाहता था

मैं शहीद होकर मरना चाहता था, फ्लाईदुबई फ्लाइट के को-पायलट का बड़ा खुलासा, बताया क्या था प्लान

हिंदमाता नेटवर्क @ तेल अवीव

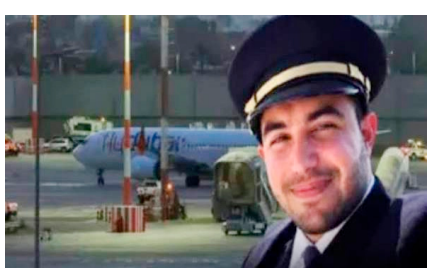
इजराइली ऑनलाइन न्यूज पोर्टल 'माको' के अनुसार, दुबई से तेल अवीव जा रही 'फ्लाईदुबई' फ्लाइट के कैप्टन पर हमला करने और प्लेन को क्रैश करने की कोशिश करने वाले ओमानी को-पायलट ने जांचकताओं को बताया कि उसने यह हमला गाजा का बदला लेने के लिए किया था। हमम अल-हम्मामी ने पूछताछ के दौरान अमीराती जांचकताओं से कथित तौर पर कहा, "मैंने यह गाजा का बदला लेने के लिए किया। मैं शहीद होकर मरना चाहता था।" खबरों के मुताबिक, ओमान के पायलट हमम अल-हम्मामी ने जांचकताओं को बताया कि उसने गाजा का बदला लेने और शहीद होने के लिए यह हिंसक हमला किया। अधिकारी अब उसके फोन, विदेश यात्राओं और संपर्कों की जांच कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने यह सब अकेले किया था या नहीं।



इस्लामिक कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित था

हमम अल-हम्मामी का यह कथित कबूलनामा ऐसे समय में सामने आया है, जब खबरें हैं कि अल-हम्मामी को पिछले साल ओमान की नेशनल एयरलाइन से उसकी चरमपंथी सोच के कारण हटा दिया गया था। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, बाद में उसके नाम वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स पर इजराइली विमानों के कॉकपिट वीडियो और अल-कायदा के लोगों के वीडियो पोस्ट किए गए थे। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहले कहा था कि माना जा रहा है कि को-पायलट "इस्लामिक कट्टरपंथी विचारधारा" से प्रभावित था।

फ्लाईदुबई की घटना, क्या-क्या पता चला



30 सितंबर को फ्लाईदुबई की फ्लाइट 1073 में 170 से ज्यादा यात्री सवार थे, जिनमें से ज्यादातर इजराइली थे। फ्लाइट के लैंड करने से एक घंटे से भी कम समय पहले अल-हम्मामी ने कैप्टन स्मित मच्छार पर हमला कर दिया। फ्लाइट-ट्रैकिंग डेटा से पता चला कि विमान कुछ ही सेकंड में 17,000 फीट से ज्यादा नीचे गिर गया। फ्लाइट के कैप्टन मच्छार ने को-पायलट के हमले का मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे, जिससे यात्री देख पाए कि क्या हो रहा है और वे दखल दे सके। यात्रियों ने अल-हम्मामी को काबू करने में मदद की, जबकि फ्लाइट में मौजूद ऑफ-ड्यूटी पायलटों ने फ्लाइट का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया और इस तरह एक भयानक क्रैश को टाल दिया। इजराइली मीडिया ने यह भी बताया कि अल-हम्मामी ने जुलाई में हमला करने के बारे में सोचा था, लेकिन आखिरी समय में उसने अपना प्लान छोड़ दिया क्योंकि वह क्रू के एक सदस्य का दोस्त था।

दैनिक ठाणे, बुधवार 7 अक्टूबर, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर

हरमनप्रीत ने छोड़ी टीम इंडिया की कप्तानी



अपनी कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को वनडे विश्व कप 2025 का चैंपियन बनाने वाली हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी छोड़ दी है। मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक लंबे पोस्ट के माध्यम से हरमन ने टीम की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया। बतौर खिलाड़ी वह उपलब्ध रहेंगी। स्मृति मंधाना को अगला कप्तान बनाया जा सकता है। हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी छोड़ने का फैसला उपकप्तान स्मृति मंधाना, हेड कोच अमोल मजूमदार और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के साथ हुई बैठक के बाद लिया। स्मृति मंधाना तीनों फॉर्मेट में हरमनप्रीत की जगह महिला टीम की नई कप्तान बन सकती हैं।

हरमनप्रीत क्यों छोड़ी टीम इंडिया की कप्तानी

हरमनप्रीत कौर ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि आज, मैं सभी फॉर्मेट में इंडियन विमेंस क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ रही हूं। यह कोई आसान फैसला नहीं है। इसमें वर्षों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल हैं, जो मेरी बाकी जिंदगी मेरे साथ रहेंगे। उन्होंने लिखा कि मैंने इस टीम और इंडियन विमेंस क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया है अपना खून, अपना पसीना, अपना समय, और कई बार, अपने खेल और पर्सनल एम्बिशन का एक हिस्सा। ऐसे पल भी आए, जब मुझे अपने निजी प्रदर्शन, अपना विकास और अपने लिए जो मैं चाहती थी, उसे एक तरफ रखना पड़ा, क्योंकि मेरा मानना था कि टीम को पहले रखना चाहिए।

हमेशा टीम को आगे बढ़ाने के लिए किया काम : हरमन

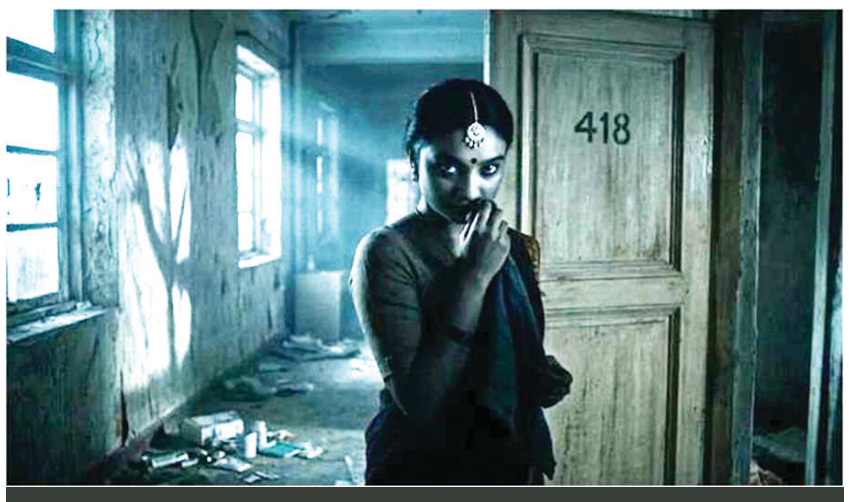
हरमन ने लिखा कि एक कप्तान के तौर पर, मुझे मुश्किल फैसले लेने पड़े हैं। ऐसे फैसले जो हमेशा समझ में नहीं आते थे, हमेशा आसान नहीं होते थे, और कभी-कभी पर्सनल कीमत चुकानी पड़ती थी। लेकिन मैंने जो भी फैसला लिया, उसका मकसद इस टीम को बेहतर बनाना और दूसरे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने, खुद पर विश्वास करने और खुद का बेस्ट वर्जन बनने का मौका देना था। दिग्गज खिलाड़ी ने लिखा कि मैंने सब कुछ देखा है। मैंने सबसे बुरे पल, दिल टूटना, बुराई, शक और वे दिन देखे हैं, जब कुछ भी हमारे हिसाब से नहीं होता था। और मैंने सबसे ऊंचे मुकाम भी देखे हैं जीत, जश्न, अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व, और वे पल जब हर कुर्बानी सार्थक लगी। आज मैं भावनाओं से भरे दिल के साथ, लेकिन शांति के साथ कप्तानी छोड़ रही हूं।

खिलाड़ी के तौर पर जारी रहेगा सफर

हरमनप्रीत कौर ने लिखा कि मुझे सच में विश्वास है कि मेरी टीम अच्छी जगह पर है। एक ऐसी टीम, जिसमें टैलेंट, कैरेक्टर, विश्वास और भविष्य है, जिसे देखने और जिसका हिस्सा बनने के लिए मैं बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मैंने अपना फर्ज निभाया है। मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया। मैंने गर्व के साथ जिम्मेदारी निभाई, और मैं भारतीय महिला क्रिकेट को लीड करने के सौभाग्य के लिए हमेशा आभारी रहूंगी। हरमन ने कहा, अब, मेरे लिए पन्ना पलटने का समय आ गया है। कप्तानी आज खत्म हो सकती है, लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए मेरा प्यार कभी खत्म नहीं होगा। हर साथी खिलाड़ी, कोच, सपोर्ट स्टाफ, प्रबंधन, बीसीसीआई, परिवार के सदस्यों, हर एक फैन का शुक्रिया, जो मेरे साथ अच्छे और बुरे समय में खड़े रहे। खून। पसीना। सफाई। गर्व। मैंने सब कुछ दिया। अब, मैं फिर से खेल के प्यार के लिए खेलने के लिए तैयार हूं। कप्तानी खत्म। सफर जारी है।

2016 में संभाली थी टीम इंडिया की कप्तानी

37 साल की हरमनप्रीत ने 2012 में अस्थायी तौर पर कप्तानी की थी। 2016 में वह पूर्णकालिक कप्तान बनीं। उनकी कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने अपना पहला आईसीसी इवेंट, वनडे विश्व कप 2025 जीता था। उन्होंने भारत को महिला टी-20 एशिया कप, एशियन गेम्स में लगातार 2 बार गोल्ड और कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में सिल्वर मेडल जिताने में मदद की थी। 37 साल की हरमनप्रीत ने बतौर कप्तान भारतीय टीम को पांच टेस्ट, 51 वनडे और 155 टी-20 में लीड किया।



'418' का हिंदी ट्रेलर रिलीज

पैन-इंडिया प्रोडक्शन हाउस मैथ्री मूवी मेकर्स अब हॉरर और थ्रिलर के जॉनर में कदम रखने जा रहा है। प्रोडक्शन हाउस की नई फिल्म '418' का हिंदी ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म को फिल्ममेकर प्रशांत नील पेश कर रहे हैं, जबकि कीर्तन नडागौडा इसके जरिए निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। '418' में चैत्रा अचार, सूर्या राज, चरण लक्काराजू, प्रीति पगडाला और शशांक पाटिल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण नवीन येरनेनी और यलमनचिली रवि शंकर ने किया है। ट्रेलर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में मनोवैज्ञानिक डर के साथ-साथ अलौकिक घटनाओं को भी कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया है।

15 साल से बंद बिल्डिंग में छिपा है बड़ा राज

ट्रेलर की शुरुआत एक वॉचमैन के जरिए होती है, जो एक ऐसी जगह का जिक्र करता है जहां जाने की हिम्मत कोई नहीं करता। इसके बाद कहानी 18 साल के विवेक के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती है। विवेक ऐसी परिस्थितियों में फंस जाता है, जहां उसके लिए यह समझना मुश्किल हो जाता है कि उसके आसपास जो कुछ हो रहा है, वह हकीकत है या उसका भ्रम। कहानी उस वक्त और रहस्यमयी हो जाती है, जब 15 साल से बंद VIMS बिल्डिंग को स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद दोबारा खोलने का फैसला किया जाता है। इसी बिल्डिंग का रूम नंबर 418 कहानी के रहस्य का केंद्र बनता है। इसके बाद देविका की एंट्री कहानी को एक डरावने मोड़ पर ले जाती है।

साइकोलॉजिकल थ्रिलर से हॉरर तक पहुंचता है ट्रेलर

'418' का ट्रेलर शुरुआत में एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर जैसा माहौल बनाता है। विवेक की मानसिक स्थिति और उसके आसपास हो रही घटनाओं के बीच कहानी आगे बढ़ती है। लेकिन कुछ ही देर में फिल्म का जॉनर पूरी तरह हॉरर की तरफ मुड़ता दिखाई देता है। ट्रेलर के दूसरे हिस्से में अलौकिक घटनाओं और डरावने दृश्यों की भरमार है। मेकर्स ने कहानी में जबरन कॉमेडी या दूसरे कमर्शियल एलिमेंट जोड़ने के बजाय डर और सस्पेंस पर फोकस किया है। यही वजह है कि ट्रेलर की कई झलकियां एक बेचैन करने वाला माहौल तैयार करती हैं।

चैत्रा अचार ने खींचा ध्यान

चैत्रा अचार सबसे ज्यादा ध्यान खींचती हैं। दूसरे हिस्से में एक अलग ही रूप में सामने आता है, डरावनी मौजूदगी और रहस्यमयी हरकतें ट्रेलर के हॉरर फैक्टर को काफी बढ़ाती हैं। सूर्या राज, चरण लक्काराजू, प्रीति पगडाला और शशांक पाटिल के किरदारों की भी झलक देखने को मिलती है।

23 अक्टूबर को रिलीज होगी

'418' का ट्रेलर हॉरर, रहस्य और अलौकिक घटनाओं की वजह से फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ाता है। फिल्म दशहरा के मौके पर 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी समेत पांच भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा।



विद्युत जामवाल ने 20 मिनट तक नहीं झपकाई पलक

विद्युत जामवाल अपनी फिल्मों में जबरदस्त एक्शन और फिटनेस के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार उनका एक बिल्कुल अलग अंदाज लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। अपनी हॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में विद्युत जामवाल ने कुछ ऐसा किया, जिसने वहां मौजूद लोगों के साथ-साथ इंटरनेट यूजर्स का भी ध्यान खींच लिया। दरअसल, 'स्ट्रीट फाइटर' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और फिल्म को लेकर पहले से ही सोशल मीडिया पर काफी बज बना हुआ है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में विद्युत जामवाल ऑल व्हाइट ब्लेजर और पैंट में नजर आए। उनका लुक काफी शानदार लग रहा था। हालांकि, इवेंट से सामने आया उनका एक वीडियो उनके लुक से कहीं ज्यादा चर्चा में आ गया।

■ वायरल वीडियो में विद्युत जामवाल करीब 20 मिनट तक मेडिटेशन करते दिखाई दे रहे हैं। खास बात यह रही कि इस दौरान उन्होंने अपनी पलक तक नहीं झपकाई। वह लगातार एकटक खड़े रहे और उनकी आंखों से आंसू भी छलकते नजर आए। विद्युत का यह शांत और भावुक अंदाज उनके आम एक्शन स्टार वाले अंदाज से बिल्कुल अलग दिखाई दिया। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग विद्युत जामवाल की तारीफ कर रहे हैं। उनके इस अंदाज ने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। खासकर हॉलीवुड में उनके डेब्यू को लेकर दर्शकों में काफी एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है।

■ 'स्ट्रीट फाइटर' विद्युत जामवाल के करियर के लिए भी खास फिल्म है, क्योंकि इसके जरिए वह हॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। फिल्म में वह 'धलसिम' की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन किताओ सकुराई ने किया है। इसमें विद्युत के साथ नोआ सेंटिनियो और जेसन मोमोआ जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज डेट की बात करें तो 'स्ट्रीट फाइटर' 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म अंग्रेजी के साथ हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी दर्शकों के बीच पहुंचेगी। ऐसे में भारत में भी विद्युत जामवाल के हॉलीवुड डेब्यू को लेकर खास दिलचस्पी बनी हुई है।

दिल्ली कैपिटल्स हेड कोच बने गांगुली



इंडियन प्रीमियर लीग- IPL 2027 को लेकर सभी टीमें अपनी तैयारियों में जुट गई हैं। इसी कड़ी में दिल्ली कैपिटल्स यानी DC ने एक बड़ा फैसला लेते हुए टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज कप्तान सौरव गांगुली को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने इसकी जानकारी दी है। फ्रेंचाइजी के साथ विभिन्न भूमिकाओं में सालों बिताने के बाद यह पहली बार है जब वह मुख्य कोच की कमान संभालेंगे। गागंली हेमांग बदानी की जगह लेंगे, जिन्होंने दो सीजन तक दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच की भूमिका निभाई थी।

दिल्ली कैपिटल्स ने पोस्ट कर क्या लिखा

दिल्ली कैपिटल्स ने एक्स पोस्ट में लिखा कि दिल्ली यह दादागिरी का समय है। इधर, DC के चेयरमैन और सह-मालिक पार्थ जिंदल ने कहा कि दादा- सौरव गांगुली हमेशा से ही दिल्ली कैपिटल्स परिवार के एक अभिन्न अंग रहे हैं। मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है कि भारत के सबसे महान कप्तानों में से एक अब दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच के रूप में कोचिंग की दुनिया में कदम रख रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग विभाग में बदलाव

गांगुली को मुख्य कोच बनाने के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स ने अपने पुराने सपोर्ट स्टाफ में बदलाव करने का फैसला किया है। फ्रेंचाइजी ने पूर्व मुख्य कोच हेमांग बदानी के साथ टीम निदेशक वेणुगोपाल राव, गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल और सहायक कोच इयान बेल को भी बरकरार न रखने का फैसला किया है। वहीं, गांगुली अब पूरी तरह अपना नया सपोर्ट स्टाफ लेकर आएंगे। चर्चा है कि पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह भी DC के कोचिंग ग्रुप में शामिल हो सकते हैं।

सितंबर के ICC प्लेयर ऑफ द मंथ का नॉमिनेशन जारी

■ अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल समेत ये खिलाड़ी लिस्ट में शामिल

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस साल सितंबर महीने में क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले पुरुष और महिला खिलाड़ियों को एक खास गिफ्ट देने का ऐलान किया है। ICC ने सितंबर 2026 के लिए पुरुष और महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार के नामांकित खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। इस खास सूची में भारत के शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा के अलावा जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा को भी जगह मिली है। दरअसल, हाल ही में अभिषेक ने पूर्ण सदस्य देशों के बीच सबसे तेज टी-20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़कर सुर्खियां बटोरीं थी। वहीं दूसरी ओर महिलाओं के वर्ग में भारत की शफाली वर्मा, श्री चरणी और श्रीलंका की चमारी अटापट्टू को इस पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।



चरणी ने 7 मैच में लिए 18 विकेट

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्पिनर श्री चरणी ने सितंबर में 7 टी-20 इंटरनेशनल में 18 विकेट लिए। उनका इकोनॉमी रेट 3.30 रहा। एशियन गेम्स के फाइनल में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 13 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके बाद चरणी ICC महिला टी-20 बॉलिंग रैंकिंग में 817 रेटिंग पॉइंट्स तक पहुंचीं, जो इस फॉर्मेट में अब तक का सबसे बड़ा रेटिंग स्कोर है।

शेफाली और चमारी भी महिला वर्ग में रेस में

भारतीय महिला क्रिकेटर शेफाली वर्मा ने सितंबर में 360 रन बनाए और 6 विकेट लिए। वह महिला एशिया कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 100 रन और फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 48 रन बनाए। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने 7 टी-20 इंटरनेशनल में 226 रन बनाने के साथ 14 विकेट लिए। उन्होंने महिला एशिया कप में इंडोनेशिया के खिलाफ 5 रन देकर 7 विकेट लिए और हैट्रिक भी हासिल की।

गिल का सबसे तेज वनडे डबल सेंचुरी

भारतीय वनडे क्रिकेट टिम के कप्तान शुभमन गिल ने सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 वनडे में 333 रन बनाए। उन्होंने पहले वनडे में 110 रन की पारी खेली। इसके बाद दूसरे वनडे में 133 गेंदों पर 223 रन बनाए। यह वनडे इतिहास की सबसे तेज डबल सेंचुरी है। गिल की पारी की मदद से भारत ने 406 रन का लक्ष्य 8 विकेट रहते और 39 गेंद बाकी रहते हासिल किया। इस तरह से गिल पांचवीं बार ICC प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की रेस में हैं।

अभिषेक ने 30 गेंदों में लगाया शतक

युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने सितंबर में 4 टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 229 रन बनाए। अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी-20 में उन्होंने 34 गेंदों पर 108 रन बनाए। इस पारी में अभिषेक ने 30 गेंदों में शतक पूरा किया, जो किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे तेज टी-20 इंटरनेशनल शतक है। उन्होंने रोहित शर्मा के 35 गेंदों में शतक के रेकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

सिकंदर रजा भी पुरुष वर्ग में नॉमिनेटेड

जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर खिलाड़ी सिकंदर रजा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में 57, 45 और नाबाद 81 रन बनाए। उन्होंने 3 वनडे में 183 रन बनाने के साथ 3 विकेट भी लिए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 92.89 और इकोनॉमी रेट 5.46 रहा। 3 टी-20 इंटरनेशनल में उन्होंने 90 रन बनाए और 2 विकेट लिए।

हरलीन सेठी ने फिल्म इंडस्ट्री को बताया सेल्स की दुकान



कलाकारों की भीड़ में फिल्मकारों को याद दिलाते रहना होता है कि मैं भी हूं। यह कहना है 'ब्रोकेन बट ब्यूटीफुल', 'कोहरा', 'काठमांडू कनेक्शन', 'शक - ट्रस्ट नो वन' समेत की वेब सीरीज में काम कर चुकी अभिनेत्री हरलीन सेठी का।

इंटरनेट पर काम डालना जरूरी

बड़े पर्दे के लिए अपनी नई कामेडी फिल्म पर काम कर रही हरलीन कहती हैं कि आपको खुद को सामने पेश करना जरूरी है। कोई भी इंडस्ट्री हो, काम के अलावा भी कई फैक्टर होते हैं, जो आपको सफलता की ओर लेकर जाते हैं। लोगों से मिलना, अपना काम इंटरनेट मीडिया पर डालना, दिखना जरूरी है, ताकि आप याद रहें। काम मांगने में शर्म नहीं होनी चाहिए।

किस्मत से मिलता है काम

किसी फिल्मकार का काम पसंद है, तो उसमें कह दें कि आपका काम पसंद है, अगर मेरे लिए कोई रोल होगा, तो बुलाइएगा। मैं मानती हूं कि यह कठिन काम है, सेल्स की नौकरी की तरह है, जहां सुबह उठकर आप फोन लगाते हैं कि ये सामान ले लो, यहां हम खुद ही प्रोडक्ट हैं, लेकिन अपने आपको सही तरीके से पेश करना अहम है। फिल्मकारों ने मुझे वह जिम्मेदारी दी है कि मैं जटिल रोल कर लेती हूं। लेकिन बहुत सारा काम इस इंडस्ट्री में आपको किस्मत से मिलता है।

अक्षय कुमार की बात नहीं भूलीं एक्ट्रेस

अक्षय कुमार जी ने यह बात कही थी कि सही समय पर, सही जगह पर होना जरूरी है। बहुत सारे प्रतिभाशाली कलाकार हैं, सब अच्छा काम करना चाहते हैं, लेकिन उस समय पर, उस निर्माता-निर्देशक के सामने होना, आपका आडिशन उन्हें पसंद आना जरूरी है। ऐसा नहीं है कि मेहनत नहीं करनी है, लेकिन समय के साथ मेरी समझ यही भी कहती हैं कि किस्मत भी चाहिए।

अभिनय में प्रशिक्षित न होना, क्या सेट पर हरलीन को सीनियर कलाकारों के सामने डराता है?

इस पर वह कहती हैं कि जब मैं डांस सीखती थी, तो मेरे डांस टीचर एशले लोबो ने मुझे सिखाया था कि फेक इट टिल यू मेक इट यानी जब तक कामयाब न हो जाओ, कामयाब होने का नाटक करते रहो। मैं इस बात को पकड़कर चली हूं, जब अभिनय नहीं आता था, तब भी ऐसे दिखाती थी कि सब आता है। आडिशन रूम में यही सोचकर जाती थी कि मैं कर लूंगी। मुझे तो ऐसे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला है, जो मुझसे बहुत सीनियर हैं, विक्रांत मेस्सी, परिणीति चोपड़ा, शरद केलकर मंझे हुए कलाकार हैं, उनके सामने काम करते वक्त खुद को यकीन दिलाना था कि मैं कर लूंगी। अभिनय सीखा नहीं है, इस कारण मेरी मेहनत दोगुनी हो जाती है। हरलीन ने कहा था कि वह हीरोइन वाले रोल के पीछे नहीं भागती हैं। लेकिन क्या उनका मन नहीं करता की जटिल किरदारों से निकलकर थोड़े हल्के-फुल्के रोल किए जाएं?

कैसी वेब सीरीज करना चाहती हैं हरलीन

हरलीन कहती हैं कि पिछले कुछ सालों से मेरा इरादा केवल सीखने का रहा है, क्योंकि मैं प्रशिक्षित कलाकार नहीं हूं। मैंने थिएटर नहीं किया है, नेशनल स्कूल आफ ड्रामा या एफटीआईआई (फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट आफ इंडिया) से अभिनय की पढ़ाई नहीं की है। मुझे लगता है कि जितने अलग लोगों के साथ मैं काम करूंगी, उतना सीखने को मिलेगा। वह ख्याल आता है कि गाने मिल जाएं, रोड ट्रिप वाली वेब सीरीज मिल जाए। फिलहाल एक कामेडी फिल्म का हिस्सा भी बन गई हूं, जिसे फरहाद सामजी निर्देशित कर रहे हैं। सिनेमाघरों में वह फिल्म रिलीज होगी। मैंने कभी अपने काम को प्लेटफार्म के हिसाब से नहीं देखा। मेरे करियर का लालच अच्छा काम और किरदार रहे हैं। काम सीखो और अच्छे लोगों के साथ काम करो। लोग कहते हैं कि बाक्स आफिस पर फिल्मों का रिलीज होना जरूरी है, लेकिन ओटीटी पर काम करने की ट्रेनिंग की वजह से मेरा ध्यान ही उस ओर नहीं जाता है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक**: पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** **RNI. NO. MAHHIN/2011/43060** **स्थानीय संपादक**: शिवप्रताप